कार्तिक कृष्ण - 12 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 96 ■ पृष्ठ - 8+4 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 29-10-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुभ धनतेरस

5 देश की संपत्ति को कुछ लोगों के हाथों में केंद्रित किया जा रहा है : राहुल

7 परमसुंदरी में बिजनेस टाइकून का किरदार निभाएंगे सिद्धार्थ मल्होत्रा

फर्स्ट टेक

सोमवार को भी 60 से अधिक उड़ानों में बम रखे होने की धमकी मिली

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय विमानन कंपनियों की 60 से अधिक उड़ानों में सोमवार को बम रखे होने की धमकी मिली। सूत्रों ने यह जानकारी दी। पंद्रह दिन में विमानन कंपनियों द्वारा संचालित 410 से अधिक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में बम रखे होने की झूठी धमकियां मिली हैं। इनमें से ज्यादातर धमकियां सोशल मीडिया के जरिए दी गईं। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि एअर इंडिया और इंडिगो की करीब 21-21 उड़ानों और विस्तारा की करीब 20 उड़ानों को सोमवार को धमकियां मिलीं।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावः भाजपा ने जारी की 25 उम्मीदवारों की तीसरी सूची

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 25 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने बताया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 25 उम्मीदवारों के नामों को स्वीकृति प्रदान की है। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पहली सूची में 99 उम्मीदवारों के नामों का एलान किया था। वहीं दूसरी सूची में 22 प्रत्याशियों के नाम घोषित किये थे। इस तरह से पार्टी के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 146 प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिये हैं।

भारत को नई उम्मीद के साथ देख रही दुनिया : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- गुजरात के अमरेली जिले के लाठी में 4,800 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद एक समारोह को संबोधित किया
- जैसे-जैसे हम विकास करते जा रहे हैं, वैसे-वैसे विश्व पटल पर भारत का गौरव और प्रभाव बढ़ता जा रहा है। पूरा विश्व भारत की ओर नई उम्मीद और नई दृष्टि से देख रहा है। लोग भारत के सामर्थ्य को पहचानने लगे हैं। आज पूरा विश्व भारत की बात को गंभीरता से और ध्यान से सुनता है, और हर कोई भारत में मौजूद संभावनाओं पर चर्चा करता है।

अमरेली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि दुनिया अब भारत को पूरे ध्यान और गंभीरता से सुन रही है तथा सभी लोग देश को नई उम्मीद से देख रहे हैं एवं विभिन्न क्षेत्रों में भारत में उपलब्ध अपार संभावनाओं पर चर्चा कर रहे हैं।

गुजरात के अमरेली जिले के लाठी में 4,800 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद एक समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल में ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल हुए देशों ने भारत से हाथ मिलाने और उसकी विकास यात्रा में साझेदार बनने की उत्सुकता प्रकट की थी।

मोदी ने कहा कि जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने पिछले सप्ताह नई दिल्ली की अपनी यात्रा में घोषणा की थी कि उनका देश हर साल 90,000 भारतीयों को वीजा जारी करेगा, और अब यह देश के युवाओं पर निर्भर है कि वे इसके लिए कौशल विकसित करें।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''जैसे-जैसे हम विकास करते जा रहे हैं, वैसे-वैसे विश्व पटल पर भारत का गौरव और प्रभाव बढ़ता जा रहा है। पूरा विश्व भारत की ओर नई उम्मीद और नई दृष्टि से देख रहा है। लोग भारत के सामर्थ्य को पहचानने लगे हैं। आज पूरा विश्व भारत की बात को गंभीरता से और ध्यान से सुनता है, और हर कोई भारत में मौजूद संभावनाओं पर चर्चा करता है।'' उन्होंने कहा, ''हर देश भारत में निवेश की संभावनाओं के बारे में पूछ रहा है।'' मोदी ने कहा कि जब वह ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से स्वदेश लौटे तो जर्मन चांसलर शोल्ज एशिया में निवेश करने वाले प्रतिनिधियों के एक बड़े प्रतिनिधिमंडल के साथ नई दिल्ली आए थे और उन्होंने उन लोगों से कहा था कि वे उनकी (प्रधानमंत्री की) बात सुनें और तय करें कि वे भारत में क्या करना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''उन्होंने (शोल्ज ने) (यात्रा के दौरान) कुछ महत्वपूर्ण बातें कहीं जो हमारे युवा मित्रों के काम आने वाली हैं। पहले जर्मनी भारतीयों को सालाना 20,000 वीजा देता था। चांसलर ने घोषणा की कि वे 90,0000 वीजा जारी करेंगे क्योंकि उन्हें (जर्मनी की) फैक्टरियों में युवाओं और जनशक्ति की जरूरत है क्योंकि भारत के लोग मजबूत हैं, वे नियमों का पालन करते हैं और शांति से रहना पसंद करते हैं। अब, यह आपके हाथ में है कि आप उनकी (नौकरी की) जरूरतों के हिसाब से खुद को तैयार करें।''

मोदी, सांचेज ने टाटा-एयरबस कारखाने का उद्घाटन किया

- टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स सैन्य विमान बनाने वाली भारत की पहली निजी इकाई है, जहां सी295 विमान का निर्माण किया जाएगा।

वडोदरा/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने सोमवार को वडोदरा में टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया, जो सैन्य विमान बनाने वाली भारत की पहली निजी इकाई है, जहां सी295 विमान का निर्माण किया जाएगा। भारत और स्पेन के बीच साझेदारी को नई दिशा मिलने का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि यह परियोजना न केवल दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करेगी बल्कि 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' मिशन को भी गति प्रदान करेगी।

मोदी ने एयरबस और टाटा की टीम को शुभकामनाएं दीं और स्वर्गीय रतन टाटा को श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

एयरबस सी295 एक मध्यम सामरिक परिवहन विमान है जिसे शुरुआत में स्पेनिश एयरोस्पेस कंपनी सीएएसए द्वारा डिजाइन और निर्मित किया गया था, जो अब यूरोपीय बहुराष्ट्रीय एयरबस डिफेंस एंड स्पेस डिवीजन का हिस्सा है। सी295 का उपयोग चिकित्सकीय आपात स्थिति में फंसे लोगों को निकालने, आपदा प्रतिक्रिया और समुद्री गश्ती कार्यों के लिए भी किया जा सकता है।

नाटो ने पुष्टि की, उत्तर कोरिया ने यूक्रेन में रूस की मदद के लिए सैनिक भेजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रसेल्स/एपी। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) ने सोमवार को इस बात की पुष्टि की कि उत्तर कोरियाई सैनिकों को यूक्रेन के खिलाफ लगभग तीन साल से चल रहे युद्ध में रूस की सहायता के लिए भेजा गया है, तथा उनमें से कुछ को पहले ही रूस के कुर्स्क सीमा क्षेत्र में तैनात किया जा चुका है।

नाटो महासचिव मार्क रूट ने संवाददाताओं से कहा, ''आज मैं पुष्टि कर सकता हूं कि उत्तर कोरिया के सैनिकों को रूस भेजा गया है और उत्तर कोरिया की सैन्य इकाइयों को कुर्स्क क्षेत्र में तैनात किया गया है।''

रूट ने कहा कि यह कदम संघर्ष में उत्तर कोरिया की भागीदारी में महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता है और रूस के युद्ध के खतरनाक विस्तार को चिह्नित करता है।

उनकी यह टिप्पणी शीर्ष खुफिया और सैन्य अधिकारियों तथा वरिष्ठ राजनयिकों सहित एक उच्च स्तरीय दक्षिण कोरियाई प्रतिनिधिमंडल द्वारा ब्रसेल्स स्थित नाटो मुख्यालय में गठबंधन बल के 32 राष्ट्रीय राजदूतों को जानकारी देने के बाद आई।

रूट ने कहा कि नाटो 'गठबंधन के भीतर, यूक्रेन और हमारे हिंद-प्रशांत साझेदारों के साथ घटनाक्रम पर सक्रिय रूप से परामर्श कर रहा है' और वह जल्द ही दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति और यूक्रेन के रक्षा मंत्री के साथ बात करने वाले हैं। उन्होंने कहा, ''हम हालात पर करीब से नजर बनाए हुए हैं।''

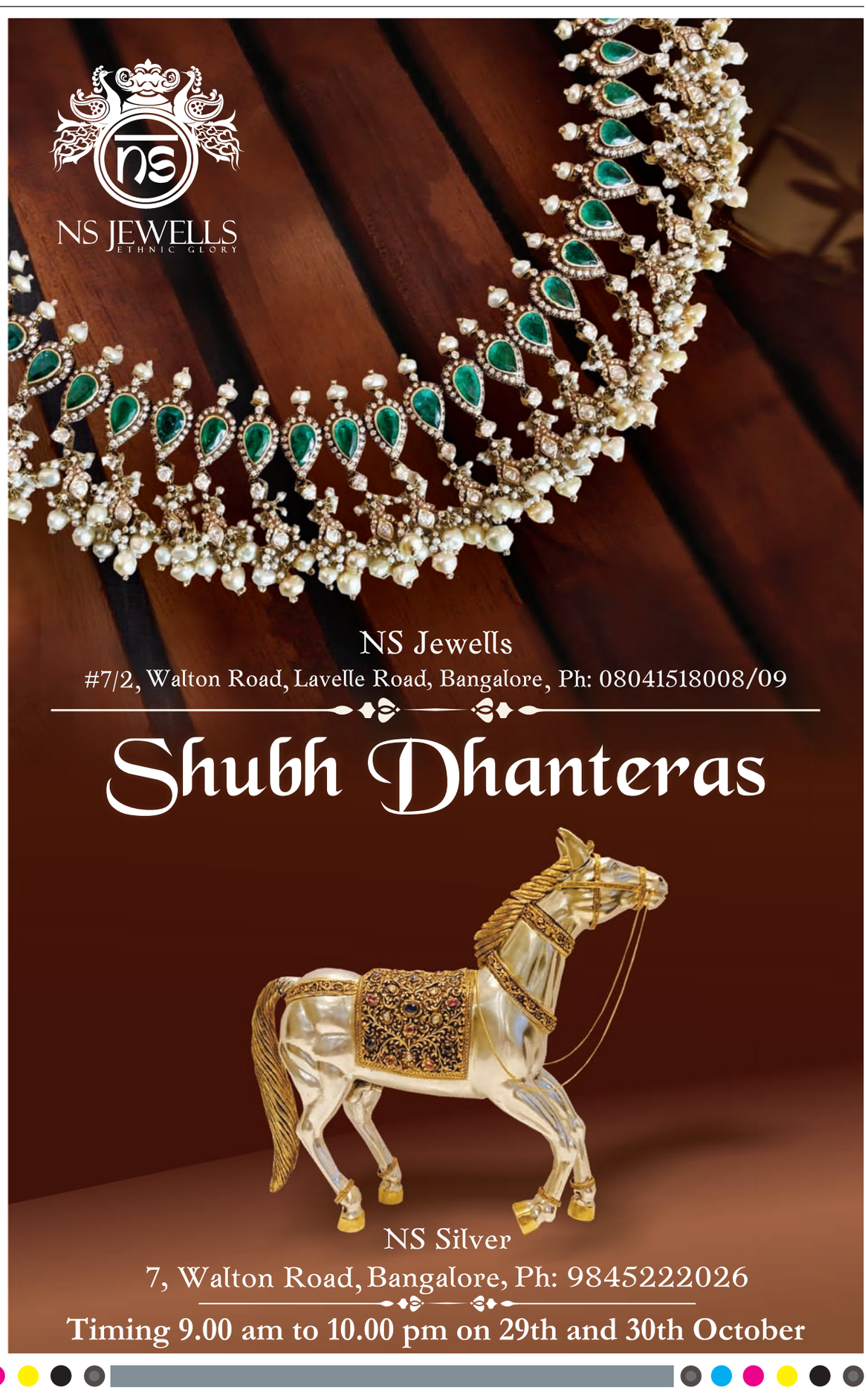

शुभ-धनतेरस

धनतेरस के सुअवसर पर आपके लिए

लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
की ओर से

आज के अंक के साथ प्राप्त करें लक्ष्मी पाना

पूजा का 'लक्ष्मी पाना'

अपने अखबार वितरक (हॉकर) से आज मंगलवार, 29 अक्टूबर 2024 के अंक के साथ लेना न भूलें। अपने मित्रों-परिचितों के लिए भी यदि आपको लक्ष्मी पाना चाहिए हो तो हमारे कार्यालय में अपने आदमी को भेजकर मंगवा सकते हैं

दक्षिण भारत का हिंदी दैनिक
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूर कार्यालय पता 6/4, Cantonment Railway Station Road, Bangalore - 51

चाड में सैन्य अड्डे पर हुए हमले में कम से कम 40 सैनिक मारे गए

डकार/एपी। चाड के पश्चिमी भाग में एक सैन्य अड्डे पर रविवार रात अज्ञात हमलावरों ने हमला कर दिया, जिसमें कम से कम 40 सैनिक मारे गए। चाड के राष्ट्रपति कार्यालय ने यह जानकारी दी। चाड के राष्ट्रपति इदरीस डेबी ने सोमवार सुबह सैन्य अड्डे का दौरा किया और हमलावरों का पता लगाने के लिए सैन्य अभियान शुरू करने की घोषणा की। चाड लंबे समय से नाइजीरिया की सीमा के पास देश के पश्चिमी हिस्से में उग्रवाद से जूझ रहा है। जून में राजधानी एन'जामेना में एक सैन्य गोला-बारूद डिपो में आग लगने से विस्फोट होने से नौ लोग मारे गए और 40 से ज्यादा घायल हो गए थे।

'सरस्वती पूजा से होता है दीपावली पर्व का शुभारंभ'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका के साधना खंड में सरस्वती की पांच दिवसीय साधना के समापन के अवसर पर साधकों को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि माता सरस्वती सौभाग्यदायक है। वह शांति, संतोष और सुख की कारक है। धन से पहले जीवन में बुद्धि की सख्त आवश्यकता रहती हैं, इसलिए पहले वाग् बारस और फिर धन तेरस का नीति निर्धारण हुआ है, अर्थात् भारतीय संस्कृति में दीपावली सिर्फ दीप जलाने या पटाखे फोड़ने का पर्व नहीं, सरस्वती और लक्ष्मी की साधना का पर्व है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि वाग् बारस और धन तेरस के स्वरूप व समय निर्धारण को समझने जैसा है। यह अद्भुत संयोग है कि दीपावली का प्रारंभ वाग् बारस से होता है। धन तेरस इस त्यौहार का दूसरा दिन है। वाग् का अर्थ है सरस्वती और धन का अर्थ है लक्ष्मी। अर्थात् पहले सरस्वती की पूजा करनी चाहिये और उसके बाद लक्ष्मी की। लोग धन तेरस के दिन सोने-चांदी के सिक्कों को दूध से नहलाते हैं। उन्हें चमकाने-दमकाने का खूब प्रयत्न करते हैं। जिंदगी में कितनी ही धन तेरस आईं और चली गईं, पर धन की तरस अभी भी बरकरार है। वह तरस कभी मिटती नहीं।

धन की चाह में पूरा जीवन दांव पर लग जाता है। कभी कभी तो ऐसा लगता है जैसे मनुष्य का जीवन सिर्फ धन कमाने की मशीन है। यह पता ही नहीं चल पाता कि जीवन धन के लिए है या धन जीवन के लिए।

गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि इस पांच दिवसीय ज्ञान व सरस्वती साधना का सोमवार को समापन हुआ। साधकों ने बीजमंत्रों के साथ घी, बादाम, चंदन, कपूर, नारियल आदि द्रव्यों से हवनकुंड में 5400 आहुतियां प्रदान की। संकल्प और कामना के साथ सरस्वती को अर्घ्य अर्पित किया गया। प्रार्थना, आत्मरक्षा, भूमिशुद्धि, मंत्रस्नान, वस्त्रशुद्धि, कल्मष दहन, हृदयशुद्धि, सकलिकरण, आह्वान, स्थापना, सन्निधापन, सन्निरोधन, अवगुंठन, पूजन, ग्रंथिविधान तथा भाष्यजाप व मानस जाप के बाद क्षमापना आदि के विधान हुए। कुम्भस्थापन, अखंड ज्योति और क्षेत्रपाल की स्थापना की गई और महाआरती के साथ विराट अनुष्ठान की पूर्णाहुति हुई। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि मंगलवार को धन तेरस के उपलक्ष्य में विशेष धर्मसभा होगी। सभी साधकों को अभिमंत्रित अर्घ्य प्रदान किया जाएगा। प्रवचन के बाद सूरिमंत्र के यंत्र पर पूजन विधान होगा।

मुडा मामला : सामाजिक कार्यकर्ता ने अपनी शिकायत के समर्थन में ईडी को 'वीडियो साक्ष्य' सौंपे

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक में मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूखंड आवंटन घोटाले' के सिलसिले में बेंगलूरु और मैसूरु में कई स्थानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जारी छापेमारी के बीच सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने सोमवार को अपनी शिकायत के समर्थन में ईडी को वीडियो ''साक्ष्य'' सौंपे। कथित घोटाले में शिकायतकर्ताओं में से एक कृष्णा हाल ही में पूछताछ के लिए ईडी के समक्ष पेश हुए थे और दस्तावेज जमा किए थे।

यहां ईडी के अतिरिक्त निदेशक को लिखे अपने पत्र में कृष्णा ने कहा कि उन्हें एक वीडियो मिला है। कृष्णा ने कहा, ''वीडियो में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि एक वाहन की पिछली सीट पर नोटों के बंडल गिने जा रहे हैं, जबकि आगे की सीट पर एक व्यक्ति से बातचीत हो रही है। बातचीत में 25 लाख रुपये की राशि का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है। वीडियो में जिन लोगों के बीच कथित तौर पर नकद लेनदेन हुआ था, उनके नाम साझा करते हुए कृष्णा ने ईडी अधिकारी से उन्हें तलब करके जांच करने का अनुरोध किया।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या एमयूडीए द्वारा उनकी पत्नी पार्वती को 14 भूखंडों का आवंटन किए जाने में अनियमितता के आरोपों का सामना कर रहे हैं। यह आरोप लगाया गया है कि मैसुरु के एक पॉश इलाके में पार्वती को 14 ऐसे स्थल आवंटित किए गए थे, जिनका मूल्य उस भूमि की तुलना में अधिक है जिसे एमयूडीए ने ''अधिग्रहित'' किया था।

एमूयडीए ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ भूमि के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे। विवादास्पद योजना के तहत एमयूडीए ने आवासीय परिसर बनाने के लिए भूखंड छोड़ने वालों को उनसे ली गई अविकसित भूमि के बदले में 50 प्रतिशत विकसित भूमि आवंटित की थी।

कर्नाटक सरकार ने अनुसूचित जातियों के बीच आंतरिक आरक्षण देने को मंजूरी दी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक मंत्रिमंडल ने अनुसूचित जातियों (एससी) के बीच आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के लिए सोमवार को अपनी सहमति दे दी और इस संबंध में डेटा जुटाने के लिए एक आयोग गठित करने का फैसला किया। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कानून एवं संसदीय मामलों के मंत्री एच के पाटिल ने संवाददाताओं को बताया कि उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में आयोग का गठन किया जाएगा।

पाटिल ने कहा, ''कर्नाटक में अनुसूचित जातियों के बीच आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के संबंध में विचार-विमर्श हुआ। अनुसूचित जातियों के बीच आंतरिक आरक्षण के संबंध में उच्चतम न्यायालय के हाल के फैसले के मद्देनजर, मंत्रिमंडल ने अनुसूचित जातियों के बीच आंतरिक आरक्षण प्रदान करने को अपनी मंजूरी दे दी।''

उन्होंने कहा, ''आंकड़े प्राप्त करने के बाद अगले कदम पर निर्णय लिया जाएगा। सरकार समिति से तीन महीने में रिपोर्ट सौंपने को कहेगी।'' पाटिल ने कहा कि मंत्रिमंडल ने आयोग द्वारा अपनी रिपोर्ट सौंपे जाने तक आगामी सभी भर्तियों को कम से कम तीन महीने के लिए स्थगित करने का भी निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, आज से यदि किसी भर्ती की अधिसूचना जारी की जानी है तो वह प्रक्रिया नहीं होगी, यह आयोग द्वारा अपनी रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद ही शुरू होगी।

विधानसभा चुनावों से ठीक पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत पूर्ववर्ती सरकार के मंत्रिमंडल ने आंतरिक आरक्षण पर निर्णय लिया था, जिसमें केंद्र सरकार को अनुसूचित जाति (लेफ्ट) के लिए छह प्रतिशत, अनुसूचित जाति (राइट) के लिए 5.5 प्रतिशत, ''स्पृश्य'' (बंजारा, भोवी, कोरचा, कुरुमा) के लिए 4.5 प्रतिशत और अन्य के लिए एक प्रतिशत आंतरिक कोटा की सिफारिश की गई थी।

पौधे लगाकर दिया पर्यावरण के लिए चेतना का संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। टीडब्ल्यूएससी ने 25 अक्टूबर को बेंगलूरु, गुरुग्राम और मुंबई में पौधारोपण अभियान चलाया। इसमें 'ग्रो बिलियन ट्रीज़' का सहयोग रहा, जो जलवायु परिवर्तन से निपटने, पर्यावरण का संरक्षण करने और लोगों के सहयोग से बड़ी संख्या में पौधे लगाने तथा उनकी सुरक्षा करने के लिए समर्पित पहल है।

संस्था द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, टीडब्ल्यूएससी में यह अभियान कर्मचारियों और समाज में पर्यावरण चेतना की संस्कृति को विकसित करने की दिशा में कदम है। ग्रो बिलियन ट्रीज़ के साथ साझेदारी के जरिए टीडब्ल्यूएससी पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देने और लोगों को हरित एवं अधिक टिकाऊ भविष्य की दिशा में छोटे, लेकिन प्रभावशाली कदम उठाने के लिए प्रेरित करने के वास्ते प्रतिबद्ध है। इस आयोजन में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जीएसएल ने तटरक्षक बल के लिए तीव्र गति के दो स्वदेशी गश्ती पोत का जलावतरण किया

पणजी/भाषा। 'गोवा शिपयार्ड लिमिटेड' (जीएसएल) ने भारतीय तटरक्षक बल के लिए तीव्र गति के दो स्वदेशी गश्ती पोत (एफपीवी) का सोमवार को जलावतरण किया जिनका इस्तेमाल अपतटीय परिसंपत्तियों एवं द्वीपीय क्षेत्रों की सुरक्षा एवं निगरानी के लिए किया जाएगा। भारतीय तटरक्षक महानिदेशक (डीजी) परमेश शिवमणि की पत्नी प्रिया परमेश ने अथर्ववेद के श्लोकों के उच्चारण के बीच 'अदम्य' और 'अक्षर' पोतों का औपचारिक जलावतरण किया।

एक विज्ञप्ति में बताया गया कि जीएसएल ने ये अत्याधुनिक एफपीवी तटरक्षक बल की विशिष्ट परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्वयं डिजाइन किए हैं। बयान में कहा गया है कि 52 मीटर लंबाई और आठ मीटर चौड़ाई वाले ये पोत अपतटीय परिसंपत्तियों, द्वीपीय क्षेत्रों की सुरक्षा तथा निगरानी कार्य करने के अनुकूल हैं। जीएसएल भारतीय तटरक्षक बल के लिए आठ एफपीवी के बेड़े का निर्माण कर रहा है, जो रक्षा उत्पादन में 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को साकार करने में शिपयार्ड की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

महानिदेशक परमेश शिवमणि ने भारतीय तटरक्षक बल और जीएसएल के बीच स्थायी सहयोग की सराहना की, जिसने कोविड-19 महामारी से लेकर भू-राजनीतिक व्यवधानों तक की चुनौतियों को पार किया है।

उन्होंने कहा, ''यह जलावतरण जीएसएल की जरूरत के अनुसार ढलने की क्षमता और प्रतिभा को दर्शाता है, जिसे भारतीय उद्योग के साथ घनिष्ठ सहयोग से किया गया है।'' उन्होंने कहा कि इन पोतों की स्वदेशी सामग्री 'आत्मनिर्भर भारत' पहल को गौरवपूर्ण तरीके से दर्शाती है।

कर्नाटक में वक्फ भूमि को लेकर किसानों को जारी किए गए नोटिस वापस लिए जाएंगे : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में किसानों की भूमि को वक्फ की संपत्ति के तौर पर चिह्नित करने के आरोप सामने आने के बाद राज्य के कानून और संसदीय कार्य मंत्री एच. के. पाटिल ने सोमवार को कहा कि उन्हें जारी नोटिस वापस लिए जाएंगे और उपायुक्त इस गलती की जांच करेंगे।

उन्होंने कहा कि किसानों की भूमि को वक्फ की संपत्ति में परिवर्तित करने का सरकार का कोई इरादा नहीं है और अगर कोई गलती हुई है तो उसे दूर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पाटिल ने कहा, जो गलती हुई है, उसे ध्यान में रखते हुए जारी किए गए नोटिस वापस लिए जाएंगे। इसकी जांच की जानी चाहिए कि गलती क्यों हुई और उसके बाद (जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई के बारे में) निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि जिले के उपायुक्त इस मामले की जांच करेंगे और जारी किए गए नोटिस वापस लेने के लिए कार्रवाई शुरू करने में कुछ दिन लगेंगे।

उन्होंने कहा, यह मामला संवेदनशील है, मैं संक्षेप में यही कह सकता हूं कि आरोप यह है कि किसानों की जमीन को वक्फ संपत्ति में बदला जा रहा है, सरकार का ऐसा कोई इरादा नहीं है। अगर किसी ने ऐसी गलती की है तो उसे सुधारा जाएगा और जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाएगा...जमीन जिसकी है, उसकी ही रहेगी। बेंगलूरु दक्षिण से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद तेजस्वी सूर्या ने शुक्रवार को विजयपुरा के किसानों से मुलाकात की। सूर्या ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि किसानों की संपत्तियों को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है।

उद्योग मंत्री और विजयपुरा जिले के प्रभारी एम.बी. पाटिल ने टिकोटा तालुक के होनवाड़ा में 1,200 एकड़ को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किए जाने को लेकर भ्रम दूर करने की मांग करते हुए कहा कि राजपत्रित अधिसूचना में त्रुटि के कारण ऐसा हुआ। उन्होंने कहा कि 1,200 एकड़ में से केवल 11 एकड़ ही वक्फ संपत्ति है। उन्होंने यह भी कहा कि मुद्दों को हल करने के लिए उपायुक्त की अध्यक्षता में एक कार्यबल का गठन किया जाएगा।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री के जिक्र के बाद कर्नाटक का व्यक्ति सुर्खियों में आया

विजयपुरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम में जिक्र किये जाने के बाद से कर्नाटक के विजयपुरा के रहने वाले संतोष पाटिल सुर्खियों में हैं। उन्होंने लोगों को 'डिजिटल गिरफ्तारी' के साइबर अपराध के जरिए निशाना बनाने वाले जालसाजों के मुद्दे को उठाया था। पुलिसकर्मी बनकर डिजिटल तरीके से गिरफ्तार करने की कोशिश करने वाले जालसाज से कुशलतापूर्वक निपटने के लिए पाटिल को बधाई संदेशों की बाढ़ आ गई है। इस मुद्दे को 19 सितंबर को भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी और तेलंगाना सड़क परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक डीवीसी सज्जनार ने उठाया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर पाटिल एवं जालसाज का वीडियो शेयर किया था।

अमरावती में 63,000 करोड़ रुपए के विकास कार्य शुरू किए जाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश ने कहा कि राजधानी अमरावती में और उसके आसपास के इलाकों में सरकारी और निजी क्षेत्रों द्वारा 63,000 करोड़ रुपए के निर्माण और विकास कार्य जल्द ही शुरू होंगे।

अभी अमेरिका की यात्रा पर गए लोकेश ने उद्योगपतियों से राज्य में निवेश करने की अपील की है, जहां सभी पहलुओं से निवेश के अनुकूल माहौल है।

लोकेश ने रविवार रात को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''मैंने बताया कि सरकारी क्षेत्र में तीन अरब अमेरिकी डॉलर और निजी क्षेत्र में 4.5 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत से राजधानी अमरावती के आसपास विभिन्न निर्माण और विकास कार्य शुरू किए जाएंगे।'' उन्होंने कहा कि अमरावती में एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) विश्वविद्यालय स्थापित किया जाएगा जो इस क्षेत्र में काम कर रही नई कंपनियों की जरूरतों को पूरा करेगा।

लोकेश ने बताया कि उन्होंने सैन फ्रांसिस्को में 'ड्रॉपबॉक्स' के सह-संस्थापक सुजॉय जसवा से मुलाकात की। वह 29 अक्टूबर को लास वेगास में 'आईटीसर्व एलायंस सिनर्जी कॉन्फ्रेंस' में भाग लेंगे और 31 अक्टूबर को अमेरिका के अटलांटा में पूर्व मुख्यमंत्री एन टी रामराव की प्रतिमा का अनावरण करेंगे।

बीएचईएल को दूसरी तिमाही में 106 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लि. (बीएचईएल) का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 106.15 करोड़ रुपये रहा है। मुख्य रूप से आमदनी बढ़ने से कंपनी को लाभ हुआ है। बीएचईएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले 2023-24 की इसी तिमाही में उसे 63.01 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। कंपनी को 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही में 211.40 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

कर्नाटक उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश के एस पुट्टस्वामी का निधन

बेंगलूरु/नई दिल्ली/दक्षिण भारत। कर्नाटक उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति के एस पुट्टस्वामी का सोमवार को बेंगलूरु स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। वह 98 वर्ष के थे। पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति के एस पुट्टस्वामी ने 2017 में उच्चतम न्यायालय से निजता के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। न्यायमूर्ति पुट्टस्वामी मुख्य याचिकाकर्ता थे, जिन्होंने 2012 में आधार योजना को निजता के अधिकार का उल्लंघन बताते हुए इसकी संवैधानिक वैधता को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी। आधार योजना को बाद में विधायी स्वीकृति मिली। अगस्त 2017 में एक ऐतिहासिक फैसले में, नौ न्यायाधीशों की पीठ ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया कि निजता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत एक मौलिक अधिकार है। उसने निजता को मानवीय गरिमा का ''संवैधानिक मूल'' बताया था।

जम्मू-कश्मीर को फिर अस्थिर करने की साजिश रची जा रही: भाजपा नेता रैना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रवींदर रैना ने सोमवार को कहा कि क्षेत्र को फिर अस्थिर करने की साजिशें रची जा रही हैं।

बडगाम जिले में डॉ. शाहनवाज डार के घर का दौरा करने के बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''बंदूकों और ग्रेनेड का यह कारोबार बंद बंद हो जाना चाहिए, क्योंकि इससे किसी को कोई फायदा नहीं होने वाला है।'' गांदरबल जिले में 20 अक्टूबर को गगनगीर सुरंग के निर्माण स्थल पर हुए आतंकी हमले जिन सात लोगों जान चली गई थी उनमें डार भी शामिल थे। रैना ने कहा, ''बड़ी कोशिशों से जम्मू-कश्मीर शांति और विकास के पथ पर लौटा है, लेकिन क्षेत्र को अस्थिर करने की साजिशें रची जा रही हैं।''

भाजपा नेता ने कहा कि सरकार और सुरक्षा बल स्थिति से निपटने में अपना काम करेंगे, लेकिन जम्मू-कश्मीर के लोगों को भी शांति और स्थिरता बनाए रखने में अपनी भूमिका निभानी होगी।

भारत चक्रीय वृद्धि में नरमी के दौर में, आरबीआई का अनुमान अत्यधिक आशावादी: नोमुरा

मुंबई/भाषा। जापानी ब्रोकरेज कंपनी नोमुरा ने सोमवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था 'चक्रीय वृद्धि में नरमी' के दौर में प्रवेश कर चुकी है और भारतीय रिजर्व बैंक का 7.2 प्रतिशत की जीडीपी की वृद्धि का अनुमान अब 'अत्यधिक आशावादी' लग रहा है।

नोमुरा ने कहा कि उसे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी में 6.7% और वित्त वर्ष 2025-26 में 6.8% वृद्धि के अपने अनुमानों को लेकर 'बढ़ते हुए नकारात्मक जोखिम' दिखाई दे रहे हैं। नोमुरा ने एक रिपोर्ट में कहा, ''भारत की अर्थव्यवस्था चक्रीय वृद्धि में नरमी के दौर में प्रवेश कर चुकी है। संयोग और प्रमुख वृद्धि संकेतक जीडीपी वृद्धि में आगे और नरमी का इशारा कर रहे हैं। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए रिजर्व बैंक का 7.2 प्रतिशत का पूर्वानुमान अत्यधिक आशावादी है।'' आरबीआई ने इस महीने की शुरुआत में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपने वृद्धि अनुमान को 7.2 प्रतिशत पर बरकरार रखा है जबकि कुछ पर्यवेक्षक इस आंकड़े में कटौती करते हुए नजर आ रहे हैं।

बारामूला के सांसद इंजीनियर रशीद ने तिहाड़ जेल प्राधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जम्मू कश्मीर के बारामूला से सांसद शेख अब्दुल रशीद ने अंतरिम जमानत की अवधि समाप्त होने के बाद सोमवार को दिल्ली में तिहाड़ जेल प्राधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। जेल प्रशासन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

दिल्ली की एक अदालत को अवामी इत्तेहाद पार्टी के नेता रशीद की जमानत याचिका पर आदेश पारित करना था लेकिन उसने इसे स्थगित कर दिया। रशीद अपराह्न में जेल परिसर पहुंचे। रशीद को आतंकवाद वित्तपोषण मामले में गिरफ्तार किया गया था।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के दौरान प्रचार करने के लिए इंजीनियर रशीद के नाम से मशहूर शेख अब्दुल रशीद को 10 सितंबर को अंतरिम जमानत दी थी। न्यायाधीश ने इससे पहले उनकी नियमित जमानत याचिका पर आदेश स्थगित कर दिया था।

न्यायाधीश ने रशीद के पिता के स्वास्थ्य के आधार पर उनकी अंतरिम जमानत 28 अक्टूबर तक बढ़ा दी थी। एनआईए ने कहा था कि उसने दस्तावेजों का सत्यापन कर लिया है और वह आरोपी के पिता की स्वास्थ्य स्थिति के कारण जमानत याचिका का विरोध नहीं कर रही है।

रशीद 2017 के आतंकवाद वित्तपोषण मामले में गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद से 2019 से तिहाड़ जेल में बंद थे।

महत्वपूर्ण खनिजों के लिए भारत को आयात निर्भरता कम करने की जरूरत : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत अपने ऊर्जा बदलाव की रफ्तार को तेज करने के लिए महत्वपूर्ण खनिजों के आयात पर बेहद निर्भर है। खासकर लिथियम, कोबाल्ट एवं निकल के लिए देश पूरी तरह आयात पर निर्भर है। सोमवार को एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।

इंस्टिट्यूट फॉर एनर्जी इकनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस (आईईईएफए) की तरफ से जारी रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की महत्वपूर्ण खनिजों की मांग 2030 तक दोगुनी से अधिक होने की उम्मीद है जबकि घरेलू खनन कार्यों को उत्पादन शुरू करने में एक दशक से अधिक समय लग सकता है। रिपोर्ट कहती है कि भारत को इन जरूरी खनिजों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय संबंधों को संतुलित करने और संभावित व्यापार जोखिमों को कम करने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार की गई आयात रणनीति अपनाने की जरूरत है। रिपोर्ट में आयात निर्भरता, व्यापार गतिशीलता, घरेलू उपलब्धता और वैश्विक मूल्य उतार-चढ़ाव के दृष्टिकोण से पांच महत्वपूर्ण खनिजों (और उनके यौगिकों) - कोबाल्ट, तांबा, ग्रेफाइट, लिथियम और निकल का परीक्षण किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत इन खनिजों और उनके यौगिकों के लिए काफी हद तक आयात पर निर्भर है और लिथियम, कोबाल्ट एवं निकल जैसे खनिजों के लिए तो वह 100 प्रतिशत आयात पर निर्भर है। रिपोर्ट के सह-लेखक चरित कोंडा ने कहा, ''भारत को नए अंतरराष्ट्रीय संसाधनों की पहचान करके और घरेलू उत्पादन में तेजी लाकर महत्वपूर्ण खनिजों के स्रोत को जोखिम-मुक्त करने की कोशिश करनी चाहिए।

हैदराबाद में 28 नवंबर तक निषेधाज्ञा लागू

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद पुलिस ने शहर में 28 नवंबर तक जुलूस, धरना और जनसभा के आयोजन को लेकर निषेधाज्ञा लागू कर दी है। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी. वी. आनंद की ओर से जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि उन्हें विश्वसनीय सूचना मिली है कि कई संगठन/पार्टियां हैदराबाद शहर में धरना एवं विरोध-प्रदर्शन करके शांति-व्यवस्था को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। आनंद की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, हैदराबाद शहर में सार्वजनिक कानून-व्यवस्था, शांति और सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से पांच या इससे अधिक लोगों के इकट्ठा होने, जुलूस निकालने, धरना देने, रैलियां या जनसभा आयोजित करने की अनुमति नहीं है। इसमें कहा गया है कि व्यक्तियों/लोगों के समूहों को कोई भी ऐसा भाषण देने, भाव भंगिमा या चित्र दिखाने, कोई भी चिह्न, तख्तियां, झंडे और इलेक्ट्रॉनिक रूप के किसी भी प्रकार के संदेश आदि प्रदर्शित करने पर प्रतिबंध है, जिससे हैदराबाद और सिकंदराबाद की सीमाओं में सार्वजनिक शांति और व्यवस्था में गड़बड़ी होने की आशंका हो।

हम शत प्रतिशत जीत दर्ज करेंगे : भरत बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवग्गवी। जब हावेरी (शिग्गवी) उपचुनाव के लिए सरकार होती है तो सभी मंत्री चुनाव कराने आते हैं। हालांकि, 23 नवंबर को जब मतपेटी खुलेगी तो उन्हें पता चल जाएगा कि जनता ने हमें आशीर्वाद दिया है। शिग्गावी सावनूर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार भरत बोम्मई ने कहा कि हम शत प्रतिशत जीतेंगे। शिग्गावी विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के मद्देनजर उन्होंने खुर्सापुरा समेत कई गांवों में घर-घर जाकर वोट मांगे और फिर मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैं हर दिन 10 से 11 गांवों में जाकर वोट मांग रहा हूं। जितना हो सके पदयात्रा कर रहू हूं। मैं हमारे सभी कार्यकर्ताओं, बुजुर्गों, मतदाताओं के घर-घर जा रहा हूं, समय बहुत कम है। हमारे पिता और मां भी मेरे लिए प्रचार कर रहे हैं।'

मेरे नामांकन जमा करने के समय आयोजित रोड शो में पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, राज्य विधानसभा में विपक्ष के उपनेता अरविंद बेलाडा, पूर्व मंत्री मुरुगेश निरानी, विधान प्रतिशत विपक्ष के नेता चलावाडी नारायणस्वामी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि सभी नेताओं का आशीर्वाद मुझ पर है।

भूमि जिहाद कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू किया गया : आर अशोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस सरकार और वक्फ बोर्ड ने भूमि जिहाद शुरू कर दिया है और गरीब किसानों की जमीन हड़पने के लिए हर तरह के प्रयास किए गए हैं। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मांग की है कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को इस पर तुरंत स्पष्टीकरण देना चाहिए। सोमवार को उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार आने के बाद पूरा कर्नाटक ऐसे खेल रहा है जैसे यह एक ही समुदाय का हो। कांग्रेस के तुष्टिकरण के कारण हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं। राज्य में गणेशजी को विसर्जित करने की अनुमति नहीं है। हिंदू 'जय श्रीराम' नहीं बोल सकते हैं। हिंदुओं को कोई सुरक्षा नहीं है। अब वक्फ बोर्ड ने विजयपुर जिले के होनवाड़ा गांव में करीब 12 हजार एकड़ जमीन और पूरे जिले में 15 हजार एकड़ जमीन अधिग्रहण करने की योजना बनाई है। इसके लिए 139 किसानों को

राजस्व विभाग की ओर से सूचना नोटिस जारी किया गया है। विपक्ष के नेता अशोक ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्पष्ट रूप से सरकार द्वारा ही किया जा रहा एक भूमि जिहाद है।

उन्होंने कहा कि आज कर्नाटक किस ओर जा रहा है। राज्य में एक बम विस्फोट हुआ। पाकिस्तान को ललकारा गया है। युवा हिंदू महिलाएं लव जिहाद से मर रही हैं। अब जमीन जिहाद शुरू हो गया है। पिछले माह जिले में आए मंत्री जमीर अहमद ने वक्फ संपत्ति को राजपत्रित संपत्तियों में शामिल करने का मौखिक आदेश दिया था। ऐसा करके सरकार आधिकारिक तौर पर अतिक्रमण कर रही है। अतीत में, टीपू सुल्तान, औरंगजेब जैसे सांप्रदायिक कट्टरपंथियों ने हिंदुओं की जमीन, नौकरियां और जीवन छीन लिया और उनका धर्मांतरण किया। उन्होंने शिकायत की कि अब किसानों की जमीन छीनी जा रही है। अशोक ने कहा कि मंत्री जमीर अहमद आधुनिक टीपू सुल्तान बनने जा रहे हैं। इस तरह से भी जमीन हड़पने और मुख्यमंत्री बनने की योजना बनाई गई है। एक तरफ मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या मुडा परिसर को लूटा, दूसरी ओर मल्लिकार्जुन खरगे परिवार ने सीए की संपत्ति लूट ली। अब इस सूची में ज़मीर अहमद भी शामिल हो गए हैं और उन्होंने जमीन लूटकर वक्फ में शामिल करने की रणनीति बनाई है। वक्फ संपत्ति के नाम पर जमीन जिहाद करने जा रही कांग्रेस सरकार के अत्याचार के विरोध में विजयपुरा के किसानों ने इस साल दिवाली नहीं मनाने का फैसला किया है।

धनत्रयोदशी पर्व शुभ मुहूर्त समय

कार्तिक वदी 12 मंगलवार, 29.10.2024 समय दिन में 10.35 बजे से 1.30 बजे लाभ-अमृत वेला, सांयकाल 5.53 बजे से 8.58 बजे तक प्रदोष गोधूलिक वेला व रात्रि 10.31 बजे से 12.00 बजे तक शुभ वेला। श्री कुबेर पूजन के समय बीज मंत्र का जाप कर सकते है, 'ॐ ह्रीं श्रीं क्रीं श्रीं कुबेराय अष्ट-लक्ष्मी मम गृहे धनं पुरय पुरय नमः।।'

जगदीश आचार्य
मोबाइल : 9448417398

एमयूडीए धनशोधन मामले में ईडी ने फिर छापेमारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में सोमवार को फिर छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। ईडी ने इसी मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।सूत्रों ने बताया कि बेंगलूरु और मैसूरु में सात-आठ परिसरों पर छापे मारे जा रहे हैं। इसमें बेंगलूरु स्थित एक बिल्डर और उससे जुड़े कुछ व्यक्तियों के परिसर शामिल हैं। संघीय एजेंसी ने इस मामले में 18 अक्टूबर को पहले दौर की छापेमारी की थी और इस दौरान मैसूरु स्थित एमयूडीए कार्यालय तथा बेंगलूरु में कुछ अन्य स्थानों पर छापे मारे गए थे। उसने पिछले सप्ताह बेंगलूरु क्षेत्रीय कार्यालय में एमयूडीए के कुछ कनिष्ठ अधिकारियों से भी पूछताछ की थी।

माताओं को शिक्षा देने वाली बहन निवेदिता को याद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने विश्लेषण करते हुए कहा कि विदेश से आकर हमारी विरासत को अपनाने वाली और यहां की माताओं को शिक्षा देने वाली बहन निवेदिता की सेवा हमेशा याद रखी जाएगी। वह सोमवार को शहर के मल्लेश्वरम् में भाजपा के राज्य कार्यालय 'जगन्नाथ भवन' में निवेदिता की 157वीं जयंती के अवसर पर उनके चित्र का अनावरण करने के बाद बोल रहे थे।

28 अक्टूबर, 1867 को जन्मी मार्गरेट एलिजाबेथ ने बताया कि वह स्वामी विवेकानन्द से प्रभावित थीं और उनके दर्शन में परिवर्तित हो गईं। वे 1898 में भारत आये और विवेकानन्द के मार्गदर्शन में काम किया। उन्होंने कहा कि वह पश्चिम बंगाल में महिलाओं को शिक्षित करने के काम से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानन्द के मार्गदर्शन में उन्होंने भारतीय संस्कृति एवं विरासत को समाहित कर निःस्वार्थ सेवा के रूप में वंचित माताओं को शिक्षित करने का कार्य किया।

इस मौके पर राज्य सह-प्रभारी सुधाकर रेड्डी, पूर्व उपमुख्यमंत्री और सांसद गोविंद करजोला, पूर्व मंत्री प्रभु चव्हाण, एन. महेश, पूर्व विधान परिषद मुख्य सचेतक कैप्टन गणेश कार्णिक, राज्य प्रमुख सचिव नंदीश रेड्डी, राज्य सचिव डॉ. लक्ष्मी अश्विनगौड़ा, ललिता अनापुरा, प्रदेश कार्यालय सचिव लोकेश अंबेकल्लू और पार्टी नेता उपस्थित थे।

भाजपा की सदस्यता अभियान में यलहंका देश में प्रथम

2.13 लाख नए सदस्यों का हुआ पंजीकरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशभर में चलाए गए सदस्यता अभियान में बेंगलूरु की येलहंका विधानसभा सीट को पूरे देश में पहला स्थान मिला है। इस संसदीय क्षेत्र में 2 लाख 13 हजार से अधिक नए सदस्यों को भाजपा में शामिल कर यह उपलब्धि हासिल की गई है। पिछले कई दिनों से विधानसभा क्षेत्र के विधायक एसआर विश्वनाथ के नेतृत्व में स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इस अभियान में भाग लिया और 2 लाख से अधिक नए सदस्यों को पंजीकृत करने में सफलता हासिल की। इस उपलब्धि के मद्देनजर, विश्वनाथ को भाजपा मुख्यालय में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा और पूर्व मुख्यमंत्री डी.वी.सदानंद गौड़ा के नेतृत्व में पार्टी प्रतिनिधियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए विश्वनाथ ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा के मार्गदर्शन में चलाया गया अभियान अभूतपूर्व रहा है। मुझे बहुत खुशी है कि 2 लाख 13 हजार से ज्यादा लोग पार्टी से जुड़े हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यलहंका देश का पहला विधानसभा क्षेत्र है जहां इतनी बड़ी संख्या में सदस्य हैं, जिससे हमें न केवल खुशी हुई बल्कि हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। सत्ता में हों या नहीं, हमारी पार्टी में शामिल होने वाले नए सदस्यों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा, विशेष रूप से हमारे निर्वाचन क्षेत्र में युवाओं और महिलाओं ने बड़ी संख्या में सदस्यता प्राप्त करके दिखाया है कि भाजपा समर्थक लहर है। सदस्यता अभियान की शुरुआत में कम से कम 2 लाख नए सदस्यों के पंजीकरण का लक्ष्य रखा गया था। हालांकि, विश्वनाथ ने कहा कि हमारे निर्वाचन क्षेत्र में पंजीकरण इस लक्ष्य से अधिक हो गया है और हमें अगले तीन से चार दिनों में 10,000 से अधिक सदस्यों के पंजीकरण की उम्मीद है।

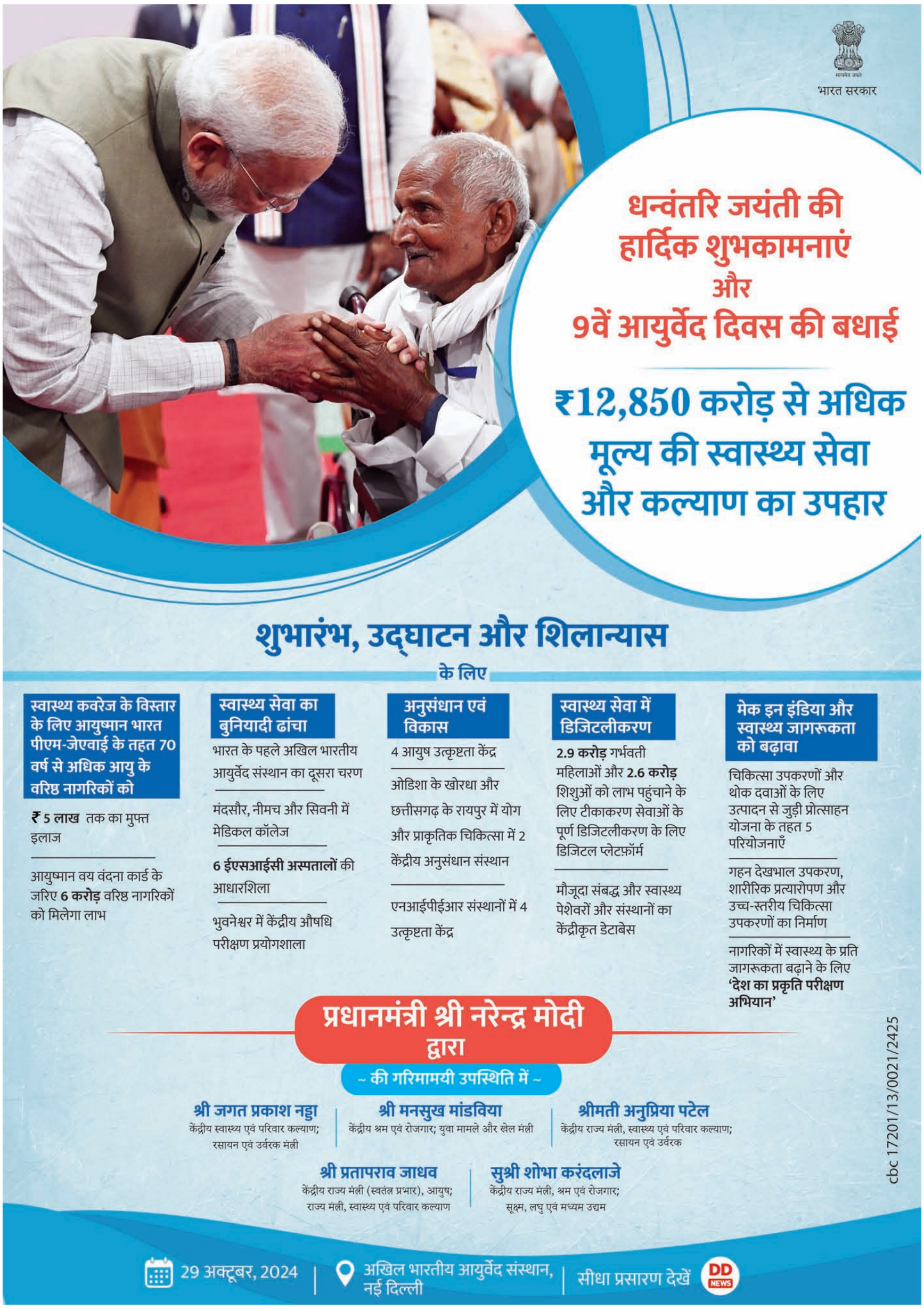

जन कल्याणकारी योजनाओं से कोई भी दिव्यांगजन वंचित नहीं रहें : विश्नोई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जन कल्याणकारी योजनाओं से कोई भी दिव्यांगजन वंचित नहीं रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल ने दिव्यांगजनों के लिए कई योजनाएं लागू की है। बाड़मेर जिला प्रशासन ने उसी दिशा में पहल करते हुए जन कल्याणकारी योजनाओं की धरातल पर क्रियान्विति का सराहनीय कार्य किया है। इसकी बदौलत दीपावली से पहले दिव्यांगजनों को खुशियों की सौगात मिली है। उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई ने सोमवार को बाड़मेर जिला मुख्यालय पर आदर्श स्टेडियम में आयोजित दिव्यांग सहायक अंग उपकरण वितरण कार्यक्रम के दौरान यह बात कही।

उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांगजनों के जीवन को सशक्त करने की दिशा में राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। उनके कल्याण के लिए कई योजनाएं लागू की गई है। इनका लाभ राज्य के प्रत्येक दिव्यांगजन तक पहुंच सके, इसके लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बाड़मेर जिला प्रशासन की अभिनव पहल की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश के अन्य जिलों में बाड़मेर मॉडल को लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विशेष योग्यजनों को आत्म-सम्मान के साथ जीवन सशक्त करने तथा राज्य की प्रगति में योगदान करने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वेब पोर्टल की शुरूआत होने से दिव्यांगों अपने घर से आनलाइन सुविधाओं का फायदा ले सकेंगे। इस दौरान उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, शिव विधायक रविन्द्रसिंह भाटी, जिला कलक्टर टीना डाबी, सभापति दिलीप माली, प्रधान रूपाराम सारण, समाजसेवी दीपक कड़वासरा, रमेश शर्मा, प्रतिपक्ष नेता पृथ्वी चंडक, लक्ष्मण वडेरा, भामाशाह एवं उद्यमी किशोरसिंह कानोड़, रमेशसिंह इंदा, राजूदास भील ने दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिलें एवं सहायक उपकरण वितरित किए। इस दौरान जिला कलक्टर टीना डाबी ने कहा कि अक्टूबर माह में बाड़मेर जिला प्रशासन ने उपखंड स्तर पर दिव्यांगजन शिविरों के आयोजन करने के साथ उनको जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को किसी तरह की असुविधा नहीं हो, इसके लिए जिला स्तर से मेडिकल बोर्ड का गठन करते हुए उनको दिव्यांगजन शिविर में भेजा गया। इससे दिव्यांगजनों को खासी सहुलियत हुई। उन्होंने कहा कि इस अभियान के दौरान 7 हजार व्यक्तियों का पंजीयन करते हुए 2031 पात्र दिव्यांगजनों के दिव्यांग प्रमाण पत्र अनुमोदित किए गए। इसके अलावा सरकारी कार्यालयों का दिव्यांग फ्रेंडली होने संबंधित ऑडिट करवाया गया है।

कार्यक्रम के दौरान 112 ट्राई साइकिल, 47 व्हीलचेयर, 34 श्रवण यंत्र, 138 वैशाखी एवं 27 ब्लाइंट स्टीक वितरित की गई। दिव्यांगों के लिए विशेष पोर्टल लॉन्च - कार्यक्रम में बाड़मेर जिला प्रशासन की ओर से दिव्यांगजनों को समुचित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए बनाए गए वेब पोर्टल को लॉन्च किया गया। जिला कलक्टर टीना डाबी ने बताया कि इस वेब पोर्टल से दिव्यांगजनों को एक ही स्थान पर सुगम और सुलभ जानकारी उपलब्ध मिल सकेगी। इस पोर्टल पर केन्द्र एवं राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं, जियो टैगिंग के साथ सार्वजनिक स्थानों की सूची, विशेष रूप से उपलब्ध चिकित्सा सेवाओं, दिव्यांगजनों के अधिकारों एवं कानून के साथ उनको मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी प्रदर्शित की गई है।

राजस्थान के कई इलाकों में पड़ रही है गर्मी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। देश भर में इसी सप्ताह दिवाली का त्यौहार मनाया जायेगा लेकिन, राजस्थान के अधिकतर हिस्सों में दिन में गर्मी का दौर जारी है जहां अधिकतम तापमान 35 से 40.5 डिग्री सेल्सियस तक बना हुआ है। मौसम केंद्र के अनुसार इसकी वजह पाकिस्तान एवं बलूचिस्तान से आने वाली गर्म हवाएं हैं। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार अक्टूबर महीना खत्म होने को है लेकिन राज्य के कई शहरों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 7 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

इसके अनुसार रविवार को सीमावर्ती बाड़मेर में अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस रहा। बीकानेर में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जैसलमेर, जोधपुर, जालौर, फलोदी में यह 39 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। मौसम विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि इस गर्मी का कारण पश्चिमी हवा है। आमतौर पर मध्य अक्टूबर के बाद राजस्थान में हवा की दिशा उत्तर-पश्चिमी हो जाती है, जिसके कारण राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में हल्की ठंड शुरू हो जाती है। वर्तमान में राजस्थान के पश्चिमी हिस्सों में पाकिस्तान, बलूचिस्तान से हवा आ रही है, जो अपेक्षाकृत गर्म है। कल अजमेर, जयपुर, जोधपुर और बीकानेर में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक तथा कोटा और उदयपुर में सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। हालांकि प्रदेश में न्यूनतम तापमान घटने लगा है।

बीकानेर में दिवाली पर होता है उर्दू रामायण का वाचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। बीकानेर में हर दिवाली पर एक अनूठी परंपरा के तहत हिंदू महाकाव्य रामायण के उर्दू संस्करण का वाचन होता है यानी श्रोताओं को उर्दू रामायण सुनाई जाती है। इस सालाना आयोजन में उर्दू शायर, रामायण के उर्दू संस्करण का वाचन करते हैं। उर्दू में यह रामायण लगभग 89 साल पहले लिखी गई थी और इसे बनारस हिंदू विश्वविद्यालय का 'स्वर्ण पदक' भी मिला था। उर्दू शिक्षक और शायर डॉ. जिया-उल-हसन कादरी ने रविवार को एक समारोह में दो अन्य मुस्लिम शायरों के साथ उर्दू रामायण का पाठ किया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य सद्भाव और भाईचारे का सकारात्मक संदेश देना है।

पर्यटन लेखक संघ और महफिल-ए-अदब संयुक्त रूप से हर साल उर्दू रामायण वाचन कार्यक्रम कराते हैं। उन्होंने बताया कि रामायण का यह संक्षिप्त रूपांतरण मूल महाकाव्य के दृश्यों, भगवान राम के वनवास, रावण पर विजय और अयोध्या लौटने का जीवंत वर्णन करता है जो शहर के श्रोताओं को खूब भाता है।

बीकानेर के मौलवी बादशाह हुसैन राणा लखनवी ने 1935 में तुलसीदास की जयंती पर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक प्रतियोगिता के लिए उर्दू भाषा में रामायण का काव्यात्मक संस्करण तैयार किया था। इसे प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक मिला, जिसके बाद बीकानेर के तत्कालीन शासक महाराजा गंगा सिंह ने राणा लखनवी के संस्करण को सुनने के लिए एक समारोह आयोजित किया। इस कार्यक्रम में तेज बहादुर सप्रू ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की ओर से राणा लखनवी को स्वर्ण पदक प्रदान किया था।

दिवाली से पहले बीकानेर में इसका वाचन करने वाले कादरी 2012 से चली आ रही परंपरा को आगे बढ़ाना चाहते हैं। कादरी ने कहा कि उर्दू रामायण का पाठ मुस्लिम कवि करते हैं और श्रोता हिंदू और मुस्लिम दो समुदाय से होते हैं। कादरी ने कहा कि पहले यह कार्यक्रम खुले में होता था लेकिन बाद में आयोजन स्थल बदल गया और अब इसे होटल में आयोजित किया जाता है ताकि व्यवस्थाएं अच्छी हो जाएं।

उन्होंने बताया कि मौलवी बादशाह हुसैन राणा लखनवी ने 1913 से 1919 तक तत्कालीन शासक गंगा सिंह के लिए काम किया और इस दौरान उन्होंने मुगल शासकों द्वारा जारी किए गए आदेशों का फारसी से उर्दू में अनुवाद किया। 1920 में गंगा सिंह ने उन्हें डूंगर कॉलेज में शिक्षक नियुक्त किया।

आरएसजीएल के अधिकारियों व कार्मिकों द्वारा एकता व सत्यनिष्ठा की ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस के अधिकारियों व कार्मिकों ने राष्ट्रीय एकता दिवस व सतर्कता जागरुकता सप्ताह के अवसर पर राष्ट्र की एकता, अखंड़ता और सत्यनिष्ठा की शपथ ली। आरएसजीएल के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने अधिकारियों व कार्मिकों को एकता, अखंडता और आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और भ्रष्टाचार मुक्त व सत्यनिष्ठा और ईमानदारी की शपथ दिलाई। इस साल की थीम सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि है।

एमडी रणवीर सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय एकता व आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी देशवासियां को योगदान देने की आवश्यकता है वहीं जीवन के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी तथा कानून के नियमों की पालना करनी होगी। उन्होंने कहा कि यह हमारे दिन-प्रतिदिन के जीवन का अंग बनना चाहिए।

डिप्टी जनरल मैनेजर सीएनपी विवेक श्रीवास्तव ने इस अवसर पर जारी राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का संदेश, सीएफओ दीप्तांशु पारीक ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, डीजीएम कोटा आनन्द आर्य ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और डीजीएम विवेक रंजन ने सीवीसी के संदेश का वाचन किया। इस अवसर पर डीएमआईटी गगनदीप राजोरिया, रविशंकर अग्रवाल, पीआर प्रभारी राजेन्द्र शर्मा, उपस्थित रहे। गौरतलब है कि समूचे देश में 28 अक्टूबर से 3 नवंबर तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाया जा रहा है।

विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएं हों सुनिश्चित, सरकारी योजनाओं का हो बेहतर क्रियान्वयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । जिला कलक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिला निष्पादक समिति की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने कहा कि सभी शिक्षा अधिकारी अपने क्षेत्राधिकार वाले राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करावें, साथ ही विद्यालयों में सरकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन पर भी फोकस किया जाए।

उन्होंने कहा कि शिक्षा अधिकारी पीएम स्कूलों का नियमित निरीक्षण करें साथ ही विद्यालयों में पेयजल व्यवस्था, टॉयलेट, पुस्तकालय सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं दुरुस्त रखें। उन्होंने विद्यालयों के पुस्तकालयों में रखी पुस्तकों का वितरण विद्यार्थियों में करने एवं विद्यार्थियों से पुस्तक अध्ययन एवं रखरखाव के लिए प्रेरित करने के लिए भी निर्देशित किया।

उन्होंने कहा कि ज्ञान धरा अभियान के तहत भूमि विहीन विद्यालयों को जल्द से जल्द भूखंड एवं खेल मैदान की व्यवस्था हो। साथ ही उन्होंने कहा कि जिन राजकीय विद्यालयों में अभी तक विद्युत कनेक्शन नहीं है, उन सभी विद्यालयों में विद्युत कनेक्शन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए।

जिला कलक्टर ने शिक्षा अधिकारियों को राजकीय विद्यालयों में नामांकन वृद्धि करने, जन आधार प्रमाणिकरण, आधार प्रमाणिकरण सहित अन्य आवंटित कार्यों से जुड़े लक्ष्य जल्द से जल्द हासिल करने के निर्देश दिये। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, समग्र शिक्षा अभियान के अधिकारियों सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

भगवान महावीर का निर्वाण महोत्सव एक नवम्बर को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान के अजमेर में दिगम्बर जैन समाज अपने जिनशासन देव, 24 वें एवं अन्तिम तीर्थंकर भगवान महावीर का 2551वां परिनिर्वाण महोत्सव परम्परागत तरीके से धार्मिक क्रियाओं के साथ आगामी एक नवंबर को धूमधाम से मनाएगा। शहर के विभिन्न जैन मंदिरों में सुबह से ही शांतिधारा और नित्य पूजा पाठ के बाद भगवान महावीर के निर्वाण महामहोत्सव पर 'मोदक समर्पण' कार्यक्रम होगा। ज्ञानोदय जैन तीर्थ क्षेत्र नारेली, सोनी जी की नशियां, छोटे एवं बड़े धड़े की नशियां, जैसवाल जैन मंदिर केसरगंज, जैन छतरी योजना जिन मंदिर में निर्वाण दिवस पर मोदक समर्पण के भव्य कार्यक्रम होंगे। इसी क्रम में अजमेर के सुभाष उद्यान (दौलतबाग) में जैन युगल संस्था 'सन्मति परिषद' की ओर से महावीर कार्नर उद्यान पर मोक्ष कल्याणक के मौके पर सार्वजनिक मोदक समर्पण कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इसी तरह किशनगढ़ में आचार्य सुनीलसागर महाराज के सानिध्य में भगवान महावीर के निर्वाण महोत्सव पर लाडू चढ़ाने का भव्य आयोजन होगा, जिसमें बडी संख्या में जैन समुदाय के लोग समर्पित भाव से हिस्सा लेंगे।

उदयपुर की झीलों को बचाने के लिए जिला कलेक्टर ने संभाली कमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। उदयपुर की खूबसूरत झीलों के संरक्षण के लिए आज एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल के कार्यालय में हुई, जिसके आयोजन का श्रेय होटल एसोसिएशन उदयपुर के उपाध्यक्ष यशवर्धन राणावत को जाता है। बैठक में पिछोला, स्वरूप सागर, रंग सागर और फतेह सागर झीलों में बढ़ती गंदगी और सीवेज समस्या पर गहन चर्चा की गई।बैठक में बीसीआई टूरिज्म के चार्टर प्रेसिडेंट और होटल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष यशवर्धन राणावत, मेवाड़ क्षत्रिय महासभा के संयुक्त सचिव कुंदन सिंह मुरोली, बीसीआई के संस्थापक मुकेश माधवानी, विश्वविजय सिंह झाड़ोल, मेवाड़ हवेली के कमलेश जैन, संयम जैन, और झील संरक्षण समिति के तेजशंकर पालीवाल ने भाग लिया।

कलेक्टर पोसवाल ने नगर निगम की वरिष्ठ टीम को निर्देश दिया कि वे झीलों का निरीक्षण कर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करें। यह कदम उनके प्रशासनिक कौशल और झीलों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राणावत और पालीवाल ने झीलों में सीवेज बहाव के स्थानों की जानकारी साझा की और इसके समाधान के लिए ठोस कार्यवाही की मांग की।

अप्रधान खनिज लीज धारकों को राज्य सरकार की बड़ी राहत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार ने प्रदेश के अप्रधान खनिज लीज धारकों को बड़ी राहत देते हुए लीज अवधि में वृद्धि के सभी अधिकार संबंधित खनिज अभियंता व सहायक अभियंता को दे दिए हैं। मुख्यमंत्री व खान मंत्री भजन लाल शर्मा ने खनिज क्षेत्र में प्रक्रिया के सरलीकरण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए अधिकारों के विकेन्द्रीकरण का यह बड़ा निर्णय किया है।

इससे अप्रधान खनिजधारकों को लीज अवधि बढ़ाने के लिए अलगअलग स्तर पर आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे प्रदेश के हजारों अप्रधान खनिज लीज धारक लाभान्वित होंगे साथ ही, समय व धन की बचत भी होगी।

मुख्यमंत्री व खान मंत्री भजन लाल शर्मा ने खनिज क्षेत्र में ईज ऑफ डूइंग पर जोर देते हुए प्रक्रिया को आसान बनाने पर जोर दिया है। इससे पहले एक हैक्टेयर से कम के प्लॉट की नीलामी की बिड राशि दस लाख रुपये से घटाकर दो लाख रुपये कर दी। इससे आर्थिक दृष्टि से कमजोर और स्थानीय नागरिकों की खनिज क्षेत्र में भागीदारी बढ़ सकेगी। प्रमुख शासन सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने बताया कि अब तक अप्रधान खनिज लीजों की अवधि बढ़ाने के लिए मिनरल के अनुसार राज्य सरकार, निदेशक माइंस, अतिरिक्त निदेशक माइंस एवं अधीक्षण खनिज अभियंता स्तर पर आवेदन करना होता था। राज्य सरकार के सरलीकरण के निर्णय से अब संबंधित खनिज अभियंता या सहायक खनिज अभियंता के स्तर पर आवेदन किया जा सकेगा और उसी स्तर पर लीज अवधि को बढ़ाया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि सरलीकरण की दिशा में यह राज्य सरकार का बड़ा और क्रांतिकारी कदम है।

रविकान्त ने बताया कि बजट घोषणा की क्रियान्विति में पिछले दिनों ही अधिसूचना जारी कर एक हैक्टेयर से कम के प्लॉट की नीलामी के लिए बिड सिक्योरिटी की राशि दस लाख रुपये से कम कर दो लाख रुपये करने से एक हैक्टेयर से कम के खनिज पट्टों की नीलामी में स्थानीय और अधिक लोग हिस्सा ले सकेंगे। प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि इसी तरह से माइनर मिनरल्स के खनन पट्टाधारी और लाइसेंसधारकों की क्वारी लाइसेंस अवधि वर्ष 2040 तक बढ़ाने के बाद देय प्रीमियम राशि एकमुश्त जमा कराने में असुविधा को देखते हुए अधिकतम पांच किश्तों में प्रीमियम राशि जमा कराने की छूट प्रदान कर दी गई है।

एक साल से अधिक की अवधि बढ़ाने पर पांच किश्तों में प्रीमियम राशि जमा कराने की छूट होगी। इसमें पहली किश्त आवेदन के साथ व उसके बाद सालाना किश्त जमा करानी होगी।

इसी तरह से पांच से दस साल लीज अवधि बढ़ाने पर तीन किश्तों व दो से पांच साल की अवधि के लिए प्रीमियम राशि दो किश्तों में जमा करानी होगी। उन्होंने बताया कि इससे अप्रधान खनिज लीज व क्वारी लाइसेंस धारकों को बड़ी राहत मिलेगी। गौरतलब है कि अप्रधान खनिजों में मेसेनरी स्टोन, लाइमस्टोन, मार्बल, ग्रेनाइट, फेल्सपार, क्वार्टज, सिलिका सेंड आदि माइनर मिनरल आते हैं।

निष्ठा से करें दायित्व निर्वहन : देवनानी

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि प्रत्येक कार्य महत्वपूर्ण होता है। जिस व्यक्ति को जो जिम्मेदारियां दी जाये, उसे उन दायित्वों का निर्वहन निष्ठा से करना चाहिए। इसी से व्यक्ति और संस्था दोनों की छवि का प्रदर्शन होता है। देवनानी सोमवार को यहां विधानसभा के मार्शल संजय चौधरी और उप सचिव विजय बहादुर के सेवानिवृत्ति समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने दोनों अधिकारियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया। देवनानी ने कहा कि विधान सभा सचिवालय जैसे महत्वपूर्ण कार्यालय की गरीमा को बनाये रखने का दायित्व यहां कार्य करने वाले प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी का है। समारोह में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि मार्शल का कार्य विशेष प्रकृति का होता है।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि विधान सभा में कार्य करने वाला प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारी भाग्यशाली है, जिन्हें ऐसे स्थल पर राजकीय सेवा करने का मौका मिला है।

कार्यक्रम में विधान सभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के. शर्मा, वरिष्ठ उप सचिव पुरुषोत्तम शर्मा, उप सचिव संजीव शर्मा, वित्त सलाहकार अपूर्व जोशी और राजस्थान विधान सभा सचिवालय के कर्मचारी बचत एवं साख सहकारी समिति के अध्यक्ष रवि जैन सहित विधान सभा के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण मौजूद थे।

मदन राठौड़ ने डोटासरा के डांस पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जैसे-जैसे राजस्थान में उपचुनाव का प्रचार जोर पकड़ रहा है, कांग्रेस और बीजेपी के नेताओं के बीच सियासी बयानबाजी भी तेज हो गई है। इन दिनों कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा और पूर्व कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के डांस को लेकर गरमागर्म बहस छिड़ी हुई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने इस बहस में शामिल होते हुए कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा पर तीखे तंज कसे।

मदन राठौड़ ने सोमवार को भाजपा मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए कहा कि डोटासरा का मंच पर गमछा लहराकर डांस करना प्रदेश अध्यक्ष की गरिमा के विपरीत है। राठौड़ ने कहा कि एक ओर किरोड़ी लाल ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में परंपराओं के अनुसार डांस किया, जबकि डोटासरा का मंच पर डांस करना अनुचित है। उन्होंने कहा कि एक प्रदेश अध्यक्ष के लिए यह आचरण ठीक नहीं है और यह उनकी गरिमा के विपरीत है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के फिक्सिंग के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए मदन राठौड़ ने कहा कि गहलोत खुद फिक्सिंग के अभ्यस्त हैं और बीजेपी पर इस तरह के आरोप लगाना उनकी बौखलाहट है। राठौड़ ने दावा किया कि बीजेपी सभी सात सीटों पर जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी पूरी तरह से आत्मविश्वास से भरी है और हम सभी सीटों पर जीत सुनिश्चित करेंगे।

बीजेपी में टिकट वितरण को लेकर नाराजगी के सवाल पर राठौड़ ने कहा कि कुछ असंतोष टिकट नहीं मिलने के कारण था, लेकिन मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और पार्टी के अन्य नेताओं के प्रयासों से स्थिति अब सामान्य है। उन्होंने कहा कि यह बीजेपी की पूरी टीम की रणनीति का हिस्सा है और अब पार्टी में कोई असंतोष नहीं है।

आरएसएस के प्रचारकों को संघ का संदेश घर-घर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने हिन्दू समाज में सामाजिक समरसता लाने के प्रयास को निचले स्तर तक ले जाने और संघ का संदेश घर-घर पहुंचाने के लिए सभी पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है।

मथुरा जिले में परखम गांव स्थित दीनदयाल उपाध्याय गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र में संपन्न हुई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की औपचारिक बैठक के बाद रविवार को क्षेत्र तथा प्रांत प्रचारकों की बैठक हुई। आरएसएस सूत्रों के अनुसार सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने बैठक में क्षेत्र तथा प्रांत स्तर के प्रचारकों को अगले वर्ष के लक्ष्य दिए। आज सोमवार को वह कार्यकारी मंडल के सदस्यों के बीच आर्थिक पक्ष पर विचार प्रकट करेंगे और दस दिवसीय शिविर प्रवास समाप्त कर देर शाम लौट जाएंगे या मंगलवार सुबह जाएंगे।

सूत्रों के अनुसार रविवार की बैठक में सर संघचालक डॉ. मोहन भागवत तथा सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले की उपस्थिति में कार्यकारी मंडल के पदाधिकारियों ने संगठन के सभी 11 क्षेत्र तथा 46 प्रांत प्रचारकों को संघ के एजेंडे (पंच परिवर्तनों के माध्यम से हिन्दू समाज में सामाजिक समरसता लाने के प्रयास) को निचले स्तर तक ले जाने की जिम्मेदारी सौंपी और सभी पदाधिकारियों से संघ का संदेश घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया गया। पदाधिकारियों को कहा गया कि वे अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में तय हुए मुद्दों के अनुसार कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी जीवन शैली, सामाजिक समरसता और नागरिक कर्तव्य के पंच परिवर्तन का संदेश गांव-गांव, नगर-नगर तक पहुंचाएं और लोगों को उनका अनुपालन करने के लिए प्रेरित करें।

यह भी कहा गया कि उन्हें (पदाधिकारियों को) शताब्दी वर्ष के लिए तय किए गए संगठनात्मक लक्ष्य भी हासिल करने हैं। सभी प्रचारकों को इन लक्ष्यों को पूरा करने के गुर भी सिखाए गए कि कैसे उन्हें 100वें स्थापना दिवस (2025 की विजयादशमी) तक इन योजनाओं को पूरी तरह से साकार करके दिखाना है। संघ सूत्रों के अनुसार संघ के केंद्रीय कार्यकारी मंडल की बैठक 25 तथा 26 अक्बटूर को संपन्न हुई जिसमें कुल 386 पदाधिकारियों ने भाग लिया। संघ प्रमुख इस बैठक से एक सप्ताह पूर्व से ही यहां पहुंच गए थे और लगातार अलग-अलग टोलियों के रूप में कार्यकर्ताओं से भेंट कर उनके स्तर पर किए गए कार्यों का वृत्त जानकर उन्हें आगामी लक्ष्यों के लिए मार्गदर्शन किया।

सूत्रों के मुताबिक 31 अक्टूबर से चार नवंबर तक मध्यप्रदेश के ग्वालियर में संघ से जुड़े विभिन्न संगठनों के प्रचारकों का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है जहां 31 संगठनों के 554 प्रचारक भाग लेंगे। इस वर्ग में भी सर संघचालक, सरकार्यवाह सहित संघ के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी भाग लेंगे।

विधायक के खिलाफ ''अपमानजनक'' पोस्ट साझा करने पर दो बीजद नेताओं को लिया हिरासत में

जाजपुर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के जाजपुर जिले में बीजू जनता दल (बीजद) के दो युवा नेताओं को धर्मशाला से निर्दलीय विधायक हिमांशु शेखर साहू के बारे में सोशल मीडिया पर कथित तौर पर अपमानजनक 'पोस्ट' साझा करने के मामले में हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि धर्मशाला पुलिस ने बीजद युवा नेता सुब्रत कुमार ढल और मानस मोहंती को हिरासत में लिया है।

देउलीपाल गांव के भाजपा कार्यकर्ता विश्वजीत स्वैन द्वारा धर्मशाला थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, सुब्रत कुमार ढल और मानस मोहंती ने सोशल मीडिया मंचों पर साहू के खिलाफ अपमानजनक वीडियो, लेख एवं दृश्य-श्रव्य सामग्रियां साझा की हैं।

शिकायत में कहा गया है, ''साझा किए गए लेख, वीडियो और दृश्य-श्रव्य सामग्रियों का सच्चाई और वास्तविकता से कोई लेना-देना नहीं है। इसके अलावा, ये सामग्री अपमानजनक प्रकृति की है और इनका उद्देश्य धर्मशाला विधायक की छवि को धूमिल करना है।''

शिकायत के आधार पर पुलिस ने रविवार रात ढल और मोहंती को हिरासत में ले लिया।

भारत में स्पेनिश फुटबॉल की तरह स्पेन में योग लोकप्रिय : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वडोदरा/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि लोगों के बीच मजबूत जुड़ाव ने हमेशा भारत और स्पेन के बीच संबंधों को मजबूती दी है। मोदी ने वडोदरा में सी295 विमान के निर्माण के लिए टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन करने के बाद कहा, जिस तरह स्पेन में योग बहुत लोकप्रिय है, उसी तरह भारत में स्पेनिश फुटबॉल को पसंद किया जाता है।

रियल मैड्रिड और बार्सिलोना के बीच रविवार को हुए फुटबॉल मैच के बारे में मोदी ने कहा कि बार्सिलोना की शानदार जीत भारत में भी चर्चा का विषय थी और दोनों क्लबों के प्रशंसकों का उत्साह भारत और स्पेन में एक जैसा था। भारत और स्पेन की बहुआयामी साझेदारी पर जोर देते हुए मोदी ने कहा, चाहे वह भोजन हो, फिल्म हो या फुटबॉल, हमारे लोगों के बीच मजबूत जुड़ाव ने हमेशा हमारे संबंधों को मजबूती दी है।

मोदी ने खुशी जताई कि भारत और स्पेन ने 2026 को भारत-स्पेन संस्कृति, पर्यटन और एआई के वर्ष के रूप में मनाने का फैसला किया है। मोदी ने स्पेनिश-भारतीय जेसुइट पादरी और लेखक फादर कार्लोस वैलेस का भी जिक्र किया, जो पांच दशकों तक गुजरात में रहे और उन्होंने गुजराती में गणित पर कई किताबें लिखीं। मोदी ने कहा कि फादर वैलेस ने अपने विचारों और लेखन से संस्कृति को समृद्ध किया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया।मोदी ने विश्वास जताया कि वडोदरा में टाटा-एयरबस सुविधा की शुरुआत भारत और स्पेन के बीच कई नई संयुक्त सहयोग परियोजनाओं को प्रेरित करेगी।

बिश्नोई गिरोह से धमकी मिली है : पप्पू यादव

पटना/भाषा। बिहार के पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से मिली धमकी के मद्देनजर सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। पूर्णिया के सांसद ने शाह को लिखे अपने दो पन्नों के पत्र को मीडिया के साथ साझा किया, जिसकी प्रतियां बिहार के मुख्यमंत्री और राज्य के अन्य शीर्ष अधिकारियों को भेजी गई हैं।

इक्कीस अक्टूबर को लिखे गए इस पत्र को सोमवार को सार्वजनिक किया गया, जब मीडिया के एक वर्ग ने बिश्नोई के एक कथित सहयोगी द्वारा दुबई के नंबर से की गई कॉल की ऑडियो क्लिप प्रसारित की।

अपने वाई श्रेणी के सुरक्षा कवर को जेड श्रेणी में अपग्रेड करने की मांग के अलावा, यादव ने बिहार भर में आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों में शिरकत के दौरान पुलिस एस्कॉर्ट की भी मांग की है। यादव ने चेतावनी दै ही है कि अगर उनकी हत्या की जाती है तो इसकी जिम्मेदार केन्द्र सरकार एवं बिहार सरकार ही होंगे।

नड्डा का भाजपा सांसदों, विधायकों व कार्यकर्ताओं से 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को आम जन के साथ ही पार्टी के सांसदों, विधायकों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा सभी जन प्रतिनिधियों से 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से मंगलवार के कार्यक्रम के दौरान सरदार वल्लभभाई पटेल के विचारों और योगदान को सोशल मीडिया पर 'हैशटैग सरदार150' के साथ साझा करके उनके आदर्शों को बढ़ावा देने का आग्रह भी किया।

नड्डा ने एक बयान में कहा, ''दीपावली की वजह से इस बार 29 अक्टूबर यानि मंगलवार को रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जायेगा। मेरा आग्रह है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में इसमें हिस्सा लीजिए। देश की एकता के मंत्र के साथ ही फिटनेस के मंत्र को भी हर तरफ फैलाइये।''

भाजपा प्रमुख ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे आयोजन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए हर प्रयास करें। नड्डा ने कहा, ''मैं भाजपा के सांसदों एवं विधायकों सहित सभी जनप्रतिनिधियों तथा पार्टी के सभी पदाधिकारियों से भी अनुरोध करता हूं कि वे भी रन फॉर यूनिटी सहित सभी कार्यक्रमों में भाग लें और सरदार पटेल को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करें।'' उन्होंने कहा कि भारत की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने में सरदार पटेल की अद्वितीय भूमिका सभी के लिए सदैव प्रेरणा का अक्षय स्रोत रहेगी। नड्डा ने कहा, ''इस वर्ष सरदार पटेल की जयंती का 150वां वर्ष शुरू हो रहा है। मेरा पार्टी के कार्यकर्ताओं से विनम्र अनुरोध है कि वे भारत रत्न सरदार पटेल से जुड़े विचार और कार्य भी सोशल मीडिया पर हैशटैग सरदार150 के साथ साझा कर उनके विचारों एवं आदर्शों को प्रचारित एवं प्रसारित करें।'' उन्होंने कहा, ''भाजपा के हर कार्यकर्ता, पदाधिकारी और प्रतिनिधि को हर जगह फिटनेस के संदेश के साथ-साथ सरदार पटेल के राष्ट्रीय एकता के मंत्र को भी बढ़ावा देना चाहिए।

'राम की पौड़ी' की तरफ जाने वाले 17 मार्ग सुरक्षा के मद्देनजर किये गए बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या में आगामी 30 अक्टूबर को होने वाले भव्य दीपोत्सव आयोजन की सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने सरयू नदी पर राम की पैड़ी की ओर जाने वाले 17 मार्ग बंद कर दिए हैं।

साथ ही पुलिस ने राम की पैड़ी और राम पथ से जुड़ी सभी कॉलोनियों में रहने वाले लोगों के नाम की सूची भी तैयार की है।

अयोध्या थाने के निरीक्षक मनोज कुमार शर्मा ने सोमवार को बताया कि राम की पैड़ी से जुड़ी 17 सड़कों को सुरक्षा की दृष्टि से बंद कर दिया गया है। सिर्फ पास धारकों को ही इन रास्तों से गुजरने की अनुमति होगी। उन्होंने कहा कि राम की पैड़ी की तरफ जाने वाले सभी रास्तों पर अवरोधक लगा दिए गए हैं। सिर्फ घाटों पर तैनात किये गये स्वयंसेवक, दीपोत्सव कार्यक्रम से जुड़े अधिकारियों और पास धारकों को ही इन रास्तों पर प्रवेश मिलेगा।

शर्मा ने बताया कि राम की पैड़ी की सुरक्षा को देखते हुए सभी 17 सम्पर्क मार्गों पर एक-एक दारोगा और चार-चार सिपाही तैनात किये गये हैं। उन्होंने बताया कि राम की पैड़ी से सटे इलाकों में रहने वाले लोगों से खासतौर पर आग्रह किया गया है कि वे दीपोत्सव वाले दिन प्रतिबंधित गलियों से ना गुजरें और ना ही अपने घरों की छतों पर जाएं। इसके लिए इलाके की सभी ऊंची इमारतों पर सुरक्षाकर्मी तैनात किये जाएंगे।

दीपोत्सव के साथ ही दिवाली का त्यौहार सुरक्षित और शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राजकरन नैयर ने सोमवार को पुलिस लाइन सभागार में अधिकारियों और प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कार्ययोजना और अब तक की गई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नैयर ने पत्रकारों को बताया कि आवश्यकतानुसार सुरक्षा बलों की तैनाती की जा रही है।

चक्रवात: 50 हजार घरों में बिजली आपूर्ति बहाल होना अभी बाकी : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बताया कि केंद्रपाड़ा, भद्रक और बालासोर जिलों के चक्रवात प्रभावित क्षेत्रों में लगभग 50 हजार घरों में बिजली आपूर्ति अभी बहाल होना बाकी है।

चक्रवात के बाद की स्थिति की समीक्षा करने के बाद रविवार शाम यहां पत्रकारों को जानकारी देते हुए माझी ने कहा कि पुनर्निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है और सड़कों से मलबा हटा दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रभावित इलाकों में से 98 प्रतिशत क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है। चक्रवात से प्रभावित 22.84 लाख बिजली उपभोक्ताओं में से 22.32 लाख घरों में बिजली आपूर्ति बहाल हो चुकी है। उन्होंने कहा कि केंद्रपाड़ा, भद्रक और बालासोर जिलों में कई गांवों के जलमग्न होने के कारण करीब 50 हजार घरों में अभी बिजली आपूर्ति बहाल होना बाकी है। माझी ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में करीब सात हजार कर्मचारी बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि चक्रवात प्रभावित इलाकों से आठ लाख से अधिक लोगों को 6,210 आश्रय केंद्रों में शरण दी गई और स्थिति सामान्य होने के बाद उनमें से अधिकतर लोग अपने घरों को वापस लौट चुके हैं।

माझी ने बताया कि करीब 30 हजार लोगों के घर जलमग्न होने के करण वे अब भी 470 आश्रय केंद्रों में शरण लिए हुए हैं।

जनगणना के विषय पर सर्वदलीय बैठक बुलाए सरकार : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को केंद्र सरकार से आग्रह किया कि जनगणना से जुड़े विषयों पर स्पष्टता के लिए जल्द सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि जनगणना के साथ ही जाति जनगणना कराना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है।

रमेश ने पोस्ट किया, ''महापंजीयक और जनगणना आयुक्त के कार्यकाल के विस्तार देने को अभी-अभी अधिसूचित किया गया है। इसका मतलब है कि 2021 में होने वाली जनगणना, जो लंबे समय से विलंबित है, अब आख़िरकार जल्द ही करवाई जाएगी।'' उन्होंने कहा, ''दो महत्वपूर्ण मुद्दों पर अभी भी कोई स्पष्टता नहीं है। 1951 से हर जनगणना में होती आ रही अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की गणना के अलावा क्या इस नई जनगणना में देश की सभी जातियों की विस्तृत गणना शामिल होगी? भारत के संविधान के अनुसार ऐसी जाति जनगणना केंद्र सरकार की ज़िम्मेदारी है।'' रमेश ने यह सवाल भी किया कि क्या इस जनगणना का इस्तेमाल लोकसभा में प्रत्येक राज्य के प्रतिनिधियों की संख्या निर्धारित करने के लिए किया जाएगा जैसा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 82 में प्रावधान है (जो कहता है कि ऐसे किसी पुनर्गठन का वर्ष 2026 के बाद की गई पहली जनगणना और उसके रिजल्ट का प्रकाशन आधार होगा)? क्या इससे उन राज्यों को नुक़सान होगा जो परिवार नियोजन में अग्रणी रहे हैं?''

देश की संपत्ति को कुछ लोगों के हाथों में केंद्रित किया जा रहा है : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसके तहत केवल एकाधिकार को प्रोत्साहित नहीं किया जा रहा है, बल्कि देश की संपत्ति को कुछ लोगों के हाथों में केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा के साथ वीडियो संवाद की नई कड़ी में माधवी बुच और अदाणी समूह को लेकर बात की।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''संस्थागत पतन ने अब मित्रवादी पूंजीवाद के एक और अधिक खतरनाक रूप 'अदाणी बचाओ' को जन्म दे दिया है। वर्तमान शासन अब केवल एकाधिकार को प्रोत्साहित नहीं कर रहा है, यह सक्रिय रूप से देश की संपत्ति को कुछ लोगों के हाथों में केंद्रित कर रहा है।'' राहुल गांधी ने दावा किया कि माधवी बुच से जुड़ा घोटाला जो दिख रहा है, उससे कहीं अधिक व्यापक है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''ऐसा हो सकता है कि बुच, जिसे खुदरा निवेशकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है, अदाणी समूह के हितों और उसके बढ़े हुए मूल्यांकन की रक्षा के लिए व्यवस्थित तरीके से हेरफेर कर रहा हो।'' उन्होंने कहा, ''जिन लोगों को आम भारतीय नागरिकों और उनके निवेश की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है, उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों से इनकार कर दिया है और व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार और कदाचार में लिप्त हैं।''

मणिपुर : राजभवन के पास कॉलेज के सामने हथगोला मिला, छात्रों का प्रदर्शन

इंफाल/भाषा। मणिपुर की राजधानी इंफाल में राजभवन से 100 मीटर से भी कम दूरी पर स्थित जीपी महिला कॉलेज के द्वार पर सोमवार सुबह एक हथगोला मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी।

कॉलेज के द्वार पर हथगोला मिलने के कारण इलाके में दहशत फैल गई है। एक अधिकारी ने बताया कि हथगोले के बारे में सूचना मिलने के बाद पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी और उसे हटाने का काम शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि बाद में बम निरोधक दस्ते ने ग्रेनेड (हथगोले) को घटनास्थल से हटाकर उसका निपटान कर दिया।

यह कॉलेज राजभवन से 100 मीटर से भी कम दूरी पर और मुख्यमंत्री के सरकारी आवास एवं मणिपुर पुलिस मुख्यालय से 300 मीटर की दूरी पर स्थित है।

घटनास्थल पर एक हस्तलिखित नोट छोड़ा गया, जिसमें लिखा था, ''सर्वहारा छात्रों की जय हो''।

बहराइच हिंसा : चार और आरोपी गिरफ्तार, अब तक दोनों पक्षों से 115 गिरफ्तारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बहराइच (उप्र)/भाषा। बहराइच जिले के महाराजगंज में हुई सांप्रदायिक हिंसा में पुलिस ने वीडियो फुटेज से चिह्नित दो और फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिसके बाद दोनों पक्षों से गिरफ्तार कुल आरोपियों की संख्या बढ़कर 115 हो गई है। पुलिस की एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

इस हिंसा के दौरान पुलिस को मिले एक हजार से अधिक वीडियो फुटेज की वैज्ञानिक जांच के लिए आईटी विशेषज्ञ पुलिस की ''विशेष टीम'' का गठन कर वीडियो फुटेज जांच के लिए अलग नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) वृंदा शुक्ल ने रविवार देर शाम 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि 13 अक्टूबर को रामगोपाल मिश्र हत्याकांड में फरार चल रहे दो नामजद अभियुक्तों मारूफ और ननकऊ को रविवार को पुलिस ने गिरफ्तार किया। इसके अलावा वीडियो फुटेज से पहचान में आए 14 अक्टूबर को आगजनी व लूटपाट के आरोपी सुशील द्विवेदी व मन्नू नामक दो युवकों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। 13 व 14 अक्टूबर की साम्प्रदायिक हिंसा से जुड़े मामलों में अब तक दोनों पक्षों से 115 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया, ''13 व 14 अक्टूबर को हरदी थाना अंतर्गत कस्बा महराजगंज से प्रारम्भ होकर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाली घटनाओं के सम्बन्ध में आवश्यक साक्ष्य संकलन तथा आगे की विधिक कार्रवाई के लिए ग्यारह सदस्यीय 'विशेष टीम' का गठन कर पुलिस लाइन में एक नियंत्रण कक्ष बनाया गया है, जो मीडिया कर्मियों तथा जनपद वासियों के पास उपलब्ध अधिक से अधिक वीडियो तथा अन्य साक्ष्य एकत्रित करेगी।'' उन्होंने कहा, ''इससे आपराधिक कृत्य करने वाले सभी व्यक्तियों की पहचान की जा सकेगी और उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा सकेगी।''

एसपी ने बताया, ''11 सदस्यीय इस विशेष टीम के गठन के लिए हमने विभाग में मौजूद बीटेक-एमटेक डिग्री धारक साइबर व सूचना प्रौद्योगिकी के जानकार अधिकारियों एवं कर्मियों का चयन किया है। इस विशेष दल का नेतृत्व प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक राज सिंह करेंगे। टीम में उनके साथ दो इंस्पेक्टर, तीन सब इंस्पेक्टर तथा पांच आरक्षी स्तर के पुलिसकर्मी शामिल हैं। टीम में शामिल टीम लीडर उपाधीक्षक राज सिंह, दो इंस्पेक्टर, तीन सब इंस्पेक्टर व दो कांस्टेबल बी.टेक. या एम.टेक. डिग्री धारक हैं, उक्त सभी तथा अन्य पुलिस कर्मी साइबर विशेषज्ञ हैं।'' एसपी ने बताया, ''यह टीम सभी घटनाओं एवं कार्रवाई के सम्बन्ध में सम्पूर्ण प्रदेश में छपने वाले समाचार सूत्रों, विभिन्न ऑनलाइन पोर्टल, सोशल मीडिया तथा उपलब्ध वीडियोज को एकत्रित करेगी, सम्बन्धित थानों से सहयोग लेते हुए अभियुक्तों को चिह्नित कर उन्हें डिजिटल रूप में सुरक्षित करेगी। यह नियंत्रण कक्ष पुलिस लाइन स्थित सभागार कक्ष में अग्रिम आदेश तक संचालित होगा और करेगा।''

मंदिरों, मठों के संरक्षण और प्रबंधन के लिए नई योजना शुरू करेगा ओडिशा : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार सांस्कृतिक महत्व वाले मंदिरों और मठों के संरक्षण, पुनर्विकास और प्रबंधन के लिए जल्द एक योजना शुरू करेगी। राज्य के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने सोमवार को यह जानकारी दी।

हरिचंदन ने बताया कि 'द्रबालय योजना' नाम की इस योजना का विस्तृत खाका तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, इस योजना के तहत मंदिरों, मठों और सांस्कृतिक महत्व वाले संस्थानों के संरक्षण एवं प्रबंधन से जुड़े मुद्दों को संबोधित किया जाएगा। हमारी सरकार समृद्ध सांस्कृतिक विरासत वाले मंदिरों और मठों के संरक्षण, पुनर्विकास और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। हरिचंदन ने कहा कि प्रस्तावित योजना राज्यभर में धार्मिक संस्थानों की सुरक्षा सहित अन्य मुद्दों का भी समाधान करेगी। पूर्ववर्ती बीजू जनता दल (बीजद) सरकार की बुनियादी सुविधाओं का संवर्धन तथा आवास एवं वास्तुकला का विकास (अबधा) योजना का जिक्र करते हुए हरिचंदन ने कहा कि नई योजना कई मुद्दों को संबोधित करेगी और यह केवल मंदिरों की मरम्मत तक सीमित नहीं होगी।

सुविचार

दुआ कभी साथ नहीं छोड़ती और बद्दुआ कभी कभी पीछा नहीं छोड़ती। जो दोगे वही लौटकर आएगा, चाहे वह इज्जत हो या धोका।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इतनी जल्दबाजी क्यों?

मुंबई में बांद्रा रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन में चढ़ने के दौरान धक्का-मुक्की से दर्जनभर लोगों के घायल होने की घटना से कुछ ऐसे सवाल पैदा होते हैं, जिनकी ओर हमें गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। ऐसी घटनाओं के लिए सिर्फ सरकार को जिम्मेदार ठहरा देने से काम नहीं चलेगा। भगदड़, जल्दबाजी, धक्का-मुक्की ... ये सब हमारी ज़िंदगी का हिस्सा कैसे बन गईं? क्या यह अनुशासन की कमी का मामला है या मानव की स्वाभाविक प्रवृत्ति है? बेशक त्योहारों को ध्यान में रखते हुए सरकार को यात्रियों के लिए खास इंतजाम करने चाहिएं और रेलवे स्टेशनों पर व्यवस्था नहीं बिगड़नी चाहिए। इस तरह की घटनाएं सिर्फ रेलवे स्टेशनों तक सीमित नहीं हैं। किसी आम चौराहे पर देखें तो बहुत लोग वहां भी जल्दबाजी में दिखाई देते हैं। प्राय: वे हरी बत्ती होने का भी इंतजार नहीं करते। उन्हें देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि ये तो सेकंड के सौवें हिस्से का भी हिसाब रखते होंगे! अगर स्कूलों में देखें तो छुट्टी की घंटी बजने से ठीक पहले कई बच्चे अपना बैग लेकर इस कदर तैयार रहते हैं कि जैसे ही 'टन-टन' की आवाज आएगी, वे बहुत लंबी छलांग लगाकर इस जगह से आज़ाद हो जाएंगे! ये तो कुछ ही घटनाएं हैं। हम आस-पास देखें तो ऐसी कई घटनाएं मिल जाएंगी। कुछ साल पहले राजस्थान के एक प्रसिद्ध मंदिर में भगवान के दर्शन करने के लिए श्रद्धालु अपनी बारी आने का इंतजार कर रहे थे। वहां चारों ओर जयकारे गूंज रहे थे। अचानक मौसम बदला और हल्की बारिश होने लगी। बस, फिर क्या था ... कई लोग कतार तोड़कर भगदड़ मचाने लगे। वे तुरंत ऐसे 'सुरक्षित' ठिकाने की ओर भागने लगे, जहां उन पर बारिश की बूंदें न पड़ें! लोग ऐसा क्यों करते हैं? अगर कुछ बूंदें गिर भी गईं तो क्या हो जाएगा? ऐसे समय में हमें भक्ति के साथ और ज्यादा अनुशासन दिखाना चाहिए। भगदड़, जल्दबाजी, धक्का-मुक्की ... से न तो खुद की और न ही दूसरों की जान जोखिम में डालनी चाहिए।

सरकार को स्कूलों में इस बात की ओर (अनुशासन की दृष्टि से) खास ध्यान देना होगा। बच्चों को शुरुआती कक्षाओं से यह सिखाना होगा कि ऐसी प्रवृत्ति घोर अनुशासनहीनता होती है। आज हम सर्वत्र इसके परिणाम देख रहे हैं। कहीं शादी के खाने में धक्का-मुक्की, कहीं भंडारे में हाथापाई, कहीं मुफ्त चीजों के वितरण संबंधी कार्यक्रम में सबसे आगे रहने की होड़ ...! ये अनुशासनहीनता से पैदा हुईं ऐसी आदतें हैं, जिन्हें सुधारने की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। लगभग दो दशक पहले भारत-पाकिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में बड़ा भूकंप आया था। उस दौरान एक तस्वीर ने सबका ध्यान आकर्षित किया था। कोई संस्था राहत सामग्री के तौर पर कंबल बांट रही थी। उस समय एक कंबल को पहले पाने के लिए दो लोग (जिनके घरों में यकीनन उससे बेहतर कंबल रहे होंगे) बुरी तरह झगड़ रहे थे। क्या ही अच्छा होता, अगर लोग शांति से अपनी बारी का इंतजार करते और यह ऊर्जा नवनिर्माण में लगाते! भूकंप, बाढ़, तूफान, सुनामी ... जैसी प्राकृतिक आपदाएं जापान में भी आती हैं और बहुत तबाही मचाती हैं। वहां राहत सामग्री वितरण के दौरान भगदड़, जल्दबाजी, धक्का-मुक्की, हाथापाई जैसी घटनाएं शायद ही देखने को मिलें। साल 2004 के लोकसभा चुनाव से पहले एक वरिष्ठ नेता के जन्मदिन पर साड़ी वितरण समारोह में मची भगदड़ से 22 महिलाओं की मौत हो गई थी। इस साल जुलाई में उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में एक सत्संग कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मचने से 121 लोगों की मौत हो गई थी। उसके बाद सत्संग के आयोजकों की 'बदइंतजामी' को लेकर सवाल उठे थे, लेकिन इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि अगर लोगों को इस बात के लिए अनुशासित किया जाए कि 'आपको सार्वजनिक जीवन में विनम्रता का व्यवहार करना है, भगदड़ बिल्कुल नहीं मचानी है, धक्का-मुक्की नहीं करनी है, दूसरों का भी ख़याल रखना है', तो कई हादसों को टाला जा सकता है।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान न्यायायिक सेवा (आरजेएस 2024) की परीक्षा में सफल सभी छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की ढेरों शुभकामनाएं। यह सफलता आप सभी के कठोर परिश्रम, लगन एवं आत्मविश्वास का एक बेहतर उदाहरण है।

-दीया कुमारी

पब्लिक पॉलिसी में जितने अधिक लोगों का इनपुट होगा, जितना अधिक समृद्ध संवाद होगा; उतनी ही बेहतर लोक नीति का निर्माण हो पाएगा। कलिंग इंस्टिट्यूट ऑफ़ पब्लिक पॉलिसी के उद्घाटन कार्यक्रम के माध्यम से अधिक प्रासंगिक लोक नीति के निर्माण के लिए विद्यार्थियों का आह्वान।

-ओम बिरला

देहरादून में आयोजित 'विरासत 2024' महोत्सव में भागीदारी की। आयोजक संस्था 'रीच' का कला और संस्कृति को सहेजने और प्रस्तुत करने का यह प्रयास सराहनीय है। रीच कई वर्षों से यह कार्य सफलतापूर्वक करती आ रही है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

मृत्यु पर विजय

रोम का सम्राट किसी बात पर अपने मंत्री से नाराज हो उठा। उसे लगा कि मंत्री भगवान को मुझसे बड़ा मानकर मेरा निरादर कर रहा है। राजा के मन में ईर्ष्या की भावना इतनी प्रबल हो उठी कि उसने निर्णय लिया कि जब मंत्री अपने परिवार के साथ अपना जन्मदिन मनाएगा, उसी दिन उसे फांसी दी जाएगी। मंत्री के जन्मदिवस पर भजन-संगीत और भोज का आयोजन था। तमाम रिश्तेदार और मित्र उपस्थित थे। तभी राजा के दूत ने एक लिखित आदेश मंत्री को थमा दिया। उसमें लिखा था, 'आज शाम छह बजे मंत्री को फांसी दी जाएगी।' यह आदेश पढ़ते ही मंत्री के कुटुंबी और मित्र हतप्रभ रह गए। किंतु मंत्री उठकर भगवान का स्मरण करते हुए नाचने लगा। दूत यह देखकर दंग रह गया। उसने राजा को बताया। राजा भी वहां पहुंचा। उसने मंत्री से पूछा, 'क्या तुम्हें नहीं पता कि कुछ घंटे बाद तुम्हें फांसी पर लटका दिया जाएगा?' मंत्री ने कहा, 'राजन, मैं आपके प्रति कृतज्ञ हूं। मैं आज के दिन ही जन्मा था। आपकी कृपा से आज ही इस नश्वर शरीर को छोड़ प्रभु में विलीन हो जाऊंगा। आज तमाम रिश्तेदार-मित्र यहां मौजूद हैं।

सामयिक

बंटेंगे तो कटेंगे कोई नारा नहीं, सच्चाई है

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

संघ की नजरों में धर्मांतरण और हिन्दुओं को विभाजित करने से हिन्दू जनसंख्या का संतुलन बिगड़ा है और वे अल्पसंख्यक होते गये हैं। इस मायने में होसबोले का उद्बोधन कोई स्वप्न नहीं, जो कभी पूरा नहीं होता। यह तो हिन्दुओं को सशक्त एवं विकसित बनाने के लिए ताजी हवा की खिड़की है। यह सामाजिक समरसता का भी जीवनमंत्र है। संघ इस संवाद को कायम रखेगा क्योंकि समाज को तोड़ने के लिए बहुत सी कोशिशें हो रही हैं, विपक्षी दल अपने राजनीतिक हितों के लिये हिन्दू समुदाय को तोड़ने एवं विभाजित करने के लिये तरह-तरह के षडयंत्र कर रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह एवं महासचिव श्री दत्तात्रेय होसबोले ने हिंदू समुदाय को जाति और विचारधारा के आधार पर विभाजित करने के प्रयासों के खिलाफ लोगों को आगाह करते हुए समाज और लोक कल्याण के लिए 'हिंदू एकता' के महत्व पर भी जोर दिया है। अपने को बचाये रखने एवं दूसरों के मंगल के लिये हिन्दू एकता वर्तमान की बड़ी अपेक्षा है, इसलिये उन्होंने अपना विस्तृत दृष्टिकोण पेश करते हुए न केवल हिन्दू शब्द का विरोध करने वालों पर करारा प्रहार किया है, बल्कि देश में अराजकता का माहौल पैदा करने वाले मुस्लिम संगठनों पर भी सीधी चोट की है। विशेषतः नफरती एवं विघटनकारी सोच के लिये राहुल गांधी पर भी कड़ा प्रहार किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बंटोगे तो कटोगे' बयान का समर्थन करते हुए कहा कि वर्तमान हालात में हिन्दू एकता बनाए रखना आवश्यक है, क्योंकि कई जगहों पर धर्मांतरण की घटनाएं हो रही हैं। गणेश पूजा और दुर्गा पूजा के दौरान कुछ स्थानों पर हिन्दुओं पर हमले हुए हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर तरह-तरह के अत्याचार हो रहे हैं। हिन्दुओं पर लगातार हो रहे हमलों एवं उन्हें विभाजित किये जाने की साजिशों को नियंत्रित करने के लिये हिन्दू को संगठित होना ही चाहिए। दत्तात्रेय ने जहां हिन्दुओं को जगाया वहीं राजनीतिक दलों की नींद उड़ा दी, विपक्ष विशेषतः कांग्रेस की हिन्दू विरोधी सोच का पर्दापाश किया।

होसबोले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में हिन्दू समाज को जाति, भाषा एवं प्रांत के भेद में बांटने के विपक्षी दलों के प्रयासों की चर्चा करते हुए कहा कि 'हम बंटेंगे तो निश्चित रूप से कटेंगे, इसलिये हिन्दू समाज में एकता आवश्यक है।' उन्होंने इसे जीवन मंत्र जैसा बताया। दिया। उन्होंने देश के सामने कुछ ऐसी बड़ी चुनौतियों को भी रेखांकित किया, जिसे लेकर राजनीतिक दलों एवं साम्प्रदायिक संगठनों की भृकुटि कुछ तन गई है। मथुरा स्थित गऊ ग्राम परखम के दीनदयाल उपाध्याय गौ विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र में आयोजित 25 और 26 अक्टूबर 2024 की इस बैठक में संघ के सभी 46 प्रांतों के प्रांत एवं सह प्रांत संघचालक, कार्यवाह तथा प्रचारकों ने हिस्सा लिया। योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान एक रैली में हिंदुओं को जातियों में बांटने की विपक्षी दलों की रणनीति के प्रति आगाह करते हुए कहा था कि विपक्ष चाहता है कि मुसलमान एकजुट होकर ताकतवर और हिंदू जातियों में विभाजित होकर कमजोर बने रहें। योगी आदित्यनाथ ने पड़ोसी देश में मुसलमानों के हाथों बेगुनाह हिंदुओं के मारे जाने का हवाला देकर कहा था कि बंटेंगे तो कटेंगे। इस बयान की विपक्ष ने कड़ी आलोचना की, हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अलग-अलग तरह से इस संदेश को आगे बढ़ाया है। इसी कड़ी में सरकार्यवाह होसबाले हिन्दू एकता एवं संगठन की आवश्यकता व्यक्त की।

सरकार्यवाह होसबोले एक सक्रिय, साहसी, चिन्तनशील, राष्ट्रयोद्धा, समाजसुधारक और बदलाव लाने वाले संघ नेता हैं। वे देशहित में अच्छी रचनात्मक एवं सृजनात्मक बातें करते हैं, बदलाव चाहते हैं, राष्ट्र को तोड़ना नहीं जोड़ना चाहते हैं, अच्छी बात यह भी है कि संघ एक जागरूक संगठन है और हर समस्या पर अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। हर व्यक्ति के दिमाग में एक समस्या है और हर व्यक्ति के दिमाग में एक समाधान है। एक समस्या को सब अपनी समस्या समझे और एक का समाधान सबके काम आए। समाधान के अभाव में बढ़ती हुई समस्या संक्रामक बीमारी का रूप न ले सके, इस दृष्टि से आज का समाधान आज प्रस्तुत करने के लिए आरएसएस निरन्तर जागरूक रहता है। इसीलिये हिन्दू एकता के लिये व्यापक प्रयत्नों की अपेक्षा है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के लोगों की परेशानियों को लेकर भारत सरकार ने कदम उठाए हैं। दुनिया में कहीं भी किसी भी हिंदू को अगर कोई परेशानी होती है तो वह मदद के लिए भारत की तरफ ही देखता है। देश एवं दुनिया में हिन्दुओं से जुड़ी परेशानियों एवं समाधान की दृष्टि से एक सशक्त वातावरण बनना अपेक्षित है। होसबाले ने ऐसी ही जटिल होती समस्याओं में लव जिहाद का मुद्दा भी उठाया और कहा कि लव जिहाद से समाज में समस्या हो रही है। उन्होंने कहा, लड़कियों को लव जिहाद के प्रति जागरूक करें। हमारे समाज की बहन-बेटियों को बचाना हमारा काम है।' उन्होंने दावा किया कि केरल में 200 लड़कियों को लव जिहाद से बचाया गया है।

ध्यान रहे कि अभी राजधानी दिल्ली के नांगलोई इलाके में मुस्लिम लड़के सलीम ने खुद को संजू बताकर हिंदू लड़की सोनिया को प्यार के जाल में फंसाया। सलीम ने सोनिया के साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसे गर्भवती कर दिया। सोनिया ने जब शादी दबाव बनाया तो सलीम ने दो दोस्तों के साथ उसकी हत्या कर दी और शव को हरियाणा में अपने ननिहाल के गांव में एक खेत में गाड़ दिया।

निश्चित रूप से बंटेंगे तो कटेंगे कोई नारा नहीं बल्कि सदियों की सच्चाई है। जब-जब हिन्दू कमजोर हुआ है, तब तब उस पर अत्याचार बढ़े हैं, उनका सफाया कर दिया गया है। कश्मीर में हिंदुओं ने ताकत नहीं दिखाई तो उनका नरसंहार हुआ। लाहौर की 75 प्रतिशत आबादी हिंदुओं और सिखों की थी, कराची में हिंदू, सिंधी और हिंदू पंजाबी जनसंख्या के दो तिहाई थे, काबुल में 1950 तक एक तिहाई हिंदू-सिख थे, रंगून में एक तिहाई आबादी हिंदुओं की थी, सभी जगहों पर आज हिंदुओं-सिखों का सफाया हो गया। इसीलिये सरकार्यवाह होसबोले की दृष्टि में बंटने के प्रति सचेत करने का मतलब अनेकता में एकता का मंत्र है। हम जाति, वर्ग में भले अनेक हों, लेकिन इस आधार पर हम बंटे नहीं बल्कि एकजुट रहें। बांग्लादेश के संदर्भ में भारत सरकार ने वहां हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का आश्वासन दिया है। संघ ने उस समय भी कहा था कि हिंदू समुदाय को वहीं रहना चाहिए और पलायन नहीं करना चाहिए।

संघ की नजरों में धर्मांतरण और हिन्दुओं को विभाजित करने से हिन्दू जनसंख्या का संतुलन बिगड़ा है और वे अल्पसंख्यक होते गये हैं। इस मायने में होसबोले का उद्बोधन कोई स्वप्न नहीं, जो कभी पूरा नहीं होता। यह तो हिन्दुओं को सशक्त एवं विकसित बनाने के लिए ताजी हवा की खिड़की है। यह सामाजिक समरसता का भी जीवनमंत्र है। संघ इस संवाद को कायम रखेगा क्योंकि समाज को तोड़ने के लिए बहुत सी कोशिशें हो रही हैं, विपक्षी दल अपने राजनीतिक हितों के लिये हिन्दू समुदाय को तोड़ने एवं विभाजित करने के लिये तरह-तरह के षडयंत्र कर रहे हैं। एक बार फिर संघ ने राजनीति से परे जाकर देश को जोड़ने, सशक्त बनाने एवं नया भारत निर्मित करने का सन्देश दिया है और इस सन्देश को जिस तरह आकार दिया जाना है, उसका दिशा-निर्देश भी दिया गया है। आरएसएस महासचिव ने कहा, महात्मा गांधी ने भी स्वराज्य का मंत्र दिया था। 'स्व' का मतलब है 'स्वाधीनता', राष्ट्रीय स्वत्व। यहां हिन्दुओं को अपनी परंपरा, अपनी सभ्यता, उसके अनुभवों के साथ व्यवहार करना है, आधुनिकता का पालन करना है, आधुनिकता में भी 'स्व' को नहीं भूलना है। इस 'स्व' को जीवंतता देकर ही हिन्दू समाज टूटने एवं बिखरने से बच सकता है।

किसी भी समाज में बिखराव की स्थिति होती है तो उसकी क्षमताओं का पूरा उपयोग नहीं हो सकता। उपयोग के लिए क्षमताओं को केन्द्रित करना जरूरी है। समाज का हर व्यक्ति अपने आप में एक शक्ति है। इस शक्ति को काम में लेने से पहले उसे एकात्ममुख करना जरूरी है। होसबोले के आह्वान का हार्द हिन्दुओं को सशक्त बनाते हुए राष्ट्र को नयी शक्ल देने का है। वास्तव में यदि हम भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के अपने सपने को साकार करना चाहते हैं तो हमें अपनी सोच और अपने तौर-तरीके बदलने होंगे। जब होसबोले देश को बदलने और आगे ले जाने के लिए संकल्प व्यक्त कर रहे हैं तो फिर हिन्दुओं का भी यह दायित्व बनता है कि वह अपने हिस्से के संकल्प ले, संगठित हो।

विशेष

थाईलैंड में भी एक अयोध्या, जहां मनाई जाती है दिवाली

नंदकिशोर अग्रवाल

मोबाइल : 9945395760

देश में रामराज्य की कल्पना सदियों से रही है लेकिन आज भारत की बजाय थाईलैंड में संवैधानिक रूप से राम राज्य है, जहां भगवान राम के छोटे पुत्र 'कुश' के वंशज सम्राट भूमिवल अतुल्य तेज राज कर रहे हैं। इन्हें नौवें राम के नाम से जाना जाता है।

राम और सीता के लव और कुश दो पुत्र थे। भगवान राम ने अपने समय में ही राज्यों का बंटवारा कर पश्चिम में 'लव' को लबपुर (लाहौर) और पूर्व में 'कुश को कुशावती भेजा। कुश ने अपना राज्य पूर्व की तरफ फैलाते हुए एक नागवंशी कन्या से विवाह किया। थाईलैंड के राजा उसी कुश के वंशज हैं और यहां की राजधानी बैंकॉक थाइलैंड की अयोध्या है। इसे 'महेंद्र अयोध्या' भी कहा जाता है। बौद्ध धर्म होने के बावजूद थाइलैंड के लोग अपने राजा को भगवान श्री राम का वंशज मानते हैं। 1939 तक 'सियाम' कहे जाने वाले थाईलैंड में संवैधानिक लोकतंत्र की स्थापना 1932 में हुई।

थाईलैंड का राष्ट्रीय ग्रंथ 'रामायण' है जिसे थाई भाषा में 'राम कियेन' कहते हैं जिसका अर्थ राम कीर्ति होता है जो बाल्मीकि रामायण पर आधारित है। यहां का राष्ट्रीय चिन्ह गरुड़ है और थाईलैंड

संसद के सामने इसकी एक विशाल कृति बनी हुई है। थाईलैंड के हवाई अड्डा का नाम है 'सुवर्ण भूमि' जो आकार में दुनिया का दूसरे नंबर का एयरपोर्ट है। इसके स्वागत हॉल के अंदर 'समुद्र मंथन' का दृश्य अंकित है।

थाईलैंड में 'राम कियेन' पर आधारित नाटक और कठपुतलियों का प्रदर्शन देखना धार्मिक कार्य माना जाता है। थाईलैंड में 'अयुत्थया' शहर को अयोध्या की तरह पुकारा जाता है। थाईलैंड में दिवाली 'लाम त्रिक्रतव्योंघ' के नाम से जानी जाती है। यहां के लोग केले की पत्तियों से बने दीपक और धूप को रात में जलाकर जलते दीप को नदी के पानी में बहा देते हैं।

नजरिया

पटेल के हाथ से खिसकने से उलझी कश्मीर नीति

ई. प्रभात किशोर

कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने 15 अगस्त 1947 की निर्धारित समय सीमा तक विलय के दस्तावेज पर हस्ताक्षर नहीं किए थे। प्रारंभ में सरदार पटेल बड़ी चतुराई से मामलों को निपटा रहे थे। पटेल ने 21 सितंबर 1947 को महाराजा को लिखा कि जस्टिस मेहरचंद महाजन आपको कश्मीर के हित को प्रभावित करने वाले सभी मामलों पर हमारी बातचीत का सार बताएंगे। मैंने उन्हें पूरा समर्थन और सहयोग देने का वादा किया है। पटेल ने वस्तुतः महाजन को अपना प्रधानमंत्री नियुक्त करने का निर्देश दिया था।

पटेल ने स्वतंत्र कश्मीर की निरर्थकता के संबंध में महाराजा का ब्रेनवॉश करने के लिए आरएसएस प्रमुख गुरु गोलवलकर को श्रीनगर भेजा और यह संदेश संप्रेषित किया कि पाकिस्तान आपकी स्वतंत्रता को कभी सहन नहीं करेगा और अंततः विद्रोह करवाएगा। महाराजा द्वारा विलय के दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने की सहमति के पश्चात गुरुजी 19 अक्टूबर को दिल्ली लौट आए और पटेल को वस्तुस्थिति से अवगत कराया ।

घाटी में दो राष्ट्रीय हस्तियों के बीच परस्पर विरोधी विचार थे। शेख अब्दुल्ला की साम्प्रदायिक दृष्टि एवं अति महत्वाकांक्षा के कारण उनके प्रति पटेल की नकारात्मक सोच थी; जबकि नेहरू महाराजा को पसंद नहीं करते थे और अब्दुल्ला के प्रति आत्मीय लगाव रखते थे। दरअसल, महाराजा ने नेहरू को जून 1946 में गिरफ्तार किया था, जब वह कश्मीर छोड़ो आंदोलन के दौरान अब्दुल्ला का समर्थन करने कश्मीर आए थे। नेहरू का एकमात्र उद्देश्य अब्दुल्ला को सत्तासीन करना और महाराजा को गद्दी से उतारना था। शेख अब्दुल्ला भारतीय देशभक्ति के कारण नहीं अपितु अपने निजी कारणों से कश्मीर के पाकिस्तान में विलय के खिलाफ थे। उनकी महत्वाकांक्षा कश्मीर का प्रधानमंत्री बनने की थी, लेकिन वे इस बात से पूरी तरह भिज्ञ थे कि जिन्ना के मुसलमानों का मसीहा होने के नाते पाकिस्तान में उनके लिए कोई अवसर नहीं है।

सन 1947 में, पाकिस्तान सेना की छत्रछाया में लगभग 5000 सशस्त्र कबायलियों ने कश्मीर पर हमला कर दिया। गिलगित स्काउट के ब्रिटिश कमांडर मेजर ब्राउन ने कश्मीर सरकार से विद्रोह करते हुए गिलगित को पाकिस्तान के हवाले कर दिया। 23 अक्टूबर 1947 को, महाराजा ने पटेल को लिखा कि एक विशेष समुदाय की लगभग पूरी सेना या तो भाग गई है या सहयोग करने से इनकार कर दिया है। 25 अक्टूबर को भारतीय कैबिनेट की रक्षा समिति की बैठक में, पटेल ने महाराजा की मदद करने की पेशकश की, लेकिन नेहरू की पहली प्रतिक्रिया थी कि सर्वप्रथम महाराजा को बिना प्रतिरोध के अब्दुल्ला को सत्ता में सहभागी बनाना चाहिए। पटेल ने महाजन को कश्मीर वापस जाने और महाराजा को यह बताने के लिए कहा कि भारतीय सेना कूच कर चुकी है।

उसी दिन महाराजा ने जम्मू में विलय के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए और सैन्य सहायता के लिए लिखित रूप में अनुरोध किया। हरि सिंह-अब्दुल्ला फॉर्मूले के अनुसार, अब्दुल्ला को घाटी की देखभाल करनी थी और जम्मू को महाराजा के पूर्ण नियंत्रण में रखा जाना था। लेकिन महत्वाकांक्षी अब्दुल्ला ने जम्मू में भी दखल देना शुरू कर दिया। अचानक नेहरू ने महाराजा को पत्र लिखा कि शेख को प्रधानमंत्री बनाया जाय और उन्हें सरकार बनाने के लिए कहा जाय । महाराजा इसके संवैधानिक प्रमुख हो सकते हैं। इस पत्र ने एक निर्णायक मोड़ आ चुके पूरे परिदृश्य को पूरी तरह से उलझा कर रख दिया।

वस्तुतः नेहरू पटेल से भयभीत थे कि वह शेख को उनकी महत्वाकांक्षा के अनुसार चलने नहीं देंगे। अब्दुल्ला को कश्मीर के भविष्य की कपोल कल्पना करते हुए नेहरू ने कश्मीर मामले का प्रबंधन स्वयं अपने हाथ में लेने का निर्णय ले लिया। पटेल और नेहरू के बीच एक दरार पैदा हो गई थी और पटेल ने अपने त्याग-पत्र की पेशकश तक कर दी। माउंटबेटन की सलाह पर नेहरू इस मामले को संयुक्त राष्ट्र को भेजने के लिए सहमत हो गए । पटेल ने उनके इस कदम का कड़ा विरोध किया, लेकिन कश्मीर अब नेहरू के हाथ का खिलौना बन चुका था। पटेल पूरे कश्मीर पर नियंत्रण चाहते थे, भले ही उसके लिए युद्ध हीं क्यों न करना पड़े।

भारत ने चेतावनी दी कि यदि पाकिस्तान ने आक्रमणकारियों की सहायता बंद नहीं की तो उसे सुरक्षात्मक सैन्य कार्रवाई हेतु बाध्य होना पड़ेगा। परन्तु माउंटबेटन ने नेहरू को दिग्भ्रमित किया कि ऐसा कोई भी कदम उनके व्यक्तिगत छवि एवं उनकी विदेश नीति को धूमिल कर देगा। कश्मीर को विशेष दर्जा देने के लिए अनुच्छेद 370 का मसौदा तैयार करने से अम्बेडकर के इनकार के बाद नेहरू ने मसौदा समिति के एक सदस्य अय्यंगार को इस कार्य हेतु तैयार किया। न केवल पटेल और अंबेडकर बल्कि मौलाना आजाद और अय्यंगार को छोड़कर संविधान सभा के सभी नेता इस मुद्दे पर विरोध में थे। लेकिन नेहरू की बचकानी जिद होने के कारण किसी ने दखल नहीं दिया।

डॉ. कर्ण सिंह के अनुसार यह सरदार पटेल ही थे जिन्होंने मेरे पिता के साथ पत्राचार किया, जिसके कारण अंततः जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक परिवर्तन सुचारू रूप से चला। कश्मीर में जनमत संग्रह की पेशकश, संयुक्त राष्ट्र में मामले को बेवजह ले जाने, पूरे क्षेत्र से हमलावरों को भगाये बिना युद्धविराम, राज्य के एक तिहाई हिस्से को पाकिस्तानी हाथों में छोड़ देने, शेख को लूट की खुली छूट और महाराजा को हटाने जैसे मुद्दों पर नेहरू के रवैये से खिन्न पटेल ने समय-समय तल्ख टिप्पणी भी की। पटेल के सुनियोजित तरीके से मामले को सुलझाने के मार्ग में बाधा पहुंचाने और शेख की महत्वाकांक्षा की पूर्ति हेतु नेहरू की व्यक्तिगत जिद ने कश्मीर नीति को उलझाते हुए इसके भविष्य को अंधकारमय बना दिया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हैप्पी दिवाली

मुरादाबाद में आगामी त्योहार से पहले दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए छात्र अपने चेहरों पर 'हैप्पी दिवाली' लिखाते हुए।

अमेरिका : ट्रंप की रैली में वक्ताओं ने 'अभद्र और नस्लीय' टिप्पणियां कीं

न्यूयॉर्क/एपी। अमेरिका में राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल डोनाल्ड ट्रंप द्वारा न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित एक रैली के दौरान कथित तौर पर ''अभद्र और नस्लीय'' टिप्पणियां की गईं।

चुनाव के दिन से ठीक एक सप्ताह पहले रविवार रात को आयोजित रैली में वक्ताओं ने प्यूर्टो रिको को ''कचरे का तैरता हुआ द्वीप'' बताया और डेमोक्रेटिक उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को ''शैतान'' करार दिया।

हैरिस को निशाना बनाते हुए वक्ताओं ने कहा कि पहली महिला एवं अश्वेत महिला राष्ट्रपति बनने की होड़ में लगी महिला ने अपना करियर एक वेश्या के रूप में शुरू किया था।

रैली के दौरान 'स्टैंडअप कॉमेडियन' टोनी हिंचक्लिफ ने कहा, ''मुझे नहीं पता कि आप लोग यह जानते हैं या नहीं, लेकिन समुद्र के बीच में सचमुच कचरे का एक तैरता हुआ द्वीप है। मुझे लगता है कि इसे प्यूर्टो रिको कहा जाता है।''

हिंचक्लिफ की इस टिप्पणी की हैरिस के प्रचार अभियान द्वारा तुरंत आलोचना की गई क्योंकि वह पेंसिल्वेनिया और अन्य राज्यों में प्यूर्टो रिको के समुदायों का वोट पाने के लिए ट्रंप के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। हिंचक्लिफ के विवादास्पद बयान के तुरंत बाद प्यूर्टो रिको से ताल्लुक रखने वाले संगीत सुपरस्टार बैड बनी ने हैरिस का समर्थन किया।

हालांकि, ट्रंप के प्रचार अभियान ने हिंचक्लिफ से दूरी बनाने का प्रयास किया है। वरिष्ठ सलाहकार डेनियल एल्वारेज ने एक बयान में कहा, ''यह हास्य-व्यंग्य टिप्पणी राष्ट्रपति ट्रंप या प्रचार अभियान के विचारों को प्रतिबिंबित नहीं करती है।'' इसके अलावा, रैली में अन्य वक्ताओं ने भी अभद्र टिप्पणियां कीं। ट्रंप के बचपन के दोस्त डेविड रेम ने हैरिस को ''ईसा मसीह विरोधी'' और ''शैतान'' कहा।

कांग्रेस महासचिव और पार्टी उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाड्रा सोमवार को वायनाड में छात्रों से बातचीत करती हुई।

कजान में मोदी-शी वार्ता भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक घटनाक्रम : रूसी राजदूत

नई दिल्ली/भाषा

भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच हुई बैठक को सोमवार को भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक घटनाक्रम बताया।

अलीपोव ने कहा कि रूस के कजान शहर में हाल में संपन्न हुआ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ''पूरी तरह सफल'' रहा और यह ''कोई विशिष्ट नहीं, बल्कि समावेशी मंच'' है। अलीपोव ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''ब्रिक्स पश्चिम-विरोधी नहीं, बल्कि गैर-पश्चिम देशों का समूह है।''

यह पूछे जाने पर कि क्या मोदी और शी के बीच हुई बैठक में रूस की कोई भूमिका था,

अलीपोव ने कहा, ''हमने इसमें कोई भूमिका नहीं निभाई, लेकिन हमें खुशी है कि यह बैठक कजान में हुई। हम इस बैठक का तहे दिल से स्वागत करते हैं।''

मोदी और शी ने 23 अक्टूबर को हुई बैठक में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त और सैनिकों को पीछे हटाने को लेकर भारत-चीन के बीच हुए समझौते का समर्थन किया था।

दोनों नेताओं ने विभिन्न द्विपक्षीय वार्ता तंत्रों को फिर शुरू करने के निर्देश जारी किए थे, जो 2020 में भीषण सैन्य झड़प से प्रभावित संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों का संकेत था।

रूसी राजदूत ने कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर हुई चीन-भारत वार्ता के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, ''यह वार्ता लगभग पांच वर्षों के बाद हुई और यह भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों में एक सकारात्मक घटनाक्रम है।'' अलीपोव ने एक प्रमुख भारतीय अखबार में प्रकाशित उस खबर का जिक्र किया, जो यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साक्षात्कार पर आधारित थी। उन्होंने कहा कि साक्षात्कार में जेलेंस्की ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को एक बड़ी 'विफलता' बताया था। अलीपोव ने जेलेंस्की की बात का विरोध किया और कहा कि कजान में हुआ शिखर सम्मेलन पूरी तरह से सफल था।

पाकिस्तान में पोलियो के मामले बढ़ने के बाद एक और टीकाकरण अभियान शुरू

इस्लामाबाद/एपी

पाकिस्तान में पोलियो के नये मामले सामने आने के बाद सरकार ने देशभर में सोमवार को नया टीकाकरण अभियान शुरू किया ताकि देश के 4.5 करोड़ बच्चों को पोलियो की गिरफ्त में आने से बचाया जा सके।

पाकिस्तान में नियमित रूप से टीकाकरण अभियान संचालित किया जाता है लेकिन स्वास्थ्यकर्मियों और उन्हें सुरक्षा मुहैया कराने वाले पुलिसकर्मियों पर आतंकवादी हमले होते रहते हैं। उग्रवादी झूठा दावा करते हैं कि पश्चिमी साजिश के तहत नसंबदी कराने के लिए टीकाकरण अभियान चलाया जाता है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सलाहकार आयशा रजा फारूक ने बताया कि पोलियो के मामलों में वृद्धि हो जाने के कारण इस साल तीसरी बार टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है जो रविवार तक जारी रहेगा। उन्होंने एक बयान में कहा कि इस बार हम पोलियो से लड़ने के लिए और जोर-शोर से अभियान चला रहे हैं।

फारूक ने बताया कि पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों को घर-घर जा कर टीका लगाया जाएगा तथा उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए विटामिन ए की खुराक दी जाएगी।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हाल ही में स्वास्थ्यकर्मियों से मुलाकात की तथा उनसे कहा कि वह घर-घर जा कर पोलिया के लिए टीका लगाए जिससे कोई भी बच्चा वंचित न रह सके।

फारूक ने बताया कि इस साल अब तक पाकिस्तान के 71 जिलों में पोलियो के 41 मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें से ज़्यादातर मामले दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान और दक्षिणी सिंध प्रांत से सामने आए हैं। इसके बाद खैबर पख्तूनख्वा प्रांत और पूर्वी पंजाब प्रांत से मामले सामने आए हैं।

तीन नवंबर को ज़ी सिनेमा पर होगा 'खिचड़ी 2' का वर्ल्ड टेलिविजन प्रीमियर

मुंबई/एजेन्सी

ज़ी सिनेमा पर तीन नवंबर को 'खिचड़ी 2' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर होगा। रविवार, तीन नवंबर को रात 8 बजे, जी सिनेमा पर 'खिचड़ी 2' वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर होगा।आतिश कपाड़िया द्वारा लिखित और निर्देशित, और जमनादास मजेठिया द्वारा निर्मित फिल्म खिचड़ी 2 में सुप्रिया पाठक, कीर्ति कुल्हारी, अनंग देसाई, राजीव मेहता और वंदना पाठक ने अहम भूमिका निभायी है। जमनादास मजेठिया ने कहा,खिचड़ी 2 परिवारों के प्यार, एकता और हंसी का जश्न है। ये फिल्म परिवारों के लिए है और परिवारों के बारे में है। हम सब जानते हैं कि खिचड़ी को कितना प्यार मिला है, और ये फिल्म उसी कहानी का नया और मजेदार हिस्सा लेकर आई है। हमने सिर्फ हंसाने का प्रयास नहीं किया है, बल्कि कुछ नया और चौंकाने वाला भी डाला है। मैं मानता हूं कि ये हर परिवार के लिए परफेक्ट दिवाली ट्रीट है। कीर्ति कुल्हारी, ने कहा,मुझे इस फिल्म में सबसे ज्यादा ये पसंद है कि ये दिखाती है कि परिवारों का प्यार हमेशा एक जैसा रहता है, चाहे कितने भी मतभेद हों। इस फिल्म में दोबारा कॉमेडी करना, खासकर इतने प्यारे परिवार के साथ, मेरे लिए बहुत खास था।

राजीव मेहता ने कहा,दर्शकों ने मेरे किरदार प्रफुल्ल को हमेशा बहुत प्यार दिया है। यहां तक कि जब मैं किसी इवेंट में जाता हूं, लोग मुझे प्रफुल्ल के नाम से ही बुलाते हैं, जो मेरे दिल को छू जाता है। इस बार फैंस के लिए और भी मजेदार चीजें हैं, क्योंकि उनका पसंदीदा परिवार एक नए मिशन पर निकला है। सुप्रिया पाठक ने कहा,खिचड़ी 2 की सबसे खास बात है कि यह असली ज़िंदगी की हलचल को दिखाती है। मेरा किरदार हंसा हमेशा की तरह हंसी-मजाक और अपनी खासियत के साथ ज़िंदगी से भरा हुआ है। अनंग देसाई ने कहा,बाबूजी का किरदार निभाना हमेशा से मजेदार रहा है, क्योंकि लोग उन्हें उनके सख्त स्वभाव के बावजूद भी बहुत पसंद करते हैं। खिचड़ी 2 में वही पुराना मज़ेदार ह्यूमर है, लेकिन एक नई और रोमांचक कहानी के साथ। फिल्म में और भी ज्यादा हंसी, मस्ती और परिवार के साथ बिताए गए पल हैं। वंदना पाठक ने कहा, खिचड़ी 2 यह दिखाती है कि हंसी ज़िंदगी की मुश्किलों का सबसे अच्छा इलाज हो सकती है। यह फिल्म हंसी के साथ एक रोमांचक सफर पर ले जाती है। आतिश कपाड़िया ने कहा,खिचड़ी 2 का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर हमारे लिए बहुत खास है। इस फिल्म को लिखना और निर्दशित करना एक शानदार अनुभव था। पूरी कास्ट ने सालों से लोगों को हंसाने में अपना योगदान दिया है।

बड़े परदे नजर आएगा 'मिर्जापुर' का भौकाल

मुंबई/एजेन्सी

मिर्जापुर द फिल्म' की घोषणा कर दी गई है। फरहान अख्तर ने इंस्टाग्राम पर आखिरकार लंबे समय से चल रही अटकलों की पुष्टि करते हुए खुलासा कर दिया है कि मिर्जापुर पर फिल्म बनाई जा रही है। फिल्म निर्माता जो सीरीज के सह-निर्माता भी हैं।

उन्होंने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु का भौकाल देखने को मिल रहा है। फिल्म की घोषणा भी बिल्कुल मिर्जापुर स्टाइल में कि गई है। उन्होंने खुलासा किया कि छोटे पर्दे का जादू अब बड़े पर्दे पर भी छाएगा। वहीं 'मिर्जापुर द फिल्म' की यूएसपी में जबरदस्त बदलवा देखने को मिलने वाला है।

वेब सीरीज मिर्जापुर सीजन 3 की रिलीज के महीनों बाद निर्माताओं ने अब 'मिर्जापुर द फिल्म' की घोषणा कर दी है। सोमवार को सोशल मीडिया पर प्राइम वीडियो इंडिया ने पंकज त्रिपाठी, अली फजल, अभिषेक बनर्जी और दिव्येंदु पर आधारित एक वीडियो शेयर कर तहलका मचा दिया है। 2 मिनट से ज्यादा लंबे इस वीडियो में दिव्येंदु की वापसी का भी संकेत दिया गया है, जिन्होंने वेब सीरीज में मुन्ना त्रिपाठी का किरदार निभाया था। दूसरे सीजन में उनके किरदार को मार दिया गया था और तीसरे में व दिखाई नहीं दिए थे। इस बार मिर्जापुर की गद्दी के लिए गुड्डू पंडित और मुन्ना भैया के बीच खतरनाक वॉर देखने को मिलने वाली है।

फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, अभिषेक बनर्जी और दिव्येंदु के अलावा किसी भी कलाकार को लेकर अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, ऐसा लग रहा है कि पुराने कलाकार अपनी भूमिकाएं फिर से निभा सकते हैं।

पहले ऐसी अफवाहें थीं कि ऋतिक रोशन कालीन भैया की भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, निर्माताओं की ओर से अभी तक इस बारे में कोई पुष्टि नहीं की गई है। एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन ने क्राइम थ्रिलर का पहला सीजन नवंबर 2018 में और दूसरा सीजन अक्टूबर 2020 में रिलीज किया था। शो का तीसरा सीजन जुलाई 2024 में रिलीज हुआ था।

फिल्म 'वनवास' को अपनी सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में से एक मानते हैं नाना पाटेकर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर अपनी आने वाली फिल्म वनवास को अपनी अबतक की सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में से एक मानते हैं। नाना पाटेकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म वनवास को लेकर चर्चा में हैं।नाना पाटेकर ने रविवार को अपने एक्स अकाउंट पर फिल्म वनवास से जुड़ा एक पोस्टर शेयर किया है। इसमें वह घाट पर बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। इस पोस्टर में लिखा है ,अपने ही देते हैं, अपनों को वनवास। नाना पाटेकर ने कैप्शन देते हुए लिखा, वनवास की पूरी यात्रा मेरे लिए बहुत यादगार रही है। ये आज तक की मेरी सबसे बेस्ट फिल्मों में से एक है।बस दो दिन बाद 29 अक्टूबर को टीजर रिलीज होगा। नाना पाटेकर और उत्कर्ष शर्मा की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'वनवास' को अनिल शर्मा ने निर्मित और निर्देशित किया है। यह फिल्म ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा वर्ल्ड वाइड रिलीज की जायेगी ।फिल्म वनवास 20 दिसंबर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

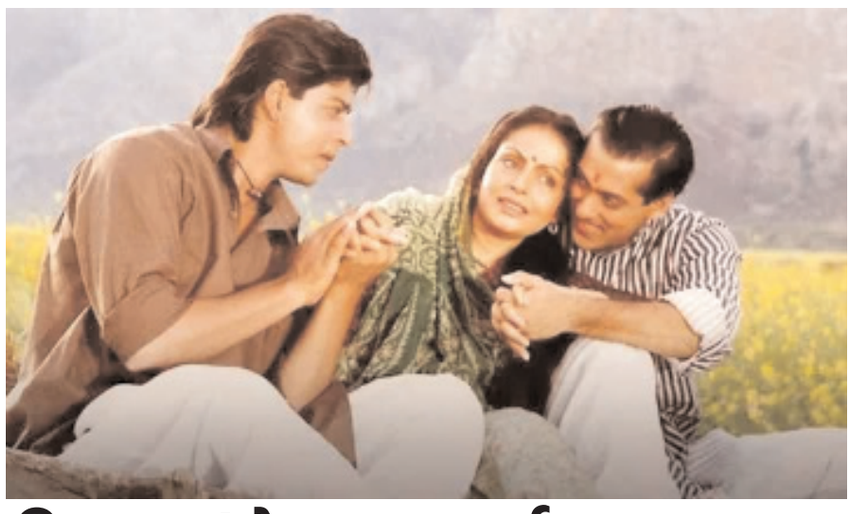

फिर आएंगे करण अर्जुन, सलमान खान ने की रिलीज डेट अनाउंस

मुंबई/एजेन्सी

इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर जहां सुस्ती छाई हुई है तो इसी बीच पुरानी फिल्मों को थिएटर में फिर से रिलीज किया जा रहा है। अब तक कई कल्ट क्लासिक फिल्में सिनेमाघरों में री-रिलीज हो चुकी हैं। वहीं अब इस लिस्ट में सलमान खान और शाहरुख खान स्टारर 'करण-अर्जुन' भी शामिल हो गई है। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थीं। अब 90 के दशक की ये आइकॉनिक फिल्म एक बार फिर सिनेमाघरो में दर्शकों को एंटरटेन करने के लिए आ रही है। वहीं 30 साल बाद 'करण अर्जुन' की दोबारा रिलीज पर सलमान खान ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपनी एक्साइटमेंट शेयर की है।

बता दें कि फिल्म मे सलमान खान ने करण का किरदार निभाया था। वहीं शाहरुख खान ने अर्जुन कपूर का रोल प्ले किया था। ये फिल्म अब 22 नवंबर को फिर से सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं सलमान खान ने अपने एक्स अकाउंट पर इसे लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर करते हुए फिल्म का टीज़र शेयर किया है। उन्होंने मजाक में लिखा, राखी जी ने सही कहा था फिल्म में कि मेरे करण अर्जुन आएंगे 22 नवंबर को दुनिया भर के सिनेमा घरों में! ऋतिक रोशन ने भी 'करण अर्जुन' के दोबारा रिलीज पर अपनी एक्साइटमेंट जताई है। बता दें कि वॉर एक्टर ने फिल्म में अपने पिता के साथ कैमरे के पीछे काम किया था।

ऋतिक ने एक्स पर टीज़र शेयर करते हुए लिखा, सिनेमा फिर कभी पहले जैसा नहीं रहा।।। जब करण अर्जुन पहली बार बड़े पर्दे पर एक साथ आए। 22 नवंबर 2024 से दुनिया भर के सिनेमाघरों में करण अर्जुन के पुनर्जन्म को फिर से देखें!

करण अर्जुन पुनर्जन्म के बारे में एक कल्ट क्लासिक फिल्म है।ये दो भाइयों करण (सलमान खान) और अर्जुन (शाहरुख खान) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी मां (राखी) की रक्षा करते हुए ठाकुर संग्राम सिंह के साथ लड़ाई के दौरान मारे जाते हैं। दोनों बेटों की मौत के बाद, मां यही कहती हैं कि मेरे करण अर्जुन वापस आंएगे और बदला लेंगे। फिल्म में करण और अर्जुन का पुनर्जन्म होता है और फिर वे उसी गांव में आते हैं जहां उनकी मां उनकी वापसी का इंतजार कर रही थी। फिल्म में काजोल और ममता कुलकर्णी भी थीं। इस फिल्म में शाहरुख खान और काजोल पर फिल्माया गया गीत जाती हूँ मैं जल्दी है क्या, धड़के जिया क्यूं भला अपने समय में जबरदस्त लोकप्रिय हुआ था। विशेष रूप में दर्शकों ने काजोल के नृत्य को बहुत पसन्द किया था। इसके अतिरिक्त फिल्म का गीत ये बंधन तो प्यार का बंधन है जन्मों का संगम है ने भी दर्शकों को आनन्दित किया था।ॉ

'सिंघम अगेन' का टाइटल ट्रैक 'विनाशम करोहम' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की आने वाली फिल्म सिंघम अगेन का टाइटल ट्रैक 'विनाशम करोहम' रिलीज हो गया है। रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म सिंघम अगेन, सिंघम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है।ट्रेलर और गाना 'जय बजरंगबली' रिलीज होने के बाद, निर्माताओं ने फिल्म का टाइटल ट्रैक 'विनाशम करोहम' रिलीज कर दिया है। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'सिंघम अगेन' के टाइटल ट्रैक 'विनाशम करोहम' का वीडियो साझा किया।

गाने में अजय देवगन पुलिस की वर्दी पहने हुए हैं।वीडियो में अन्य कलाकारों टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर, अक्षय कुमार, करीना कपूर और रणवीर सिंह के किरदारों की भी झलक देखने को मिली है। म्यूजिक वीडियो शेयर करते हुए अजय देवगन ने कैप्शन में लिखा,'भयंकर रोंगटे खड़े हो जाने की गारंटी।' रोहित शेट्टी निर्देशित 'सिंघम अगेन' में अजय देवगन, सिंघम के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में अक्षय कुमार, रणवीर सिंह,दीपिका पादुकोण, करीना कपूर खान, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर और जैकी श्रॉफ जैसे कई सितारे नजर आयेंगे। यह फिल्म 01 नवंबर को दीवाली के अवसर पर रिलीज होगी।

परमसुंदरी में बिजनेस टाइकून का किरदार निभाएंगे सिद्धार्थ मल्होत्रा

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म परमसुंदरी में बिजनेस टाइकून का किरदार निभाते नजर आ सकते हैं। मैडॉक फिल्म्स के निर्माता दिनेश विजन ,सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर को लेकर रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म बनाने जा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन तुषार जलोटा करेंगे। इस फिल्म का अस्थायी नाम 'परम सुंदरी' रखा गया है। दिनेश विजान पहले सिद्धार्थ और जाह्नवी को लेकर 'स्पाइडर' नाम की एक एक्शन थ्रिलर फिल्म बना रहे थे, लेकिन बाद में उन्होंने दोनों के साथ एक रोमांटिक फिल्म परमसुंदरी बनाने का फैसला किया। कहा जा रहा है कि फिल्म 'परम सुंदरी' में सिद्धार्थ मल्होत्रा दिल्ली के बिजनेस टाइकून का किरदार निभा रहे हैं। वहीं जाह्नवी कपूर ,परम सुंदरी के किरदार में हैं, जो केरल से ताल्लुक रखती है और पेशे से एक कलाकार है।फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल सिद्धार्थ के साथ दिल्ली में शुरू होगा। इसके बाद केरल में कुछ हिस्से की शूटिंग की जाएगी। बची हुई शूटिंग मुंबई के एक स्टूडियो में होगी।फरवरी, 2025 तक फिल्म की शूटिंग पूरी होने की उम्मीद है।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के सिवांची ओसवाल जैन संघ का दीपावली स्नेह मिलन रविवार को मैसूरु रोड स्थित तुलसी चेतना केन्द्र में धूमधाम से सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

मुमुक्षु चंद्रप्रकाश चोपड़ा ने साध्वी उदितयशा के किए दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा भवन गांधीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री उदितयशाजी के दर्शन करने मुमुक्षु चंद्रप्रकाश चोपड़ा पहुंचे। साध्वीश्री उदितयशाजी ने मुमुक्षु को मंगलकामनाएं देते हुए कहा कि मुमुक्षु के अभिनंदन के अवसर पर वैराग्य की भावना को सिंचन करते हुए श्रावकों में आध्यात्मिक भाव का उदय होना चाहिए। यह सौभाग्य कि बात है कि मुमुक्षु को गुरुदेव के सान्निध्य में संघ की सेवा करने का सुनहरा सौभाग्य प्राप्त हुआ। मुमुक्षु चंद्रप्रकाश चोपड़ा ने अनुभूति व्यक्त करते हुए कहा तेरापंथ की दीक्षा अद्भुत है। तेरापंथ धर्म संघ में दीक्षा लेने वाला व्यक्ति चित्त समाधि को प्राप्त होता है। स्वयं को आचार्यश्री के सान्निध्य में दीक्षा प्राप्त करना अपना सौभाग्य हैं। इस मौके पर सभा के पूर्व अध्यक्ष मूलचंद नाहर, अणु विभा जीवन विज्ञान क्षेत्रीय प्रभारी ललित आच्छा, निवर्तमान ट्रस्ट अध्यक्ष प्रकाश बाबेल, जितेंद्र घोषल, उपासिका कांता धोका, लीलाबाई सालेचा ने अपने विचार व्यक्त किए तथा मुमुक्षु की अनुमोदना की।

दक्षिण पश्चिम रेलवे ने सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। दक्षिण पश्चिम रेलवे मुख्यालय में स्थित रेल सौधा में सतर्कता जागरुकता सप्ताह का उद्घाटन सोमवार को किया गया। महाप्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव ने मुख्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्कता की शपथ दिलाई। महाप्रबंधक ने सतर्कता जागरुकता पर आधारित पोस्टर का भी अनावरण किया। वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक और मुख्य सतर्कता अधिकारी ए.अन्नादुरई ने दक्षिण पश्चिम रेलवे के भीतर त–था 2024 के हिस्से के रूप में आयोजित विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन प्रदान किया।

अपने संबोधन में महाप्रबंधक ने सामूहिक सतर्कता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि नैतिक मानकों को बनाए रखने में सभी की भूमिका है। उन्होंने आर्थिक विकास, सामाजिक न्याय और सार्वजनिक विश्वास पर भ्रष्टाचार के हानिकारक प्रभावों पर प्रकाश डाला और दैनिक जीवन में ईमानदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा देने में कर्मचारियों, हितधारकों और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

कार्यक्रम के बाद महाप्रबंधक और वरिष्ठ अधिकारियों ने रेल सौधा में इंटीग्रिटी गार्डन में सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। दपरे के सभी मंडलों, इकाइयों और कार्यालयों में सतर्कता शपथ भी दिलाई गई। इसके अलावा रेल सौधा में साइबर स्वच्छता और सुरक्षा पर एक सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें साइबर अपराध अन्वेषक और साइबर फोरेंसिक विशेषज्ञ संदीप प्रकाशचंद गड़िया ने भाग लिया।

सत्र में प्रचलित साइबर अपराधों पर चर्चा की गई और साइबर धोखाधड़ी और साइबर अपराध से बचाव के लिए तरीके बताए।

सिवांची ओसवाल जैन संघ के दीपावली स्नेह मिलन में सिवांची एप्प का हुआ लोकार्पण

तुलसी चेतना केन्द्र में बड़ी संख्या में उपस्थित हुए संघ के सदस्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिवांची ओसवाल जैन संघ का दीपावली स्नेह मिलन रविवार को मैसूरु रोड स्थित तुलसी चेतना केन्द्र में धूमधाम से सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ, जिसमें 2800 के करीब सदस्य परिवारजनों की उपस्थिति रही संघ अध्यक्ष राजेन्द्र छाजेड, उपाध्यक्ष महेंद्र रांका, रंजीत सोलंकी, महामंत्री अशोक सालेचा, कोषाध्यक्ष प्रकाशकरण मेहता, मंत्री सुरेश कानूंगा, नरेंद्र पालरेचा, पूर्व अध्यक्ष अमीचंद सोलंकी, महिला संघ अध्यक्ष सीमा वैदमेहता मंत्री प्रीति चोरड़िया, युवा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र कांकरिया, मंत्री अनीस भोजाणी एवं कार्यसमिति के अन्य सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

सिवांची भवन हेतु भूमि का क्रय व पंजीकरण कार्य सम्पन्न : राजेन्द्र छाजेड़

अध्यक्ष राजेंद्र छाजेड़ ने अपने स्वागत भाषण में समाज हित में गतिमान संघ की विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए एवं उपस्थित जनों से इस योजनाओं से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने सिवांची भवन योजना के बारे में भी जानकारी देते हुए बताया कि प्रस्तावित भवन के लिए 20 हजार वर्गफीट की जगह क्रय कर उसका पंजीकरण भी करा दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस सिवांची भवन में सभी का सहयोग मिलेगा तो शीघ्र ही भवन का सपना साकार होगा। मंत्री अशोक सालेचा ने एलईडी स्क्रीन पर पीपीटी प्रसारण के माध्यम से अब तक संघ द्वारा किए गए विभिन्न कार्यों, आयोजनों पर विस्तृत जानकारी दी। स्वधर्मी बंधुओं के उत्थान के लिए संघ की विशेष योजना श्रावक उन्नति एवं जीवदया अभियान के संयोजक महेंद्र रांका ने बताया कि स्नेह मिलन स्थल पर जैन अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र व आयुष्मान स्वास्थ्य बीमा कार्ड बनाने के लिए काउंटर लगाए गए जिसका उपस्थित जनों ने लाभ उठाया। श्रावक उन्नति के उप संयोजक रमेश छाजेड़ ने बताया कि 400 से भी अधिक आयुष्मान कार्ड बनाकर वितरित किए गए हैं। इसके बाद बहुप्रतीक्षित एवं बहुआयामी सिवांची एप्प की सम्पूर्ण जानकारी संयोजक प्रवीण बाफना एवं उपसंयोजक हितेश पालरेचा ने दी। सिवांची एप्प के लोकार्पण के मुख्य प्रायोजक कुशलस् फैशन ज्वेलरी के तनसुखराज गुलेच्छा ने किया। साथ ही एप्प के सह प्रायोजक कूल कलर्स के उम्मेदमल बाफना, स्वामित्वा ग्रुप के अशोक मेहता एवं आशीष मेटल्स के ललित कानूंगा भी उपस्थित थे। तत्पश्चात ऍप के मुख्य प्रायोजक, सह प्रायोजक एवं स्नेहमिलन के समस्त लाभार्थियों का सम्मान किया गया।

समाज के सदस्यों ने संभाली कार्यक्रम की विभिन्न व्यवस्थाएं

दोपहर के सत्र में कवि सम्मेलन का कार्यक्रम रखा गया था जिसमें आमंत्रित कवि सुनील तरुण, हंसराज मुणोत, मिट्ठू मिठास, डॉ. निधि सिंह एवं राजेंद्र गुलेच्छा 'राज' ने अपनी काव्य प्रस्तुतियां दी तथा उपस्थित जनों का मनोरंजन किया। प्रस्तुति के बाद सभी साहित्यकारों का सम्मान किया गया। भोजन समिति संयोजक प्रकाशकरण मेहता सहित महावीर पारख, नरेंद्र पालरेचा, संजय बालड़, महेंद्र बागरेचा की देखरेख में आयोजित स्नेह भोज में युवा मंडल के सदस्यों ने अपनी सेवाएं दी।बच्चों व महिलाओं के लिए अनेक मनोरंजक खेलों व प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जिसकी व्यवस्था सिवांची जैन युवा मंडल के कार्यकर्ता ने संभाली।

परिवहन संयोजक सुरेश कानूँगा एवं पदमराज लुंकड़ ने आवागमन के लिए बसों की व्यवस्था, राजेंद्र ओस्तवाल, राजेश शाह, अनिल कांकरिया ने मंच व्यवस्था संभाली। सदस्यता अभियान संयोजक राजेन्द्र भंसाली ने बताया कि स्नेह मिलन स्थल पर अनेक नए सदस्य संस्था से जुड़े। अगले स्नेहमिलन के पांच प्रायोजकों के नामों की भी घोषणा व सम्मान हुआ। मंत्री सुरेश कानूँगा ने धन्यवाद दिया तथा राजेंद्र गुलेच्छा ने दोनों संत्रों का संचालन किया।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर में लाभान्वित हुए 190 लोग

बेंगलूरु/दक्षिण भारत।शहर के विजय संभव फाउंडेशन ने अलोका विज़न प्रोग्राम के साथ नर्सिंग छात्रों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया, जिसमें वद्या अकादमी और विश्व साई कॉलेज ऑफ नर्सिंग के छात्रों, स्टाफ और शिक्षकों सहित कुल 190+ लोगों को लाभ मिला। इस पहल का उद्देश्य नर्सिंग समुदाय के लिए नेत्र देखभाल सेवाओं को सुलभ बनाना था। शिविर के दौरान प्रतिभागियों की व्यापक नेत्र जांच की गई, जिसमें 44 विद्यार्थियों को फाउंडेशन आवश्यकतानुसार निःशुल्क चश्में उपलब्ध कराएगा। शिविर का संचालन फाउंडेशन की ओर से अक्षय और विजय गुप्ता ने किया। फाउंडेशन के अध्यक्ष रवि राजहंस ने शिविर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जाली दस्तावेजों से आधार कार्ड बनवाने के आरोप में पाकिस्तानी महिला के खिलाफ मामला दर्ज

जयपुर। भारत में रहने के लिए कथित रूप से जाली दस्तावेज के जरिए आधार और पैन कार्ड बनवाने के आरोप में एक पाकिस्तानी महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, महिला लगभग 40 साल से यहां रही है।

पुलिस ने बताया आरोपी शाजिया रियाज 1985 में भारत आई और उसने एक भारतीय से शादी की तथा उसके चार बच्चे हैं। पुलिस के अधिकारियों के मुताबिक, खुफिया सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला के दस्तावेजों की जांच की गई और जांच में पाया गया कि उसने जाली दस्तावेजों के आधार पर भारतीय पहचान पत्र बनाए गए थे।

आत्मा के स्वभाव को छोड़कर विभाव में जाना ही प्रमाद है : मुनि मलयप्रभसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री मलयप्रभसागरजी द्वारा परमात्मा महावीर निर्वाण कल्याणक के अवसर पर उत्तराध्ययन सूत्र के नवमें नमि प्रवज्या अध्ययन के वांचन विवेचना के दौरान कहा कि इसमें इन्द्र महाराजा और नमि महाराजा के बीच के संवाद के बारे में बताया गया है। जिनको व्याधि में भी चिन्तन हुआ कि संसार में एक में ही शांति है, जहां अनेक हो जाते हैं तब अशांति पैदा हो जाती है। इच्छाएं आकाश की तरह अनंत है। संसार स्वार्थी है जिससे उन्हें वैराग्य पैदा हुआ और दीक्षा ग्रहण की। दसवां अध्ययन धूम्रपत्रक जिसमें कहा गया है कि जिस तरह ओस की बूंद क्षणिक है उसी तरह हमारा जीवन क्षणिक है। हमें धर्म आराधना में एक समय का भी प्रमाद नहीं करना है। आत्मा के स्वभाव को छोड़कर विभाव में जाना ही प्रमाद है।

हिंसा पशुता और अहिंसा मनुष्यता है : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय हनुमंतनगर स्थित जैन स्थानक में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि जैन धर्म दर्शन, अहिंसा और भावना प्रधान है। सारे आगम, शास्त्र व्रत, नियम, आराधना और साधना का सार - निचोड़ यही है कि जीवन में अहिंसा, प्राणीमात्र के प्रति दया, रक्षा और अनुकम्पा की भावना बढ़े। अहिंसा परम व उत्कृष्ट धर्म है। अहिंसा ही परम संयम, परम दान, परम यज्ञ व परम तप है। यही सभी चर्मी का महान सिद्धान्त है।

हिंसा पशुता है और अहिंसा मनुष्यता है। अहिंसा ही सकल धर्मी की जननी है। उन्होंने कहा कि अहिंसा से रहित धर्म की कल्पना पानी में से मक्खन निकालने के समान है। अहिंसोपासक के दोनों लोक सुधर जाते हैं। संसार के समस्त प्राणियों को अपनी आत्मा के समान ही समझना ही सच्ची अहिंसा है। हिंसा तीन प्रकार की होती है मन से, वचन से, काया से । प्राणीमात्र के प्रति दया रखना करुणा व मैत्रीभाव रखना अहिंसा है।

प्रारंभ में साध्वी श्री स्नेहप्रभाजी ने उत्तराध्ययन सूत्र के बारे में बताते हुए कहा कि जीव अनादिकाल से चतुर्गति रूप संसार में वह परिभ्रमण करता रहता है जिसके मूल कारणों में राग-द्वेष कर्म बंधन हेतु है। वहीं इसके साथ जुड़ा एक प्रमुख कारण और है वह है जीव के अपने स्वभाव को छोड़कर अनवरत विभाव दशा में घूमते रहने की वजह। आत्मा अनंत शक्तिमान है। लेकिन जब तक उसे अपने पास रही शक्तियों के ज्ञान से अनजान बना सुप्त अवस्था में अज्ञान दशा के कारण मिध्यात्व, मोह काय रुपी अंधकार में पड़ा रहता हैं। इस जीवात्मा के संसार से मुक्ति का प्रवेश द्वार रूप सम्यक दर्शन की अहम भूमिका है। प्रभु महावीर ने उस मोक्ष साधना के सोपान रूप समकित सम्यक्त्व, पराक्रम में सद्पुरुषार्थ करने का महान संदेश दिया है। साध्वी श्री जी ने समकित के पाँच लक्षणों पर भी प्रेरक व्याख्या धर्मसभा में प्रस्तुत की। मानव सेवा के तहत संघ के तत्वावधान में साध्वियों की प्रेरणा से कुष्ठ रोगियों हेतु लेप्रोसी अस्पताल में अलमारी, बेडशीट, किराना सामग्री दी गई। इस अवसर पर संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी, मंत्री सुरेश धोका, पूर्व अध्यक्ष हुकमीचंद कांकरिया, महिला अध्यक्षा मंजू बालिया, मंत्री संगीता धोका, सह मंत्री ऊषा हुंडिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान : दक्षिण पश्चिम रेलवे के नवनियुक्त प्रिंसिपल चीफ मटेरियल मैनेजर मामन सिंह के हुब्बल्ली आगमन पर दपरे के जेडआरयूसीसी सदस्य महेंद्र सिंघी, अशोक गोयल, बीरबल विश्नोई, चनवीर मुंगरवाड़ी, सुभाष डंक आदि ने उनसे मुलाकात कर सम्मान किया। इस सम्मान के सिंह ने सभी का आभार जताया ।

अच्छे जीवन की शुरुआत अच्छे विचारों से होती है : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग में चातुर्मासार्त विराजित मुनिश्री विनयमुनिजी ने उत्तराध्ययन सूत्र का मूल पाठ तथा 45 जाप करते हुए कहा कि जीव की गति नश्वर में मानी जाती है चैतन्य में जीवन होता है। उसकी गति अनेकानेक मानी है। काया से सेवा, वचन से मधुर भाषा और ज्ञानदान तथा मन से इतना श्रेष्ठ चिन्तन हो कि मानो दुःख तत्व दूर हो गया है। जिन कर्मो से आत्मा में दुर्गुणों-दुर्गध की बढ़ोतरी होती हो, ऐसा कषाय भाव छोड़ना तोड़ना ही धर्म की सत्य आराधना मानी गई है। शरीर को आहार देना बंद कर दिया परन्तु आत्मा में कषाय की निरन्तर आग धधक रही है तो वहाँ आत्मिक शीतलता कहां मिलेगी? इस मानव जीवन में दूसरों को सुख प्राप्ति का हेतु बनना चाहिए। यदि भला किसी का कर सके तो बुरा भी किसी का नहीं करना चाहिए। नकारात्मक और सकारात्मक ये दो भार्वो की लड़ाई इंसानों में सदैव से चली आरही है। नकार में हार है और सकार में में जीत है। अच्छे जीवन की शुरुआत अच्छे विचारों से ही होती है। संघ प्रवक्ता राजु सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपतराज मांडोत ने आभार व्यक्त किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com

कार्तिक कृष्ण - 12 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 96 ■ पृष्ठ - 4 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 29-10-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुभ धनतेरस

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

शुभ धनतेरस

धनतेरस से प्रारंभ होता है दीपावली पर्व

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

धनतेरस के दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखा जाता हैं। इस दीप को यमदीवा अर्थात यमराज का दीपक कहा जाता है। रात को घर की स्त्रियां दीपक में तेल डालकर नई रूई की बत्ती बनाकर, चार बत्तियां जलाती हैं। दीपक की बत्ती दक्षिण दिशा की ओर रखनी चाहिए। जल, रोली, फूल, चावल, गुड़, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर स्त्रियां यम का पूजन करती हैं। चूंकि यह दीपक मृत्यु के नियन्त्रक देव यमराज के निमित्त जलाया जाता है, अतः दीप जलाते समय पूर्ण श्रद्धा से उन्हें नमन तो करें। साथ ही यह भी प्रार्थना करें कि वे आपके परिवार पर दया दृष्टि बनाए रखें और किसी की अकाल मृत्यु न हो।

दीपावली का प्रारम्भ धनतेरस से हो जाता है। धनतेरस पूजा को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के दिन नई वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है। धनतेरस का त्योहार दीपावाली पर्व के पहले दिन को दर्शाता करता है। यह त्योहार लोगों के जीवन में समृद्धि और स्वास्थ्य लाने के लिए माना जाता है और इसलिए इसे बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। धनतेरस के दिन चांदी खरीदने की भी प्रथा है। अगर सम्भव न हो तो कोई बर्तन खरीदे। इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है और मन में सन्तोष रूपी धन का वास होता है।

धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है। वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी इसी दिन से प्रारम्भ होती है। इस दिन घरों को लीप-पोतकर, चैक, रंगोली बना सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आवाहन किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन खरीदना शुभ माना गया है। धनतेरस को चांदी के बर्तन खरीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावली, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए।

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि धनतेरस के दौरान अपने घर में 13 दीये जलाना चाहिए और अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। जिसमें से सबसे पहले दक्षिण दिशा में यम देवता के लिए और दूसरा धन की देवी मां लक्ष्मी के लिए जलाना चाहिए। इसी तरह दो दीये अपने घर के मुख्य द्वार पर एक दीया तुलसी महारानी के लिए एक दीया घर की छत पर और बाकी दीये घर के अलग-अलग कोने में रख देने चाहिए। माना जाता है कि यह 13 दीये नकारात्मक ऊर्जा और बुरी आत्माओं से रक्षा करते हैं।

धनतेरस का दिन धन्वन्तरी त्रयोदशी या धन्वन्तरि जयन्ती भी होती है। धनतेरस को आयुर्वेद के देवता का जन्म दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गणेश लक्ष्मी घर लाएं जाते है। इस दिन लक्ष्मी और कुबेर की पूजा के साथ-साथ यमराज की भी पूजा की जाती है। पूरे वर्ष में एक मात्र यही वह दिन है जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। यह पूजा दिन में नहीं की जाती अपितु रात्रि होते समय यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है।

धनतेरस के दिन यमराज को प्रसन्न करने के लिए यमुना स्नान भी किया जाता है अथवा यदि यमुना स्नान सम्भव न हो तो स्नान करते समय यमुना जी का स्मारण मात्र कर लेने से भी यमराज प्रसन्न होते हैं। हिन्दु धर्म की ऐसी मान्यता है कि यमराज और देवी यमुना दोनों ही सूर्य की सन्ताने होने से आपस में भाई-बहिन हैं और दोनों में बड़ा प्रेम है। इसलिए यमराज यमुना का स्नान करके दीपदान करने वालों से बहुत ही ज्यादा प्रसन्न होते और उन्हें अकाल मृत्यु के दोष से मुक्त कर देते है।

धनतेरस के दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखा जाता हैं। इस दीप को यमदीवा अर्थात यमराज का दीपक कहा जाता है। रात को घर की स्त्रियां दीपक में तेल डालकर नई रूई की बत्ती बनाकर, चार बत्तियां जलाती हैं। दीपक की बत्ती दक्षिण दिशा की ओर रखनी चाहिए। जल, रोली, फूल, चावल, गुड़, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर स्त्रियां यम का पूजन करती हैं। चूंकि यह दीपक मृत्यु के नियन्त्रक देव यमराज के निमित्त जलाया जाता है, अतः दीप जलाते समय पूर्ण श्रद्धा से उन्हें नमन तो करें। साथ ही यह भी प्रार्थना करें कि वे आपके परिवार पर दया दृष्टि बनाए रखें और किसी की अकाल मृत्यु न हो। धनतेरस की शाम घर के बाहर मुख्य द्वार पर और आंगन में दीप जलाने की प्रथा भी है।

धनतेरस को मृत्यु के देवता यमराज जी की पूजा करने के लिए संध्या के समय एक वेदी (पाट्टा) पर रोली से स्वास्तिक बनाइये। उस स्वास्तिक पर एक दीपक रखकर उसे प्रज्वलित करें और उसमें एक छिद्रयुक्त कोड़ी डाल दें। अब इस दीपक के चारों ओर तीन बार गंगा जल छिडकें। दीपक को रोली से तिलक लगाकर अक्षत और मिष्ठान आदि चढाएं। इसके बाद इसमें कुछ दक्षिणा आदि रख दीजिए जिसे बाद में किसी ब्राह्मण को दे देवें।

अब दीपक पर कुछ पुष्पादि अर्पण करें। इसके बाद हाथ जोडकर दीपक को प्रणाम करें और परिवार के प्रत्येक सदस्य को तिलक लगाएं। अब इस दीपक को अपने मुख्य द्वार के दाहिनी और रख दीजिए। यम पूजन करने के बाद अन्त में धनवंतरी पूजा करें। इस प्रथा के पीछे एक लोक कथा है। कथा के अनुसार किसी समय में एक राजा थे जिनका नाम हेम था। दैव कृपा से उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब बालक की कुण्डली बनाई तो पता चला कि बालक का विवाह जिस दिन होगा उसके ठीक चार दिन के बाद वह मृत्यु को प्राप्त होगा। राजा इस बात को जानकर बहुत दुखी हुआ और उन्होने राजकुमार को ऐसी जगह पर भेज दिया जहां किसी स्त्री की परछाई भी न पड़े। दैवयोग से एक दिन एक राजकुमारी उधर से गुजरी और दोनों एक दूसरे को देखकर मोहित हो गये और उन्होंने गन्धर्व विवाह कर लिया।

विवाह के पश्चात विधि का विधान सामने आया और विवाह के चार दिन बाद यमदूत उस राजकुमार के प्राण लेने आ पहुंचे। जब यमदूत राजकुमार प्राण ले जा रहे थे उस वक्त उसकी नवविवाहिता पत्नी का विलाप सुनकर उनका हृदय भी द्रवित हो उठा। परन्तु विधि के अनुसार उन्हें अपना कार्य करना पड़ा। यमराज को जब यमदूत यह कह रहे थे उसी वक्त उनमें से एक ने यमदेवता से विनती की। हे यमराज क्या कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे मनुष्य अकाल मृत्यु के लेख से मुक्त हो जाए।

दूत के इस प्रकार अनुरोध करने से यमदेवता बोले हे दूत अकाल मृत्यु तो कर्म की गति है। इससे मुक्ति का एक आसान तरीका मैं तुम्हें बताता हूं सो सुनो। कार्तिक कृष्ण पक्ष की रात जो प्राणी मेरे नाम से पूजन करके दीप माला दक्षिण दिशा की ओर भेट करता है। उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। यही कारण है कि लोग इस दिन घर से बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीप जलाकर रखते हैं। चूंकि यह समृद्धि का त्योहार है, इसलिए लोग अपने घरों को भी साफ करते हैं, उन्हें एक नया रंग देते हैं और कई तरह से सजाते हैं। धनतेरस हर किसी को समृद्ध और अच्छे स्वास्थ्य का एहसास कराता है। दीपावाली धन से ज्यादा स्वास्थ्य और पर्यावरण पर आधारित त्योहार है। दीपावली एक ऐसा त्योहार है जिसके अपने पर्यावरणीय निहितार्थ है। मौसम मे बदलाव और दीपपर्व मे घनिष्ठ सम्बन्ध है। इसे समझते हुए कृपया दीपावली पर पर्यावरण को नुकसान पहुचाने वाली गतिविधिया ना करे।

सकारात्मक ऊर्जा जगाने का आध्यात्मिक पर्व भी है दीपावली

'दीपावली' शब्द संस्कृत से आया है, जहां 'दीप' का अर्थ है 'प्रकाश' और 'अवली' का अर्थ है 'पंक्ति' –जिसका शाब्दिक अर्थ है 'रोशनी की पंक्ति।' यह पर्व हिंदू माह, कार्तिक की अमावस्या को मनाया जाता है। पर्व का उत्सव आमतौर पर पांच दिनों तक चलता है, प्रत्येक दिन का अपना महत्व, अनुष्ठान और रीति–रिवाज़ होते हैं। तीसरे दिन को मुख्य दिवाली उत्सव मनाया जाता है। वनवास के 14 साल के बाद, भगवान श्रीराम, माता सीता और भाई लक्ष्मण अपने राज्य अयोध्या लौटे थे। लंका विजय के बाद श्रीराम अयोध्या लौटे। अयोध्या के लोगों ने भगवान राम के मार्ग को रोशन करने के लिए मिट्टी के दीयों की पंक्तियां जलाकर उनका स्वागत किया। यह विजयी वापसी अंधेरे पर प्रकाश की, बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। भगवान राम की वापसी की खुशी में ढोल और शंख बजाए गए और अयोध्या वासी सड़कों पर खुशी से नृत्य करने लगे। हिमालयी परंपरा और ज्ञान के अनुसार लोगों को ज्ञान प्राप्त करते समय यही खुशी अपने दिल में रखनी चाहिए। अपने जीवन को समृद्ध बनाने के लिए योग प्रथाओं को अपनाना चाहिए।

भारत के अन्य हिस्सों में, यह त्योहार विभिन्न ऐतिहासिक घटनाओं की याद दिलाता है। दक्षिण भारतीय इसे उस दिन के रूप में मनाते हैं, जिस दिन भगवान कृष्ण ने राक्षस नरकासुर को हराया था। जबकि जैन समुदाय इसे भगवान महावीर ने निर्वाण दिवस के रूप में मनाता है। सिखों के लिए, दीपावली बंदी छोड़ दिवस के साथ मेल खाती है, यह पर्व मुगल सम्राट जहांगीर द्वारा कारावास से गुरु हरगोबिंद जी की रिहाई का प्रतीक है।

घरों को रंगोली से सजाया जाता है। लोग दीये जलाते हैं। परिवार में उपहारों और मिठाइयों का आदान–प्रदान करते हैं। नए कपड़े पहने जाते हैं और समृद्धि के लिए देवी लक्ष्मी से प्रार्थना की जाती है। आतिशबाजी का प्रदर्शन बुरी आत्माओं को दूर भगाने का प्रतीक है। आज दीपावली उत्सव में पारंपरिक रीति–रिवाज़ों को समकालीन प्रथाओं के साथ मिश्रित किया गया है। त्योहार से कुछ हफ्ते पहले घरों की पूरी तरह से सफाई और सजावट की जाती है। रंगीन पाउडर से बने विस्तृत रंगोली डिज़ाइन, प्रवेश द्वारों को सजाते हैं, जबकि बिजली की रोशनी के तार शहरों को जगमग प्रदेश में बदल देते हैं। यह त्योहार एक प्रमुख सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम के रूप में विकसित हुआ है। पारिवारिक समारोहों में पारंपरिक मिठाइयों और स्वादिष्ट व्यंजन परोसे जाते हैं। उपहारों का आदान–प्रदान होता है। बच्चे उत्सुकता से आतिशबाजी का इंतजार करते हैं। शहरी क्षेत्रों में लोग सांस्कृतिक–कार्यक्रम व सामूहिक प्रार्थना भी शामिल होते हैं।

जैसे–जैसे भारतीय समुदाय विश्व स्तर पर फैला है, दीपावली को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिल गई है। दुनिया के प्रमुख शहर अब न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर से लेकर लंदन के ट्राफलगर स्क्वायर तक दीपावली पे सार्वजनिक समारोह आयोजित करते हैं। इस वैश्वीकरण ने उत्सवों को स्थानीय संदर्भों में ढाल विश्व बिरादरी को उत्सव की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराया है।

प्रकाश, ज्ञान और अच्छाई के उत्सव के रूप में, दीपावली लाखों लोगों के जीवन को रोशन कर रही है। पीढ़ियों और भौगोलिक सीमाओं के पार एकता, खुशी और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा दे रही है। प्रकाश, ज्ञान और बुद्धिमत्ता का प्रतीक है इसलिए दिवाली पर हम इसे अपने घरों में दीपक जलाकर मनाते हैं। अंधकार प्रकाश की अनुपस्थिति है और अंधकार अज्ञानता और नकारात्मक शक्तियों का प्रतिनिधित्व करता है। यह त्योहार आंतरिक रोशनी और आत्म–प्रतिबिंब को प्रोत्साहित करता है। अपने बाहरी उत्सवों से परे, दीपावली का गहरा आध्यात्मिक महत्व है। दीपक जलाना आंतरिक प्रकाश का प्रतीक है जो आध्यात्मिक अंधकार से बचाता है, जो अज्ञान पर ज्ञान, बुराई पर अच्छाई और निराशा पर आशा का प्रतिनिधित्व करता है। यह रूपक पहलू इस त्योहार को सांस्कृतिक और धार्मिक सीमाओं के पार प्रासंगिक बनाता है।

हिमालय का दिव्य ज्ञान सलाह देता है कि जब हम अपने घरों में दीपक जलाते हैं तो हमें अपने प्रियजनों के घरों में भी दीपक जलाना चाहिए। यह दीपावली के पवित्र त्योहार के दौरान प्यार और दूसरों की देखभाल की भावना को औरों के साथ बांटने की भावना का प्रतिनिधित्व करता है। इससे सकारात्मकता का निर्माण होता है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। इस जीवन का केवल एक ही उद्देश्य है और वह है सद्भाव और आनंद। हम सभी को इन गुणों को अपने जीवन में आमंत्रित करने और विकसित करने का प्रयास करना चाहिए। सभी को हिमालयी परंपरा के अनुसार आनंदमय जीवन का संदेश फैलाना चाहिए। त्योहार पांच दिनों तक चलता है, प्रत्येक का अपना महत्व और रीति–रिवाज हैं :–

धनतेरस

पहला दिन धन और समृद्धि को समर्पित है। लोग अपने घरों की सफाई करते हैं और सोना, चांदी या बर्तन खरीदते हैं क्योंकि इसे शुभ माना जाता है।

नरक चतुर्दशी

इसे छोटी दिवाली के रूप में भी जाना जाता है। इस दिन नरकासुर पर भगवान कृष्ण की जीत का जश्न मनाया जाता है। सुबह की पारंपरिक रस्में और तेल स्नान आम प्रथाएं हैं।

लक्ष्मी पूजा

दीपावली का मुख्य दिन धन और समृद्धि की देवी देवी लक्ष्मी की पूजा पर केंद्रित है। घरों को रंगोली, दीयों और फूलों से सजाया जाता है।

गोवर्धन पूजा

यह दिन भगवान कृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत को उठाकर भगवान इंद्र के प्रकोप से गोकुल के लोगों की रक्षा करने का जश्न मनाया जाता है।

भाई दूज

यह त्योहार भाई–बहन के बंधन के उत्सव के साथ समाप्त होता है।

वक्त की चाल में ढलने लगी है रंगोली

भारत देश कला के क्षेत्र में विविधता से भरपूर है। अनेक प्रकार की कलाओं के खजानों से भरा हमारा देश है। हमारे देश में हर त्योहार और हर उत्सव की अपनी एक विशेषता होती है। इनमें आंगन में रंगोली बनाने का भी अपना एक अलग महत्व है। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात, बंगाल, राजस्थान में आंगन में की जाने वाली चित्रकारी का भव्य रूप भले अलग–अलग हो, पर घर के आंगन, भगवान का मंदिर, तुलसी का चौरा, व रसोई घर के मुख्य दरवाजे, दहलीज को साफ–सुथरा कर रंगोली मांड कर पूजा के लिए तैयार किया जाता है। कुछ राज्यों में यह दिनचर्या के रूप में किया जाता है। महाराष्ट्र में प्रतिदिन देव स्थान पर रंगोली की जाती है। बंगाल में कुछ जगहों पर हर त्योहार, उत्सवों के अवसर, विवाह आदि पर रंगोलियां बनाई जाती हैं।

गुजरात में दीपावली के पंद्रह दिन, अर्थात कार्तिक सुद ग्यारस से लेकर देवउठनी ग्यारस तक, रोज नई रंगोली बनाने की प्रथा है। दिवाली के उन पांच दिनों में रंगोली कुछ अलग होती है, जैसे धनतेरस को लक्ष्मी गणेश के संग शुभ लाभ की रंगोली, काली मैया की आकृति की काली चौदस को कुबेर या काली मां के साथ कलश, कमल, शंख आदि, और दीपावली के दिन लक्ष्मी पाद, शंख, चौका दीपकों की छटा के साथ। दीपावली का अगला दिन गुजरात में नव वर्ष के आगमन का दिन माना जाता है। नववर्ष शुभ कामनाओं का और अगले दिन भाई–बहन के पवित्र प्यार भरे संबंध का। इस तरह हर दिन गुजरात की महिलाएं, पुरुष, बच्चे मिलकर अपने घर के आंगन, चौक, बरामदों अथवा मोहल्ले के आंगनों व मंदिरों, घर की दहलीज में तरह–तरह की रंगोली बनाकर दीपावली मनाते हैं। महिलाएं सुबह जल्दी उठकर आंगन में पिछले दिन का कचरा साफ करके पुरानी रंगोली को साफ करती हैं, उस पर गेरू का पोता करके पुनः नई रंगोली बनाती हैं। सामान्यतः परंपरागत रंगोली लाल मिट्टी, गेरू, हिरमच, चूने, हल्दी, चावल के आटे से बनाई जाती है। लेकिन गुजरात में इसके लिए अनेक तरह के चूने से बने रंगों से बाजार सज जाता है। यह रंग दीपावली के पहले से ही बाजारों में मिलने लगते हैं। इसमें सफेद चूने का पाउडर प्रमुख होता है, जिससे रंगोली की बाह्य रेखा को आकार देने के लिए प्रयोग किया जाता है। अन्य रंगों की मदद से रंगोली को सुंदर रूप दिया जाता है।

आज के आधुनिक युग में रंगोली विभिन्न वस्तुओं से बनाने का चलन बढ़ा है, जैसे परंपरागत रंगोली, फूलों की रंगोली, तरह–तरह के रंगों से बनी रंगोली, साबुत नमक से बनी रंगोली, कागज के कतरन से बनी रंगोली, दाल–चावल से बनी रंगोली, इसके अलावा कांच की चूड़ियों के टुकड़ों से बनी रंगोली, मसालों से सजी रंगोलियां, तरह–तरह के बटनों से, फूल–पत्तों से, मोतियों से व धागों से रंगोली बनाई जाती है। परंपरागत रंगोली में अब भी चूना, गेरू, हल्दी व चावल का आटा व फूलों का ही प्रयोग होता है। चित्रकारी का ही एक रूप है रंगोली, पर इसमें किसी कूची या साधन का उपयोग नहीं होता। बस सधे हुए हाथों से रंगों को इस तरह फैलाना होता है कि एक सुंदर कलात्मक रचना तैयार हो जाए। राजस्थान में गीले चूने व हिरमच से जो मांडने बनाये जाते हैं। जिस तरह हर विषय में समाज में आधुनिकता आई है, नयापन आया है, उसी तरह इसका रूप भी थोड़ा आधुनिक होने लगा है। जैसे राजस्थान में परंपरागत मांडनों का स्थान स्टीकरों ने ले लिया है। महाराष्ट्र में विवाह के उपलक्ष्य में थाली के चारों ओर बनने वाली रंगोली का स्थान मोतियों की लड़ियों व झालरों ने ले लिया है।

मिट्टी के दीये जलाएं, प्रदूषण को दूर भगाएं और परंपरा जीवंत बनाएं

प्रियंका सौरभ

आज की भागती दौड़ती ज़िन्दगी में लोग अपनी परंपरा को भूलते जा रहे हैं। इसका परिणाम है कि आज देश में पर्यावरण संकट के साथ–साथ कई तरह की समस्या उत्पन्न हो रही है। जिसके चलते सभी लोग और जीव–जंतु के जीवन पर संकट है। इस परंपरा में एक दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीये जलाना भी है। जिसको आज लोग भूलते जा रहे हैं और उसकी जगह पर इलेक्ट्रानिक लाइटों का उपयोग कर रहे हैं। लेकिन जो सुंदरता मिट्टी के दीये जलने पर दिखती है वह इलेक्ट्रानिक लाइटों के जलने से नहीं। इस बात को स्वयं लोग भी स्वीकार कर रहे हैं और इस परंपरा को लोगों के भूलने पर चिंता भी व्यक्त कर रहे हैं। मिट्टी के दीये जलाना परंपरा के साथ हमारी संस्कृति है। अपनी संस्कृति को कोई कैसे भूल सकता है। इसका सभी लोगों को ध्यान रखना चाहिए। मिट्टी के दीये जलाने के कई लाभ है। जिसका उल्लेख कई जगहों पर देखने और सुनने को मिलता है। इसलिए सभी लोग मिट्टी के दीयें जलाएँ।

दीपावली का त्यौहार मिट्टी के दीये से जुड़ा हुआ है। यह हमारी संस्कृति में रचा–बसा हुआ है। दीया जलाने की परंपरा आदि काल से रही है। भगवान राम की अयोध्या वापसी की ख़ुशी में अयोध्यावासियों ने घर–घर दीप जलाया था, तब से ही कार्तिक महीने में दीपों का यह त्यौहार मनाये जाने की परंपरा रही है। पिछले दो दशक के दौरान कृत्रिम लाइटों का क्रेज बढ़ा है। आधुनिकता की आंधी में हम अपनी पौराणिक परंपरा को छोड़ कर

दीपावली पर बिजली की लाइटिंग के साथ तेज ध्वनि वाले पटाखे चलाने लगे हैं। इससे एक तरफ़ मिट्टी के कारोबार से जुड़े कुम्हारों के घरों में अँधेरा रहने लगा, तो ध्वनि और वायु प्रदूषण फैलानेवाले पटाखों को अपना कर अपनी सांसों को ही खतरे में डाल दिया। अपनी परंपराओं से दूर होने की वज़ह से ही कुम्हार समाज अपने पुश्तैनी धंधे से दूर होता जा रहा है। दूसरे रोजगार पर निर्भर होने लगे हैं। एक समय था जब दीपावली पर्व को लेकर लोग मिट्टी के दीये खरीदने के लिए पहले ही कुम्हार को आर्डर कर देते थे। तब गाँव या अन्य किसी गाँव के कुम्हार के घर के सभी सदस्य काम में व्यस्त होते थे।

दीपावली पर्व पर कई लोगों के आर्डर को पूरा करने में दिन–रात एक कर मेहनत करते थे। हालांकि उस समय उतनी आमदनी नहीं होती थी, लेकिन कुम्हारों की भी एक रुचि रहती थी कि इस परंपरा को जीवंत रखना है। लेकिन आज लोग मिट्टी के दीये जलाना धीरे–धीरे कम कर दिए हैं, इससे अब कुम्हार भी इसमें रुचि नहीं ले रहे। जिसका नतीजा है कि आज दीपावली पर्व में लोग घर में दो–चार मिट्टी के दीये जला कर सिर्फ़ एक परंपरा को किसी तरह निर्वहन कर रहे हैं। ज्यादातर लोग इलेक्ट्रानिक लाइटों, झालर और अन्य लाइटों को जला कर ही दीपावली पर्व में अपने घर को रोशनी से जगमग करने की कोशिश कर रहे हैं। हम सभी अब दीपावली के नाम पर पर्यावरण को दूषित कर रहे हैं। अब हमें पुनः अपनी परंपरा को समझना होगा। हमें मिट्टी के दिये जलाने की परंपरा की पुनः शुरुआत करनी होगी। इससे कीड़े मकोड़े मरते हैं। झालर और लाइट से कीड़े नहीं मरते। हमारी संस्कृति सरसों के तेल के दिये जलाना है, अच्छे पकवान बनाना, मिठाइयाँ खाना और पड़ोसी को भी खिलाना, लोगों को उपहार देना आदि है। लेकिन लोग अब उतने समझदार नहीं हैं इसलिए पटाखे छूटेंगे। लोग मिट्टी के दीये जलाएँ। इससे प्रदूषण भी नहीं होगा और परंपरा भी जीवंत रहेगी। दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीये जलाना पूर्वजों के द्वारा बनाई गई परंपरा है। इसे हम सभी लोगों को बरकरार रखना चाहिए। दिवाली में मिट्टी के दीये जलाना हमारी संस्कृति और प्रकृति से जुड़ने का बहुत ही सुगम साधन है। यह भारतीय संस्कृति में बहुत ही शुभ और पवित्र माना जाता है। मिट्टी के दीये प्रेम, समरसता और ज्ञान के प्रतीक हैं। सामाजिक व आर्थिक आधार पर भी दीयों की खूबसूरती जगजाहिर है। इस बार दीपावली के दिन मिट्टी के दीये जलाने का संकल्प लेकर संस्कृति का बचाव करना है। सभी लोग मिट्टी के दिये ही जलाएँ। आज की युवा पीढ़ी इलेक्ट्रानिक लाइटों के प्रति अधिक रुचि रख रही है। घरों को सजाने से लेकर दीये जलाने में इलेक्ट्रानिक लाइटों का ही उपयोग कर रही है। जबकि यह सोचना चाहिए कि हमारी संस्कृति और परंपरा का निर्वहन करना युवाओं के कंधे पर ही है। गाँव या किसी शहर में जो कुम्हार है वह आज भी मिट्टी के दीये बनाते हैं। इसमें उन्हें सिर्फ़ आमदनी का लालच नहीं होता बल्कि उनमें अपनी संस्कृति और परंपरा को बरकरार रखने का उत्साह होता है। लेकिन लोग इसे भूलते जा रहे हैं।

पहला धन निरोगी काया...

अखिलेश श्रीवास्तव

धन कमाना अच्छा है, पर शरीर का ध्यान रखते हुए क्योंकि यही शरीर, धर्म का साधन है। ऋषि मंत्र और उपनिषद बताते हैं शरीर माध्यम, खलु धर्मसाधनम् अर्थात शरीर ही सभी धर्मों को पूरा करने का साधन है। यानी शरीर को स्वस्थ बनाए रखना जरूरी है। इसी के होने से सभी का होना है।

धनतेरस पर धन की पूजा की परंपरा है, तो भगवान धनवंतरी की पूजा भी है, भगवान धन्वंतरी आयुष्य के देवता है जिससे धनतेरस का संदेश साफ हो जाता है, भारत के समाज जीवन में एक पद या कहावत पुराने समय से चली आ रही है. पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया वैसे तो पूरी दीवाली, लक्ष्मी पूजा, धन-संपत्ति पूजन के लिए ही है पर इसका शुभारंभ धनतेरस के दिन आरोग्य के दाता भगवान धन्वंतरि की पूजा से होता है। फिर कुबेर की पूजा रूप चौदस, लक्ष्मी पूजन, गोवर्धन पूजा और भाई दूज होती है।

हम सब ने इस प्राचीन संदेश को कोरोना काल में गंभीरता से समझ भी लिया है। रोगी हो जाने के बाद धन-संपत्ति कुछ काम नहीं आए। लोग धन दौलत लिए घूमते रहे अस्पतालों में उन्हें जगह नहीं मिली। संदेश साफ है पहला धन निरोगी काया ही है। यदि शरीर स्वस्थ है तो ही आप धन संपत्ति भौतिक सुख सुविधाओं का आनंद उठा सकते हैं। यदि शरीर अस्वस्थ है तो मन को भौतिक संपदाये, आनंद उत्सव सब कुछ रसहीन लगता है। मन बेचैन बना रहता है, मन तभी सुखी रह सकता है, जब तन स्वस्थ हो, पर हम यह भी समझते हैं। शरीर भी तभी स्वस्थ रह सकता है, जब हमारा मन स्वस्थ हो। स्वस्थ मन और स्वस्थ शरीर एक सिक्के के दो पहलू हैं।

मन यदि चिंता ग्रस्त है भय व शोक आशंकाओं से भरा है तो उसका दुष्प्रभाव शरीर पर पड़ता ही है। हमारी जीवनशैली ऐसी हो कि मन को तनाव में ना डालें, क्योंकि शरीर श्रम को तो सहन कर लेता है बल्कि उससे स्वस्थ बनता है पर तनाव से नाना प्रकार की समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इसलिए भारतीय सनातन ज्ञान हमें बताता है कि धन कमाने में हमें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? किस प्रकार से धन कमाना चाहिए?

आज जिस जीवन शैली को हमने अपना लिया है उससे धन कमाने की अंधी दौड़ प्रारंभ हो गई है। हमने अपनी जरूरतें बहुत बड़ा ली है। जिन वस्तुओं की हमें आवश्यकता नहीं है, दिखावा और एक दूसरे को दिखाने की स्पर्धा ने उन्हें भी प्राप्त करने की आकांक्षा है। जिससे हमारा समय और सुकून दोनों छिन गए है। ऊपर से आकांक्षाओं के पूरा न होने से हीन भावना और प्राप्त कर लेने से मन में घमंड उत्पन्न हो रहा है जो मन की व्याधियां है। क्रोध और व्यग्रता ने धैर्य के लिए स्थान ही नहीं छोड़ा। इन सब बातों का प्रभाव बेचारी काया झेल रही है। ईश्वर ने जिस काया को हमें आध्यात्मिकता की तरफ ले जाने के लिए दिया है जिससे हम शांति और मुक्ति प्राप्त कर सकते हैं उसे हमने रोगी बना लिया है, स्वस्थ जीवन शैली और आरोग्य हमारा लक्ष्य होना चाहिए। अपनी दिनचर्या को ऐसा बनाएं कि कुछ समय शरीर की देखभाल के लिए हो कुछ मन की देखभाल के लिए और कुछ पेट की।

सुबह या शाम तीस चालीस मिनिट टहलने के लिए दिए जा सकते हैं। यदि घूमने जाने के लिए जगह नहीं है तो घर में ही कदम ताल की जा सकती है , कुछ सूक्ष्म व्यायाम किए जा सकते हैं, मन और सांसों को संभालने के लिए प्राणायाम कर सकते हैं, ध्यान कर सकते हैं। आज शरीर पर खाने पीने की वस्तुओं का अत्यधिक दुष्प्रभाव पड़ रहा है। डब्बा बंद सामग्री यानी पैकेज्ड फूड की सुविधा ने जीवन को संकट में डाल दिया है। जिस प्रकार के रसायनों को प्रिजर्वेटिव्स के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, वह भयंकर है। इनसे बचे और प्राकृतिक पैकेज्ड फूड यानी फलों का प्रयोग करें। तीनों सफेद जहर मैदा ,शकर और नमक का उपयोग न्यूनतम करें।

मोटे अनाजों के प्रयोग को बढ़ाएं, जैविक उत्पादों का उपयोग बढ़ाएं। जिस से जैविक खेती को बढ़ावा मिले और जहरीले भोजन से समाज बच सके। जिस तरह से कृषि उत्पादन बढ़ रहे हैं उसने रोग भी बढ़ा दिए हैं। भयंकर रोग गांव-गांव तक पहुंच गए हैं। कुल मिलाकर धन की चाह हमें निर्धनता की ओर ले जा रही है। एक वक्त था अस्पताल और दवा की दुकानें इक्का-दुक्का थी। अब गली-गली जिम खुले हैं तो पग पग पर खाने के रेस्टोरेंट ओर दुकाने।दुष्परिणाम अस्पताल और दवा की दुकानें भीड़ से पटी पड़ी हैं।

धन कमाना अच्छा है, पर शरीर का ध्यान रखते हुए क्योंकि यही शरीर, धर्म का साधन है। ऋषि मंत्र और उपनिषद बताते हैं शरीर माध्यम, खलु धर्मसाधनम अर्थात शरीर ही सभी धर्मों को पूरा करने का साधन है। यानी शरीर को स्वस्थ बनाए रखना जरूरी है। इसी के होने से सभी का होना है। अतः शरीर को निरोगी रखना हमारा दायित्व है। अन्यथा हमारी स्थिति उस कौवे की तरह हो जाएगी जो नदी में तैरती हाथी की लाश पर भोजन के आनंद के लिए बैठ जाता है कुछ दिन तक प्रतिपल आनन्द उठाता है, रोज मांस नोचता है, मीठा पानी पीता है और हाथी पर ही सो जाता है। एक दिन नदी अपने गंतव्य सागर में मिल जाती है और चारों तरफ पानी ही पानी वह भी खारा। अब कौवा उड़कर कहीं नहीं जा सकता और रोते गाते देह त्याग देता है। अपने तात्कालिक सुखों के लिए कहीं हम भी तो अपने जीवन को दांव पर नहीं लगा रहे और रोगों के भंवर सागर की ओर तो नहीं जा रहे। भगवान धन्वंतरि को भगवान विष्णु का अंशावतार माना जाता है। समुद्र मंथन के समय कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन भगवान धन्वंतरि जी हाथों में अमृत कलश लिए प्रकट हुए थे , अमृत हमारे जीवन मैं भी प्रकट हो इसके लिए आवश्यक है हम अपनी दिनचर्या और जीवनशैली को ऐसा बनाएं कि दुष्ट प्रवृत्तियों को हराकर सात्विक जीवन को अपनाएँ जिसमें हमें आयुष्य प्राप्त हो। हमारे जीवन में अमृत छलके, जिससे समाज में आरोग्य का प्रकाश फैले।

आयुर्वेद के जन्मदाता हैं धन्वंतरि

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

दिवाली से दो दिन पूर्व 'धनतेरस' नामक त्यौहार मनाया जाता है, जो इस वर्ष 29 अक्तूबर को को मनाया जा रहा है। धनतेरस के प्रचलन का इतिहास बहुत पुराना माना जाता है। यह त्यौहार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को मनाया जाता है तथा इस दिन आरोग्य के देवता भगवान धन्वन्तरि एवं धन व समृद्धि की देवी लक्ष्मी का पूजन किया जाता है। धन्वंतरि को आयुर्वेद का देवता और देवताओं का चिकित्सक माना गया है, इसलिए धनतेरस को चिकित्सकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि समुद्र मंथन के समय इसी दिन धन्वंतरि आयुर्वेद और अमृत लेकर प्रकट हुए थे।

धनतेरस मनाए जाने के संबंध में जो प्रचलित कथा है, उसके अनुसार कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन देवताओं और असुरों द्वारा मिलकर किए जा रहे समुद्र मंथन के दौरान समुद्र से निकले नवरत्नों में से एक धन्वंतरि ऋषि भी थे, जो जनकल्याण की भावना से अमृत कलश सहित अवतरित हुए थे। धन्वंतरि ऋषि ने समुद्र से निकलकर देवताओं को अमृतपान कराया और उन्हें अमर कर दिया। यही वजह है कि धन्वंतरि को 'आरोग्य का देवता' माना जाता है और आरोग्य तथा दीर्घायु प्राप्त करने के लिए ही लोग इस दिन उनकी पूजा करते हैं।

इस दिन मृत्यु के देवता यमराज के पूजन का भी विधान है और उनके लिए भी एक दीपक जलाया जाता है, जो यम दीपक' कहलाता है। धार्मिक ग्रंथों में यमराज के पूजन के संबंध में एक कथा प्रचलित है। एक बार यमराज ने अपने दूतों से प्रश्न किया कि क्या प्राणियों के प्राण हरते समय तुम्हें कभी किसी प्राणी पर दया भी आई? यह प्रश्न सुनकर सभी यमदूतों ने कहा, महाराज, हम सब तो आपके सेवक हैं और आपकी आज्ञा का पालन करना ही हमारा धर्म है। अतः दया और मोह-माया से हमारा कुछ लेना-देना नहीं है।''यमराज ने उनसे जब निर्भय होकर सच-सच बताने को कहा, तब यमदूतों ने बताया कि उनके साथ एक बार वास्तव में ऐसी एक घटना घट चुकी है। यमराज ने विस्तार से उस घटना के बारे में बताने को कहा तो यमदूतों ने बताया कि एक दिन हंस नाम का एक राजा शिकार के लिए निकला और घने जंगलों में अपने साथियों से बिछुड़कर दूसरे राज्य की सीमा में पहुंच गया। उस राज्य के राजा हेमा ने राजा हंस का राजकीय सत्कार किया और उसी दिन हेमा की पत्नी ने एक अति सुन्दर पुत्र को जन्म दिया लेकिन ज्योतिषियों ने भविष्यवाणी की कि विवाह के मात्र चार दिन बाद ही इस बालक की मृत्यु हो जाएगी। यह दुःखद रहस्य जानकर हेमा ने अपने नवजात पुत्र को यमुना के तट पर एक गुफा में भिजवा दिया और वहीं पर उसके लालन-पालन की शाही व्यवस्था कर दी गई और बालक पर किसी युवती की छाया भी नहीं पड़ने दी लेकिन विधि का विधान तो अडिग था।

एक दिन राजा हंस की पुत्री घूमते-घूमते यमुना तट पर निकल आई और राजकुमार की उस पर नजर पड़ गई। उसे देखते ही राजकुमार उस पर मोहित हो गया। राजकुमारी की भी यही दशा थी। अतः दोनों ने उसी समय गंधर्व विवाह कर लिया लेकिन विधि के विधान के अनुसार 4 दिन बाद राजकुमार की मृत्यु हो गई। यमदूतों ने यमराज को बताया कि उन्होंने ऐसी सुन्दर जोड़ी अपने जीवन में इससे पहले कभी नहीं देखी थी। वे दोनों कामदेव और रति के समान सुन्दर थे। इसीलिए राजकुमार के प्राण हरने के बाद नवविवाहिता राजकुमारी का करुण विलाप सुनकर उनका कलेजा कांप उठा। घटना का पूर्ण वृतांत सुनने के बाद यमराज ने यमदूतों से कहा कि कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी के दिन धन्वंतरि ऋषि का पूजन करने तथा यमराज के लिए दीप दान करने से इस प्रकार की अकाल मृत्यु से बचा जा सकता है। ऐसी मान्यता है कि उसके बाद से ही इस दिन धन्वंतरि ऋषि और यमराज का पूजन किए जाने की प्रथा आरंभ हुई। धनतेरस के दिन घर के टूटे-फूटे बर्तनों के बदले तांबे, पीतल अथवा चांदी के नए बर्तन तथा आभूषण खरीदना शुभ माना जाता है। कुछ लोग नई झाड़ खरीदकर उसका पूजन करना भी इस दिन शुभ मानते हैं।

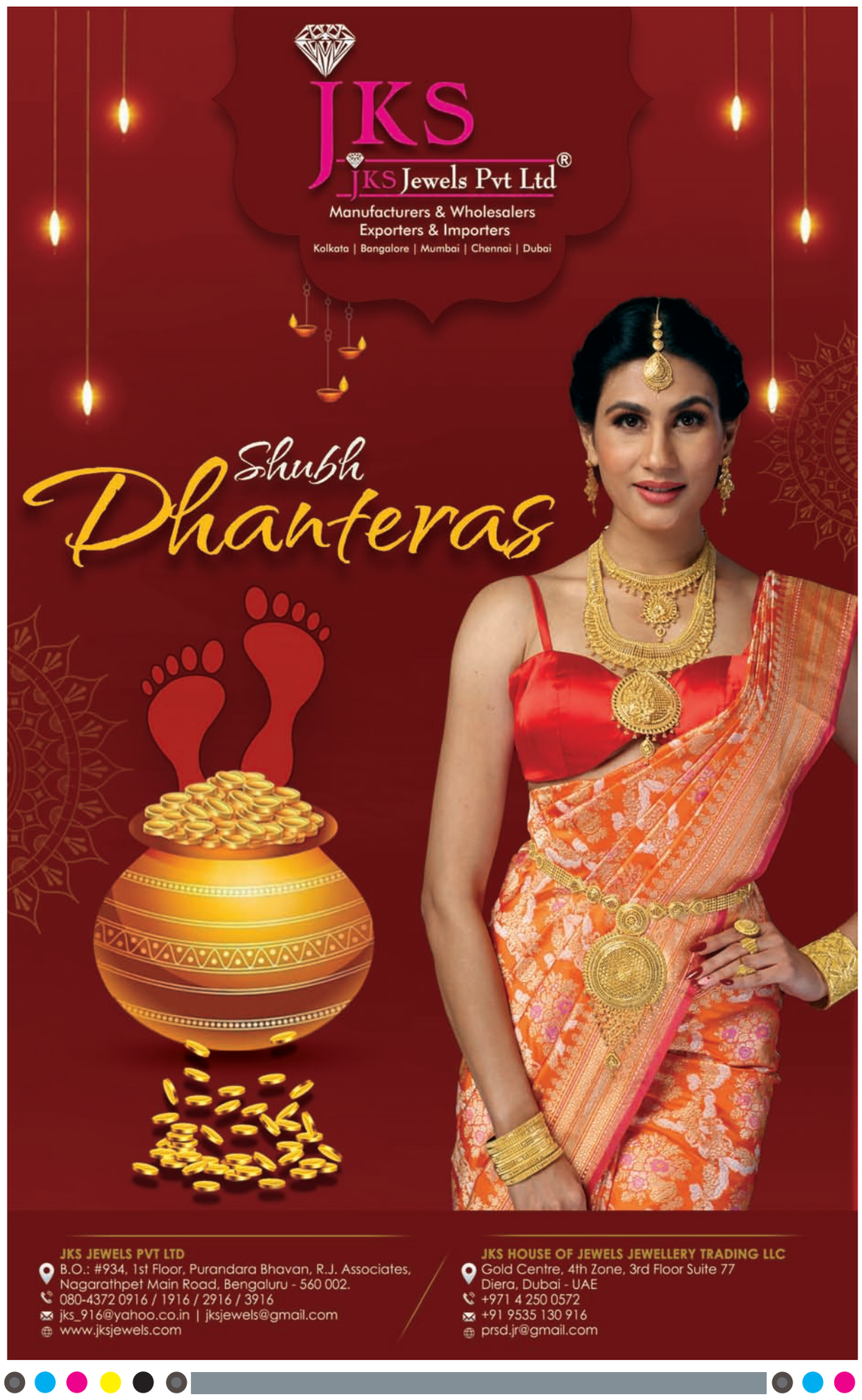

धन के साथ धर्म की अमृतवर्षा का पर्व है धनतेरस

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

भारतीय संस्कृति में धर्म-अर्थ-काम और मोक्ष जीवन के उद्देश्य रहे हैं। यहां इन्हें प्राप्त करने के लिए हमेशा से प्रयास होते रहे हैं। धनतेरस पर धन के साथ-साथ धर्म को भी यहां महत्त्व दिया गया है और दोनों के बीच समन्वय स्थापित किए जाने की आवश्यकता भी व्यक्त होती रही है लेकिन जब-जब इनके समन्वय के प्रयास कमजोर हुए हैं तब-तब समाज में एक असंतुलन एवं अराजकता का माहौल बना है।

दीपावली से जुड़े पांच पर्वों में दूसरा महत्वपूर्ण पर्व है धनतेरस। धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और इस दिन खरीदारी और दान-पुण्य करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन को धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती के नाम से भी जाना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जनक धन्वंतरि देव समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे और प्रकट होते समय उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। धनतेरस अर्थव्यवस्था का महापर्व है। अर्थ से अर्थ-व्यवस्था का सम्यक् एवं गुणात्मक संधान। इस दिन घर एवं बाजारों में आशा के दीप सजते हैं, मुद्रा का आदान-प्रदान होता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजों में कई गुना वृद्धि हो जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन कुछ उपाय करने से घर में धन-धान्य के भंडार भर जाते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। तम मिटाती धनतेरस और प्रकाश बांटती लक्ष्मी यानी भारतीय पद्धति के अनुसार प्रत्येक आराधना, उपासना व अर्चना में आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक इन तीनों रूपों का समन्वित व्यवहार होता है। इस मान्यतानुसार इस उत्सव में भी सोने, चांदी, सिक्के आदि के रूप में आधिभौतिक लक्ष्मी का आधिदैविक लक्ष्मी से संबंध स्वीकार करके पूजन किया जाता हैं। घरों को दीपमाला आदि से अलंकृत करना इत्यादि कार्य लक्ष्मी के आध्यात्मिक स्वरूप की शोभा को आविर्भूत करने के लिए किए जाते हैं। जब हम धन का ध्यान करते हैं तो सार्वभौमिक आत्मा को अपनी प्रचुरता के लिए धन्यवाद देते हैं।

हम और ज्यादा के लिए भी प्रार्थना करतें हैं ताकि हम और ज्यादा समृद्ध हो सकें यह समृद्धि केवल सोना-चांदी-रूपयों की ही नहीं बल्कि ज्ञान, आनन्द आत्मविश्वास, शांति एवं प्रेम की भी होती है। सोना चांदी केवल एक बाहरी प्रतीक है। दौलत हमारे भीतर है। भीतर में बहुत सारा प्रेम, शांति और आनंद है। इससे ज्यादा दौलत आपको और क्या चाहिए? ज्ञान ही वास्तविक धन है। आपका चरित्र, आपकी शांति और आत्म विश्वास आपकी वास्तविक दौलत है। जब आप ईश्वर के साथ जुड़ कर आगे बढ़ते हो तो इससे बढ़कर कोई और दौलत नहीं है। यह शाही विचार तभी आता है जब आप ईश्वर और उसकी अनंतता के साथ जुड़ जाते हो। जब लहर यह याद रखती है कि वह समुद्र के साथ जुड़ी हुई है और समुद्र का हिस्सा है तो विशाल शक्ति मिलती है। धनतेरस आयुर्वेद' का दिन भी है, क्योंकि जड़ीबूटियां भी धन हैं। जड़ीबूटियां और पेड़-पौधे भी धन हैं। ऐसा कहते हैं कि धनतेरस के दिन ही मानवता को अमृत दिया गया था।

भारतीय संस्कृति में धर्म-अर्थ-काम और मोक्ष जीवन के उद्देश्य रहे हैं। यहां इन्हें प्राप्त करने के लिए हमेशा से प्रयास होते रहे हैं। धनतेरस पर धन के साथ-साथ धर्म को भी यहां महत्त्व दिया गया है और दोनों के बीच समन्वय स्थापित किए जाने की आवश्यकता भी व्यक्त होती रही है लेकिन जब-जब इनके समन्वय के प्रयास कमजोर हुए हैं तब-तब समाज में एक असंतुलन एवं अराजकता का माहौल बना है। शास्त्रों में कहा गया है कि धन की सार्थकता तभी है जब व्यक्ति का जीवन सद्गुणों से युक्त हो। लेकिन हाल के वर्षों में समृद्धि को लेकर हमारे समाज की मानसिकता और मानक बदले हैं। आज समृद्धि का अर्थ सिर्फ आर्थिक सम्पन्नता तक हो गया है। समाज में मानवीय मूल्यों और सद्विचारों को हाशिये पर डाल दिया गया है और येन-केन-प्रकारेण धन कमाना एवं धन की कामना करना ही सबसे बड़ा लक्ष्य बनता जा रहा है। आखिर ऐसा क्यों हुआ? क्या इस प्रवृत्ति के बीज हमारी परंपराओं में रहे हैं या यह बाजार के दबाव का नतीजा है? इस तरह की मानसिकता समाज को कहां ले जाएगी? ये कुछ महत्त्वपूर्ण प्रश्न हैं, जिनपर धनतेरस जैसे पवित्र पर्व पर मंथन जरूरी है। लक्ष्मीजी का स्वरूप त्रिगुणात्मक है। उनका वास तन, मन और धन तीनों में है। पांच प्रकार के सुख कहे गये हैं- तन, मन, धन, पत्नी और संतान। देवी भगवती कमला यानी लक्ष्मीजी के आठ रूप कहे गये हैं। आद्य लक्ष्मी या महालक्ष्मी (कन्या), धन लक्ष्मी (धन, वैभव, निवेश, अर्थव्यवस्था), धान्य लक्ष्मी (अन्न), गजलक्ष्मी (पशु व प्राकृतिक धन), सनातना लक्ष्मी (सौभाग्य, स्वास्थ्य, आयु व समृद्धि), वीरा लक्ष्मी (वीरोचित लक्ष्मी अर्थात रक्षा, सुरक्षा), विजया लक्ष्मी (दिगदिगंत विजय), विद्या लक्ष्मी (विद्या, ज्ञान, कला विज्ञान), इन आठों स्वरूपों को मिलाकर महालक्ष्मी का पर्व बना दिवाली। दिवाली अर्थात दीप पर्व जहां इन आठों स्वरूपों का प्रकाश हो, वहां दिवाली निश्चित रूप से होती है। प्रकाश, पुष्टि, प्रगति की प्रार्थना के साथ। दूसरे अर्थ में समझिए। लक्ष्मीजी का वास एक लघु इकाई में है। एक माटी के दीपक में है। उसके प्रकाश में है। एक फकीर की भी दिवाली है तो एक अमीर की भी। एक कुम्हार की भी दिवाली है, तो एक सर्राफ की भी। यही लक्ष्मी है। मन की लक्ष्मी। सबकी लक्ष्मी। इसका आशय यह है कि तन, मन, धन, परिवार और संतान की पुष्टि एक दीप की तरह प्रकाशवान रहें। धनवर्षा के साथ, अमृतवर्षा के साथ। हमारी समृद्धि गुणात्मक हो, लेकिन समृद्धि के नाम पर पनप रहा नया नजरिया न केवल घातक है बल्कि मानव अस्तित्व पर खतरे का एक गंभीर संकेत भी है। साम्राज्यवाद की पीठ पर सवार पूंजीवाद ने जहां एक ओर अमीरी को बढ़ाया है तो वहीं दूसरी ओर गरीबी भी बढ़ती गई है। यह अमीरी और गरीबी का फासला कम होने की बजाय बढ़ता ही जा रहा है जिसके परिणामों के रूप में हम कोरोना जैसी महामारियों को, युद्ध की विभीषिकाओं को, आतंकवाद को, सांप्रदायिकता, महंगाई, बेरोजगारी को देख सकते हैं, जिनकी निष्पत्तियां हैं समाज में हिंसा, नफरत, द्वेष, लोभ, गलाकाट प्रतिस्पर्धा, रिश्ते में दरारें आदि। सर्वाधिक प्रभाव पर्यावरणीय असंतुलन एवं प्रदूषण के रूप में उभरा है। चंद हाथों में सिमटी समृद्धि की वजह से बड़े और तथाकथित संपन्न लोग ही नहीं बल्कि देश का एक बड़ा तबका मानवीयता से शून्य अपसंस्कृति का शिकार हो गया है। अनेक बुराइयां बिन बुलाए घर आ गईं। आदमी-आदमी से असुरक्षित हो गया। हिंसा, झूठ, चोरी, बलात्कार, संग्रह जैसे निषेधात्मक संस्कारों ने मनुष्य को पकड़ लिया। चेहरे ही नहीं चरित्र तक अपनी पहचान खोने लगे। नीति और निष्ठा के केंद्र बदलने लगे। आस्था की नींव कमजोर पड़ने लगे। धन के प्रति हमारा नजरिया विसंगतिपूर्ण है।

इस प्रक्रिया में हमारा दीपावली एवं धनतेरस मनाना कहां सार्थक रह पाया है। क्योंकि सारी सामाजिक मान्यताओं, मानवीय मूल्यों, मर्यादाओं को ताक पर रखकर कैसे भी धन एकत्र कर लेने को सफलता का मानक माने जाने लगा है जिससे राजनीति, साहित्य, कला, धर्म सभी को पैसे की तराजू पर तोला जाने लगा है।

प्रभु श्रीराम के चरित्र को आत्मसात कर मनाएं दीपावली पर्व

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

सर्वप्रथम संपूर्ण देशवासियों दीपावली की अनंत बधाइयां एवं हार्दिक शुभकामनाएं। आइये इस बार दीपावली पर्व प्रभु श्रीराम के विराट चरित्र का अनुशरण कर दीवाली पर्व को विशष्ट तरीके से मनाने का प्रयास करें। इस बार दीवाली को तमाम समाजिक बुराइयों, विंसगतियों से बचाते हुए वायु प्रदूषण से मुक्त रखकर धुआं फैलाने वाले पटाखों से परहेज करें औऱ साप्रदायिक भाईचारे के साथ सर्व-धर्म सर्व-भाव की भावना के एक साथ मिल जुल कर इसे विशेष बनाएं।

दीपावली पर्व के आते-आते संसार में फैला तमस (गहन अंधकार) स्वमेव छटने लगता है, दीपावली के दिवस पर ना सिर्फ सुबह, दोपहर सूरज की रोशनी से दीप्त होते हैं, बल्कि दीपोत्सव की रात्रि भी मां धरती की सोंधी गंध से लिप्त पवित्र माटी से बने दीपको की रोशनी से आच्छादित होकर जगमगाने लगती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार दीपावली भगवान श्री रामचंद्र जी 14 वर्षों के वनवास के बाद समस्त बुराइयों के प्रतीक रावण के वध के पश्चात अयोध्या लौटने पर इनका अयोध्या वासियों द्वारा घी की दीपमालाओं को नगर में कतार में लगाकर स्वागत किया गया था। राजा रामचंद्र जी सद्गुणों, अच्छाइयों, धैर्य, संयम और देव तुल्य सद्गुणों के न सिर्फ प्रतीक माने जाते हैं बल्कि स्वयं सिद्ध देवता भी हैं, जिन्होंने संपूर्ण जगत को रावण जैसी अनंत बुराइयों से मुक्त कराया था। आज उसी परंपरा पारीपाटी कों शिरोधार्य करते हुए मेहनतकश कुम्हारों और मां धरती की मिट्टी से बने पवित्र दीपों से उद्दीप्त करके समस्त सद्गुणों को द्विगुणित करने के लिए यह त्यौहार समस्त ऊर्जा और उत्साह से मनाते हैं। जगत वासी एक दूसरे से मिलकर बुराइयों के प्रतीकों को नष्ट करने का संकल्प लेकर एक दूसरे का मुंह मीठा भी कराते हैं, एवं औपचारिक तौर पर एक-दूसरे को उपहार देने का उपक्रम भी किया जाता है। गहन तमस पर उजाले की जीत का पर्व ही दीपावली है। सही मायने में दीपावली में हमें अपने घरों को माटी के दीपों से उज्ज्वल इत कर अपने व्यक्तित्व को ज्ञान के दीप से उद्दीप्त करना चाहिए। ऋषि मुनि ऐसा कह गए हैं कि शरीर को एक दिन इसी माटी में मिल जाना है और व्यक्तित्व तथा मस्तिष्क के ज्ञान की जो अविरल धारा आपके जीवन में बहेगी वह अनवरत कई पीढ़ियों तक सुदीप्त होती रहेगी, मनुष्य का जीवन अत्यंत अनमोल है इसी तरह जीवन में प्रकाश भी चाहे वह दीपों से हो या ज्ञान से हो जीवन को प्रकाशमान करते रहना होगा। दीपावली मूलतः प्रकाश का त्यौहार है। पौराणिक कथाओं के अनुसार धन, समृद्धि, विघ्न हरण एवं ऐश्वर्य के प्रतीक भगवान गणेश एवं माता लक्ष्मी की श्रद्धा पूर्वक पूजा करते हैं एवं दीपावली के एक दिन पूर्व धनत्रयोदशी या धनतेरस अति शुभ माना जाता है। इस दिन लोग स्वर्ण अथवा रजत के आभूषण खरीदना अत्यंत शुभ लक्षण मानते हैं। इसके पीछे भी एक पौराणिक कथा है माना जाता है कि समुद्र मंथन के पश्चात लक्ष्मी जी की इसी दिन से उत्पत्ति हुई थी, इसीलिए इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा धूमधाम से की जाती है। समुद्र मंथन से ही धनवंतरी जिन्हें औषधि विज्ञान का अविष्कारक माना जाता है की उत्पत्ति कार्तिक मास की त्रयोदशी मुहूर्त में हुई थी, इसीलिए धनवंतरी के नाम पर धनतेरस पर्व रखा गया है। पश्चिम बंगाल के लोग दीपावली को काली पूजा के रूप में मानते हैं वहां बड़े-बड़े एवं भव्य पंडालों के भीतर मां काली की प्रतिमा स्थापित की जाती है काली की पूजा के बाद वहां लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है।

आइए, धनतेरस-दीपावली का उत्सव सिल्वर एम्पायर एनेक्स के अभूतपूर्व सिल्वर कलेक्शन के साथ मनाएं

Wish You a very Happy Dhanteras & Subh Diwali

SILVER EMPIRE ANNEX
@ C.T.STREET - BANGALORE

धनतेरस के पावन अवसर पर सिल्वर एम्पायर एनेक्स का शोरूम सूर्योदय से मध्यरात्रि तक चमक बिखेरेगा

Wholesalers & Manufactures of 92.5 & 80 Melting Hallmark Silver Articles Speciality
BANGALORE, JAIPUR, KOLKATA, DELHI & KOLHAPUR Silver Articles.
38, Ranganatha Tower, C.T. Street, Bangalore-560 002
Tel : 080-4121 6161, Direct : 080-4161 6161, E: silverempireannex@gmail.com
Vikas : 9880266411, Ankith : 9591719885, Puneeth : 9620335544, Samkith : 9060111061

M.M. JEWELLERY
Appaji Rao Lane, C.T. Street Cross, Bangalore

पदमचन्द महेन्द्रकुमार मुणोत

OSWAL STORE
Robertsonpet, K.G.F.

दीपावली 2024

दक्षिण का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
कर्नाटक एवं तमिलनाडु से एक साथ प्रकाशित
Bengaluru : 9945488002/01/03
Chennai : 7299788003/08

शुभ

लाभ

ಮಾರುತಿ ಮೆಡಿಕಲ್ಸ್ ದನಿ
अंबा..!..ambaa..!
..ಅಂಬಾ.!
the voice of maruthi medicals
गावो विश्वस्य मातरः

MARUTHI MEDICALS
THE LEADING MEDICAL STORE OF KARNATAKA
SERVICE BEFORE SELF
ಮಾರುತಿ ಮೆಡಿಕಲ್ಸ್
ಕರ್ನಾಟಕದ ಅಗ್ರ ಔಷಧಿ ಮಳಿಗೆ
मारुति मेडिकल्स्
कर्नाटक में दवाईयों का अग्रणी प्रतिष्ठान
SINCE 1988
#13 & 14, श्रीMoti Building, Service Road, Hampi Nagara, Vijayanagara, Bengaluru-560104 Call : 080-61222111 WhatsApp : +91 7676444443 Web : maruthimedicals.com
TIMINGS - 8:00 AM TO 1:30 MIDNIGHT | NO BREAKS | NO HOLIDAY | NO BRANCHES
#mahendramunotjain
दीपावली के इस पावन अवसर पर, दुआ है कि मां की कृपा आप पर बनी रहे. लक्ष्मी पूजन की शुभकामनाएं